{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
गुरुवार 30 अप्रैल 2026
वैशाख शुक्ल 14 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 215
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स - 77,496.36
निफ्टी - 24,177.65
सोना - 1,50,440
चांदी - 2,55,000
डॉलर - 94.82

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

पांच राज्यों के एग्जिट पोल-

असम में भाजपा मजबूत, बंगाल में टीएमसी आगे, अन्य राज्यों में कड़ी टक्कर

नई दिल्ली। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के बाद आए एग्जिट पोल रुझानों ने राजनीतिक तस्वीर को काफी हद तक स्पष्ट कर दिया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को असम में स्पष्ट बहुमत मिलने का अनुमान है. जबकि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पश्चिम बंगाल में मजबूत स्थिति में नजर आ रही है। तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में मुकाबला कड़ा बताया जा रहा है।

असम में भाजपा को 88 से 100 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है. जिससे वह लगातार तीसरी बार सरकार बना सकती है। कांग्रेस गठबंधन को यहां सीमित सफलता मिलने की संभावना जताई गई है। पश्चिम बंगाल में टीएमसी को 190 से 210 सीटों के बीच रहने का अनुमान जताया गया है. पश्चिम बंगाल में भाजपा 70 से 90 सीटों पर सिमट सकती है।

तमिलनाडु में द्रविड़ मुन्नेत्र काज़हगम (डीएमके) गठबंधन को 130 से 150 सीटें मिलने का अनुमान है, जबकि आल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र काज़हगम (अन्ना डीएमके) गठबंधन को 80 से 100 सीटों के बीच सिमट सकती है.

केरल में लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडी ?फ़) को 75 से 85 सीटें और यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) को 55 से 65 सीटें मिलने की संभावना सर्वे में जताई गई है।

पुडुचेरी में त्रिकोणीय मुकाबला है.जहां भाजपा गठबंधन को 12 से 16 सीटें, डीएमके गठबंधन को 8 से 12 सीटें और अन्य को 2 से 4 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है। कुल मिलाकर, एग्जिट पोल में दो राज्यों आसम में भाजपा को तथा पश्चिम बंगाल में टीएमसी को स्पष्ट बहुमत मिलता हुआ दिख रहा है. तीन राज्यों में कांटे की टक्कर के संकेत मिल रहे हैं। अंतिम परिणाम मतगणना के बाद ही तय होंगे। यह सभी एग्जिट पोल के परिणाम का रुझान है जो मतगणना के बाद बदल भी सकता है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव | एग्जिट पोल 2026 | सीटें:294 | बहुमत:148

	टीएमसी+	भाजपा	अन्य
मैट्रिज	125-140	146-161	6-10
पोल डायरी	125-140	146-161	6-10
चाणक्य	130-140	150-160	6-10
प्रजा पोल	85-110	178-208	0-0
पीपल्स पल्स	177-187	95-110	1-4
पीमारक्यू	118-138	150-175	2-6
जनमत पोल्स	195-205	80-90	4-9
जेवीसी	131-152	138-159	2-4

पीएम मोदी ने विश्वनाथ मंदिर में की पूजा और त्रिशूल लहराया

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार सुबह काशी विश्वनाथ मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर काशी दौरे को भक्ति और जनसमर्थन के रंग में रंग दिया। प्रधानमंत्री ने मंदिर के गर्भगृह में करीब 20 मिनट तक पूजा की, जहां पांच पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ अनुष्ठान संपन्न कराया। उन्हें माला पहनाई गई और त्रिपुंड लगाया गया।

मंदिर परिसर से बाहर निकलते ही भाजपा नेताओं ने प्रधानमंत्री को त्रिशूल और डमरू भेंट किया। पीएम मोदी ने त्रिशूल उठाकर लहराया, जो वहां मौजूद श्रद्धालुओं और कार्यकर्ताओं के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया। इस दौरान डमरू बजाकर और शंखनाद के साथ उनका स्वागत किया गया। गेट पर 108 बटुकों ने एक साथ शंखनाद कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

इससे पहले संसदीय क्षेत्र वाराणसी में प्रधानमंत्री मोदी का 14 किलोमीटर लंबा भव्य रोड शो आयोजित हुआ। जगह-जगह लोगों ने फूल बरसाकर उनका स्वागत किया। भाजपा कार्यकर्ता ढोल-नगाड़ों की थाप पर नाचते नजर आए। प्रधानमंत्री मोदी ने हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। मंदिर में उन्होंने बच्चों से मुलाकात कर उनसे संवाद भी किया।पूजा के बाद पीएम सड़क मार्ग से एयरपोर्ट रवाना हुए, जहां से वे योगी आदित्यनाथ के साथ हरदोई जा रहे हैं। वहां वे गंगा एक्सप्रेस्वे का उद्घाटन करेंगे।

एक दशक में पीएम का 54वां दौरा

प्रधानमंत्री मोदी का यह काशी का 11 वर्षों में 54वां दौरा है, जबकि 2026 का यह पहला दौरा माना जा रहा है। इससे पहले वे नवंबर 2025 में यहां आए थे। दौरे के पहले दिन उन्होंने 6,350 करोड़ रुपये की 163 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इसके अलावा उन्होंने नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में हिस्सा लिया, जिसमें करीब 50 हजार महिलाएं शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने महिला सशक्तिकरण को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए विपक्षी दलों पर भी निशाना साधा। प्रधानमंत्री का यह दौरा जहां धार्मिक आस्था से जुड़ा रहा, वहीं विकास और राजनीतिक संदेशों से भी भरपूर नजर आया।

खास खबर

आधार कार्ड पहचान का प्रमाण, जन्म प्रमाण नहीं

नई दिल्ली । सरकार और यूआइडीएआइ के विशेषज्ञों ने स्पष्ट किया है. आधार कार्ड केवल पहचान और पते का प्रमाण है.इसे जन्म प्रमाण पत्र के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता है। कई मामलों में लोग आधार को जन्म तिथि के आधिकारिक दस्तावेज के रूप में उपयोग करने की कोशिश करते हैं. जिसे गलत माना गया है। जन्म से संबंधित प्रमाण के लिए नगर निगम या संबंधित प्राधिकरण द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र ही वैध माना जाएगा। अधिकारियों ने नागरिकों से सही दस्तावेजों के उपयोग की अपील की है।

9 सेकंड में एआई ने उड़ाया पूरा डेटा, रिकवरी असंभव

नई दिल्ली । एआई(आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के बढ़ते उपयोग के बीच एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है. एक अमेरिकी स्टार्टअप कंपनी का पूरा डेटा महज 9 सेकंड में डिलीट हो गया। बताया जा रहा है, एआई एजेंट की गलती से प्रोडक्शन डेटाबेस और बैकअप दोनों ही सरवर से डिलिट हो गया. डेटा की रिकवरी भी संभव हो गई है। इस घटना से कंपनी को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है, एआई के उपयोग और मेंटेनेंस में पर्याप्त सुरक्षा, पुष्टि और निगरानी बेहद जरूरी है. वरना ऐसे गंभीर जोखिम उठाने पड सकते हैं।

श्री महाकालेश्वर मंदिर में अन्न क्षेत्र के लिए ऑनलाइन दान व्यवस्था शुरू

उज्जैन। मध्यप्रदेश के उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति ने श्रद्धालुओं की सुविधा और भक्ति को नया विस्तार देकर अन्न क्षेत्र के लिए ऑनलाइन दान व्यवस्था शुरू करने का निर्णय लिया है। यह नई सुविधा संभवत: आगामी सोमवार से शुरु होगी, जिसके माध्यम से भक्त अब विश्व के किसी भी कोने से मंदिर की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपनी इच्छानुसार दान राशि जमा कर सकते है।

मेडिकल कॉलेजों में बढ़ेंगी एमबीबीएस की सीटें

नई दिल्ली। नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) ने मेडिकल शिक्षा में बड़ा बदलाव करते हुए खब्बर सीट बढ़ाने के लिए नए मानक लागू कर दिए हैं। 23 अप्रैल को जारी अधिसूचना के अनुसार अब 150 सीटों की अधिकतम सीमा और आबादी आधारित सीट निर्धारण का नियम हटा दिया गया है। इससे योग्य मेडिकल कॉलेज अपनी क्षमता के अनुसार सीटें बढ़ा सकेंगे। साथ ही कॉलेज और संबद्ध अस्पताल के बीच की दूरी का मानक भी संशोधित किया गया है।

बंगाल में मतदान से पहले आधी रात को सुप्रीम कोर्ट में दिखी हलचल

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण की वोटिंग से ठीक पहले एक नाटकीय घटनाक्रम में सुप्रीम कोर्ट में आधी रात को हलचल देखने को मिली। आईपीएस अधिकारी अजय पाल शर्मा को राज्य में चुनाव के दौरान ड्यूटी करने से हटाने की मांग को लेकर एक जनहित याचिका दायर की गई।

जानकारी अनुसार उक्त याचिका में उत्तर प्रदेश कैडर के इस अधिकारी को पश्चिम बंगाल में 'पुलिस पर्यवेक्षक' पद से तत्काल हटाने की मांग की गई है। याचिकाकर्ता ने मंगलवार देर रात रिट याचिका (सिविल) ई-फाइल करते हुए संविधान के अनुच्छेद 32 का हवाला दिया, जो नागरिकों को अपने मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए सीधे सर्वोच्च न्यायालय जाने का अधिकार देता है।

याचिकाकर्ता ने अदालत से इस मामले में त्वरित सुनवाई की अपील करते हुए आरोप लगाया कि अजय पाल शर्मा ने चुनाव आयोग के पर्यवेक्षक के रूप में अपेक्षित निष्पक्षता का पालन नहीं किया। उन्हें 'एनकाउंटर विशेषज्ञ' और 'यूपी के सिंघम' के नाम से भी जाना जाता है।

याचिका में दावा किया गया, कि दक्षिण 24 परगना में तैनाती के बाद से वे मतदाताओं और राजनीतिक उम्मीदवारों को डराने-धमकाने तथा अनुचित प्रभाव डालने जैसे कार्यों में शामिल रहे हैं। इससे चुनावी माहौल प्रभावित हो रहा है और 2026 के विधानसभा चुनाव की निष्पक्षता पर जनता का भरोसा कमजोर पड़ सकता है। याचिकाकर्ता ने रिप्रजेंटेशन ऑफ द पिपुल एक्ट 1951 का हवाला देते हुए कहा कि पर्यवेक्षकों की भूमिका स्वतंत्र और निष्पक्ष निगरानी सुनिश्चित करना होती है। ऐसे में किसी भी प्रकार का पक्षपात लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है। यह अलग बात है कि इस याचिका पर सुनवाई की तारीख अभी तय नहीं हुई है।

नहीं मानी बुजुर्ग महिला तो हाईकोर्ट ने दी 2046 में केस सुनने की तारीख

-सोसाइटी मेंटेनेंस के फंड को लेकर शुरु हुई बातचीत कानूनी जंग में बदली

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट में एक अनोखा और हैरान कर देने वाला मामला सामने आया। मुंबई की एक सोसायटी में रहने वाली 90 साल की बुजुर्ग महिला को सोसायटी के सदस्यों पर इतना गुस्सा आया कि उन्होंने बॉम्बे हाईकोर्ट में मानहानि का मामला दायर कर दिया। इतना ही नहीं बहुत समझाने और सदस्यों के माफी मांगने के बाद भी वे नहीं मानी और केस लड़ने पर अड़ी रहीं। आखिरकार थककर हाईकोर्ट ने बुजुर्ग महिला को 20 साल आराम करने की सलाह दी और कहा कि उनका केस साल 2046 के बाद सुना जाएगा।

बता दें मामला मुंबई की एक सोसायटी का है। यहां अपनी बेटी के साथ रह रही 90 साल की बुजुर्ग महिला ने अपने सोसाइटी के पुराने मैनेजिंग कमिटी के सदस्यों पर 20 करोड़ रुपए का मानहानि का मुकदमा दायर किया है। यह मामला करीब 10 साल पुराना है। जब

सोसाइटी के रिपेयर और मेंटेनेंस के फंड को लेकर शुरु हुई बातचीत लंबी कानूनी जंग में बदल गई। उस समय सोसाइटी की बैठक के मिनट्स में महिला को 卐डिफॉल्टर卐 लिख दिया गया था। इस बात से महिला को इतनी ठेस पहुंची कि उन्होंने कमिटी के सदस्यों के खिलाफ मानहानि का मुकदमा ठोक दिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार को जब यह मामला जस्टिस जितेंद्र जैन की कोर्ट में आया तो कोर्ट ने दोनों पक्षों से सुलह करने को कहा। कोर्ट ने सुझाव दिया कि अगर कमिटी वाले बिना शर्त माफी मांग लें तो मामला खत्म हो सकता है। हाईकोर्ट के सुझाव को पुराने कमिटी सदस्यों ने भी तुरंत मान लिया और कहा कि वे बिना किसी शर्त के माफी मांगने को तैयार हैं लेकिन नाराज बुजुर्ग महिला ने साफ मना कर दिया। उन्होंने कहा कि वे केस लड़ेंगी। इस पर जस्टिस जितेंद्र जैन ने कहा कि मैं और कुछ नहीं कहना चाहता, बस इतना कह सकता हूं कि यह मामला अगले 20 साल तक न उठाया जाए। कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए लिखा, 'यह उन मामलों में से एक है जहां लोगों के जीवन के अंतिम पड़ाव में भी अहंकार की लड़ाई चल रही है, जिसकी वजह से कोर्ट का सिस्टम जाम हो रहा है। ऐसे मामलों की वजह से जरूरी मुकदमों की सुनवाई प्रभावित हो रही है। लिहाजा कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई को 2046 तक के लिए टाल दिया।

मार दिया तो मार दिया, कौन बड़ी बात

पुलिस की गोली से बिहारी युवक की मौत पर मांझी के बिगड़े बोले

नई दिल्ली, । देश की राजधानी दिल्ली में पुलिस की गोली से बिहार के खगड़िया निवासी 23 वर्षीय युवक पांडव कुमार की मौत का मामला अब एक बड़े राजनीतिक विवाद में तब्दील हो गया है। इस

संवेदनशील मुद्दे पर केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी द्वारा दी गई प्रतिक्रिया ने आग में घी डालने का काम किया है। दिल्ली पुलिस के कॉन्स्टेबल द्वारा की गई इस फायरिंग पर जब मांझी से सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा, यह कौन सी बड़ी बात है भाई, मार दिया तो मार दिया। अगर पुलिस की गोली से मरा है, तो कोई न कोई बात जरूर रही होगी। इसकी जांच होगी और अगर मारने वाला गलत पाया गया, तो उस पर कार्रवाई की जाएगी। मांझी ने आगे तर्क दिया कि कोई जानबूझकर किसी को नहीं मारता, किसी पर शंका होने पर ही ऐसी स्थिति बनती है। उनके इस मार दिया तो मार दिया वाले बयान के बाद विपक्ष हमलावर हो गया है। इससे पहले बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इस घटना को लेकर केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार पर तीखा प्रहार किया था। तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा के शासन में बिहारी होना ही सबसे बड़ा अपराध और देशद्रोह बन गया है। उन्होंने कहा कि पांडव कुमार की हत्या सिर्फ इसलिए कर दी गई क्योंकि वह बिहार का रहने वाला था, और इस घटना में उसका दोस्त कृष्ण अभी भी जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है।

'डिजिटल अरेस्ट' पर होगा प्रहार, केंद्र का साथ देगा मैसेजिंग प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में व्यापक रणनीति पेश की, सीजेआई को लेना फैसला

नई दिल्ली। देश में तेजी से बढ़ते 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे साइबर फ्रॉड पर लगाम लगाने के लिए केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में व्यापक रणनीति पेश की है। केंद्र सरकार की योजना में मैसेजिंग प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप की भूमिका को बेहद अहम माना गया है। केंद्र सरकार ने अदालत को बताया कि व्हाट्सएप अब सिर्फ फर्जी अकाउंट्स को ब्लॉक करने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जरूरत पड़ने पर संबंधित डिवाइस आईडी को भी ब्लॉक करने पर विचार कर रहा है। यह कदम उन साइबर अपराधियों पर रोक लगाने के लिए महत्वपूर्ण है, जो बार-बार सिम कार्ड और अकाउंट बदलकर एक ही फोन से लोगों को ठगते हैं।

इस मामले की सुनवाई 12 मई को सुप्रीम कोर्ट में होनी है, जहां चीफ जस्टिस सुर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ गृह मंत्रालय द्वारा दाखिल स्टेटस रिपोर्ट की समीक्षा करेगी। इस रिपोर्ट में चार प्रमुख क्षेत्रों प्लेटफॉर्म जवाबदेही, बैंकिंग सुरक्षा, सिम ट्रेसबिलिटी और पीड़ितों के मुआवजे के लिए कानूनी ढांचे पर विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत की गई है।

मोदी सरकार के अनुसार, व्हाट्सएप ने जांच एजेंसियों को सहयोग देने के लिए डिलीट किए गए अकाउंट्स का डेटा करीब 180 दिनों तक सुरक्षित रखने पर सहमति जता दी है। इसके अलावा प्लेटफॉर्म ने कई नए सुरक्षा फीचर्स भी लागू किए हैं, जैसे संदिग्ध प्रोफाइल की पहचान के लिए लोगो-मैचिंग सिस्टम, अनजान नंबरों के लिए अकाउंट की उम्र दिखाना, संदिग्ध मैसेज पर चेतावनी देना और हाई-रिस्क चैट में प्रोफाइल फोटो छिपाना। जनवरी से 12 हफ्तों के भीतर व्हाट्सएप ने 9,400 से अधिक संदिग्ध अकाउंट्स पर कार्रवाई की है। जांच में सामने आया है कि इन साइबर फ्रॉड का बड़ा नेटवर्क दक्षिण-पूर्व एशिया, खासकर कंबोडिया में सक्रिय गिरोहों से जुड़ा हुआ है।

इसके अलावा बैंकिंग सेक्टर में भी सख्ती के उपाय सुझाए गए हैं। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा तैयार स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) लागू करने की सिफारिश की गई है। इसके तहत संदिग्ध खातों को तुरंत फ्रीज करना, बैंकों के बीच तेज समन्वय स्थापित करना और पीड़ितों को धन वापसी के लिए प्राथमिकता देना शामिल है। इसके अलावा सिम ट्रेसबिलिटी को मजबूत करने के लिए दूरसंचार मंत्रालय को बायोमैट्रिक वेरिफिकेशन लागू करने का सुझाव दिया गया है। इससे फर्जी सिम कार्ड जारी होने पर रोक लगेगी और अपराधियों तक जल्दी पहुंचा जा सकेगा। हालांकि, विशेषज्ञों ने इसके दुरुपयोग और तकनीकी सीमाओं को लेकर चिंता जाहिर की है। रिपोर्ट में उजागर हुआ है कि साइबर धोखाधड़ी के पीड़ितों के लिए फिलहाल कोई स्पष्ट मुआवजा तंत्र मौजूद नहीं है। वर्ष 2024 में ऐसे मामलों में 206 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और कुल नुकसान 22,845 करोड़ रुपये तक पहुंच गया।

आतंकी हमलों से दहल उठा माली...भारत ने की कड़ी निंदा

नई दिल्ली। बीते 25 और 26 अप्रैल को पश्चिम-अफ्रीकी देश माली, अल कायदा से जुड़े आतंकवादी संगठन जेएनआईएम और तुआरेग विद्रोहियों के क्रमवार हमलों से दहल उठा। जिसमें रक्षा मंत्री जनरल सादियो कामारा की उनके परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मौत हो गई है। भारत की तरफ से विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर माली में अलग-अलग जगहों पर हुए इन आतंकी हमलों की पुरजोर अंदाज में कड़ी निंदा की गई है। साथ ही मुश्किल की इस घड़ी में हमलों से जुड़े हुए पीड़ितों के परिवारों, माली की सरकार और वहां की आम जनता के प्रति गहरी संवेदनाएं प्रकट की हैं। हमले में मारे गए माली के रक्षा और पूर्व सैन्य कर्मियों के विभाग के मंत्री जनरल कामारा के प्रति भी भारत की ओर से संवेदनाएं जताई गई हैं।

मंत्रालय ने कहा कि भारत ने माली के समक्ष आतंकवाद के सभी रूपों, अभिव्यक्तियों और प्रकारों से मुकाबला करने को लेकर दृढ़ता के साथ अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। इसके अलावा क्षेत्र में शांति और स्थिरता कायम करने को लेकर अपना समर्थन प्रदान करने की बात कही है। गौरतलब है कि माली की राजधानी बामाको के आसपास के इलाकों में हुए आतंकी हमलों के बाद से कुछ जगहों पर हिंसा और तनाव बढ़ गया है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, बीते कुछ वर्षों में पश्चिम अफ्रीकी देश में आतंकियों द्वारा किए गए यह बड़े और संगठित हमलों में से एक है।

कुछ ना कहना

केंद्र का दावा : देश में गैस की कोई किल्लत नहीं, कमर्शियल गैस की आपूर्ति पूरी तरह बहाल

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देशभर में घरेलू उपभोक्ताओं के लिए एलपीजी, पाइप्ड नेचुरल गैस, और परिवहन क्षेत्र के लिए सीएनजी की 100 प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि घरेलू गैस आपूर्ति पूरी तरह स्थिर है और किसी भी वितरक केंद्र पर गैस की कमी या सप्लाई बाधित होने की कोई सूचना नहीं है।

एक अंतर-मंत्रालयी प्रेस ब्रीफिंग में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि घरेलू एलपीजी की आपूर्ति सामान्य रूप से जारी है और देश के किसी भी एलपीजी वितरक केंद्र पर 'ड्राई-आउट' की स्थिति नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि आम नागरिकों को रसोई गैस की उपलब्धता में किसी प्रकार की परेशानी न हो।सुजाता शर्मा ने बताया कि वाणिज्यिक एलपीजी और पीएनजी की आपूर्ति को भी धीरे-धीरे बहाल किया जा रहा है और वर्तमान में इसे 70 प्रतिशत तक पुनर्स्थापित किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों को प्राथमिकता के आधार पर गैस आपूर्ति दी जा रही है ताकि आवश्यक सेवाओं पर कोई असर न पड़े। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि प्रवासी मजदूरों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए पांच किलोग्राम वाले फ्री-ट्रेड एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति दोगुनी कर दी गई है। अप्रैल महीने में अब तक 1 लाख 75 हजार टन से अधिक वाणिज्यिक एलपीजी की बिक्री हो चुकी है, जबकि केवल कल के दिन 9 हजार 578 टन एलपीजी की आपूर्ति दर्ज की गई। इस बीच, पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति को देखते हुए वस्त्र मंत्रालय भी हालात पर लगातार नजर बनाए हुए है।

पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए भेजे गए हथियार, पुलिस ने खुलासा कर 9 लोगों को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली,। दिल्ली में हाल ही में एक बड़े सुरक्षा ऑपरेशन के दौरान खतरनाक आतंकी और आपराधिक नेटवर्क का खुलासा हुआ है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने ड्रोन की मदद से पाकिस्तान से भारत भेजे गए अत्याधुनिक हथियारों की बड़ी खेप बरामद की है। जांच में सामने आया है कि इस पूरे नेटवर्क के पीछे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का हाथ था, जिसका मकसद भारत में अपराध और आतंक को बढ़ावा देना था।

पुलिस को ऑपरेशन के लिए पहले से खुफिया जानकारी मिली थी, जिसके आधार पर उन्होंने सटीक कार्रवाई की। इस कार्रवाई के दौरान कुल 23 आधुनिक हथियार बरामद किए गए, जिसमें जिगाना, ग्लॉक और पीएक्स जैसी हाईटेक पिस्टल शामिल हैं। ये हथियार आमतौर पर पेशेवर अपराधियों और आतंकी संगठनों द्वारा इस्तेमाल होते हैं और इनकी मारक क्षमता काफी अधिक होती है। इतनी बड़ी संख्या में उन्नत हथियारों का एक साथ मिलना सुरक्षा एजेंसियों के लिए गंभीर चिंता का विषय बना गया है।

इस मामले में अभी तक 9 लोग गिरफ्तार हो चुके है। पूछताछ के दौरान पता चला है कि इनमें से कई आरोपी सीधे पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स के संपर्क में थे और भारत में हथियारों की सप्लाई का नेटवर्क चला रहे थे। पुलिस को पूछताछ से कई महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं, जिसके आधार पर इस नेटवर्क के अन्य सदस्यों की तलाश की जा रही है। गिरफ्तारी के बाद पूरे नेटवर्क की परतें धीरे-धीरे खुलने लगी हैं।

जांच में सामने आया है कि ये हथियार देश के कुख्यात गैंगस्टरों और असामाजिक तत्वों तक पहुंचाए जाने थे, जिससे देश में हिंसा और आपराधिक घटनाओं को बढ़ावा मिले। यदि ये हथियार गलत हाथों में पहुंच जाते, तब बड़े हमले या गंभीर अपराध हो सकते थे। समय रहते इस कार्रवाई ने एक संभावित बड़े खतरे को टाल दिया।

बूढ़ी शराब दुकान हटाने की मांग तेज, महिलाओं के प्रदर्शन को मिला रहा जनप्रतिनिधियों का समर्थन

नपा. अध्यक्ष ने पुलिस अधीक्षक से की सुरक्षा व्यवस्था की मांग, वार्ड पार्षद भी आंदोलन में हुईं शामिल

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बूढी क्षेत्र स्थित शराब दुकान के स्थान परिवर्तन की मांग को लेकर वार्ड की महिलाओं का विरोध प्रदर्शन लगातार जारी है। बीते कई दिनों से महिलाएं शराब दुकान को रिहायशी क्षेत्र से हटाने की मांग को लेकर आंदोलन कर रही हैं और प्रशासन से जल्द निर्णय लेने की मांग कर रही हैं। महिलाओं के इस आंदोलन को अब जनप्रतिनिधियों का भी समर्थन मिलने लगा है। बीती रात नगर पालिका अध्यक्ष भारती ठाकुर ने प्रदर्शन स्थल पहुंचकर महिलाओं से चर्चा की और उनकी मांगों का समर्थन किया। उन्होंने महिलाओं को आश्वस्त किया कि उनकी समस्या के समाधान के लिए प्रशासनिक स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। नपा अध्यक्ष ने बताया कि बीते दिनों से क्षेत्र में चल रहे विवादों को देखते हुए उन्होंने पुलिस अधीक्षक से भी चर्चा की है। उन्होंने मांग की है कि प्रदर्शन स्थल पर पुलिस सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए, ताकि क्षेत्र का माहौल खराब न हो और महिलाएं शांतिपूर्वक अपना प्रदर्शन जारी रख सकें। वहीं वार्ड पार्षद सरिता सोनेकर भी महिलाओं के समर्थन में प्रदर्शन में शामिल हुईं और शराब दुकान को जल्द हटाए जाने की मांग उठाई। क्षेत्र की महिलाओं ने साफ कहा है कि जब तक शराब दुकान को अन्यत्र स्थानांतरित नहीं किया जाएगा, उनका आंदोलन जारी रहेगा।

शहर के बूढी क्षेत्र स्थित वार्ड क्रमांक 12 में संचालित शराब दुकान को हटाए जाने की मांग अब और तेज होती जा रही है। पिछले कई दिनों से महिलाएं लगातार दुकान के सामने प्रदर्शन कर रही हैं, लेकिन अब यह आंदोलन नए मोड़ पर पहुंच गया है। हाल ही में धरना स्थल पर विवाद और मारपीट की घटना सामने आने के बाद महिलाओं में आक्रोश और बढ़ गया है। गौरतलब है कि बीते दिनों प्रदर्शन के दौरान विवाद इतना बढ़ गया था कि बूढ़ी निवासी युवक गौरव मेश्राम के साथ मारपीट की घटना हो गई थी। आरोप है कि विवाद के दौरान युवक के सिर में गंभीर चोट आई थी, जिसके बाद मामला पुलिस तक पहुंचा।

इस घटना के बाद प्रदर्शन स्थल की सुरक्षा व्यवस्था और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े होने लगे थे। इसी बीच मंगलवार 29 अप्रैल को नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत ठाकुर और वार्ड पार्षद सरिता सोनेकर भी महिलाओं के समर्थन में धरना स्थल पहुंचीं। यहां उन्होंने प्रदर्शन कर रही महिलाओं से चर्चा की और उनकी समस्याएं सुनीं। महिलाओं ने नगर पालिका अध्यक्ष के सामने स्पष्ट रूप से शराब दुकान को तत्काल अन्यत्र स्थानांतरित किए जाने की मांग रखी। उन्होंने बताया कि दुकान के कारण क्षेत्र का माहौल लगातार खराब हो रहा है और रात के समय अक्सर विवाद, हंगामा और मारपीट जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे स्थानीय परिवारों और महिलाओं में भय का माहौल है। महिलाओं की बात सुनने के बाद नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत ठाकुर ने मौके से ही पुलिस अधीक्षक से चर्चा की और प्रदर्शन स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए पुलिस बल तैनात करने की मांग की। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं होनी चाहिए। हालांकि उन्होंने महिलाओं से यह अपील भी की कि वे शांतिपूर्ण और कानूनी तरीके से अपना आंदोलन जारी रखें तथा किसी भी स्थिति में कानून को अपने हाथ में न लें। वहीं वार्ड पार्षद सरिता सोनेकर ने भी प्रशासन से शराब दुकान को जल्द अन्य स्थान पर शिफ्ट करने की मांग की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की महिलाएं लंबे समय से आंदोलन कर रही हैं और उनकी भावनाओं का सम्मान किया जाना चाहिए। प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने बताया कि लगातार उनके आंदोलन को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है। उनका आरोप है कि कुछ बाहरी लोग जानबूझकर धरना स्थल पर पहुंचकर विवाद की स्थिति निर्मित करते हैं, जिससे आंदोलन को बदनाम करने का प्रयास किया जा रहा है। महिलाओं ने प्रशासन से इस पूरे मामले में गंभीरता से हस्तक्षेप करने की मांग की है। साथ ही उन्होंने जनप्रतिनिधियों से भी समर्थन की अपील की है ताकि जल्द से जल्द शराब दुकान को वहां से हटाया जा सके। लगातार बढ़ते विरोध और प्रशासनिक दबाव के बीच अब सभी की नजर इस बात पर टिकी है कि जिला प्रशासन इस मामले में क्या निर्णय लेता है।

महिलाएं वीडियो वायरल कर बता रहीं अपनी पीड़ा

प्रदर्शन कर रही महिलाएं लगातार वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर रही हैं, जिसमें वे अपनी समस्याओं को खुलकर सामने रख रही हैं। वायरल हो रहे वीडियो में महिलाएं कलेक्टर बालाघाट से सीधे हस्तक्षेप करने की मांग कर रही हैं और शराब दुकान को तत्काल हटाए जाने की अपील कर रही हैं। महिलाओं का कहना है कि वे कई वर्षों से शराब दुकान के कारण परेशान हैं। दुकान के आसपास आए दिन शराबियों की भीड़, विवाद, गाली-गलौज और असामाजिक गतिविधियों के कारण क्षेत्र का माहौल प्रभावित हो रहा है। खासतौर पर रात के समय हालात और ज्यादा खराब हो जाते हैं, जिससे महिलाओं और बच्चों में भय का माहौल बना रहता है। वीडियो में महिलाएं प्रशासनिक अधिकारियों से यह भी मांग कर रही हैं कि वे स्वयं बुढ्ढी क्षेत्र में पहुंचकर मौके का निरीक्षण करें और यहां की वास्तविक स्थिति को देखें। उनका कहना है कि यदि अधिकारी मौके पर आएंगे तो उन्हें क्षेत्रवासियों की परेशानी का सही अंदाजा हो सकेगा।

बालाघाट में चोरो ने एक ही रात में दो मंदिर को बनाया निशाना

चांदी के मुकुट और दानपेटी ले उड़े चोर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में चोरों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं चोरों ने नगर समीप स्थित दो मंदिरों पर धावा बोल दिया। दोनों मंदिरों से लाखों के चांदी के मुकुट और नगदी पर हाथ साफ कर दिया गया। पहली वारदात ग्रामीण थाना नवेगांव अंतर्गत ग्राम नैतरा के साईं मंदिर में हुई, जबकि दूसरी घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम गायखुरी स्थित वैनगंगा नदी तट के सहस्त्रबाहु मंदिर में अंजाम दी गई। पुलिस ने दोनों मामलों में जांच शुरू कर

दी है, लेकिन आरोपी अभी भी पुलिस की पकड़ से बाहर हैं।

नैतरा के साई मंदिर से 70 हजार का मुकुट और दानपेटी चोरी

प्राप्त जानकारी के अनुसार 28 एवं 29 अप्रैल की दरमियानी रात ग्रामीण थाना नवेगांव के ग्राम नैतरा में स्थित भगवान साईं मंदिर को चोरों ने निशाना बनाया। चोरों ने मंदिर का ताला तोड़कर करीब 60-70 हजार रुपये कीमत का चांदी का मुकुट और दानपेटी चुरा ली। घटना का खुलासा 29 अप्रेल की सुबह तब हुआ जब ग्रामीण पूजा-अर्चना के लिए मंदिर पहुंचे। मंदिर का ताला टूटा देख ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। बताया जा रहा है कि नैतरा से करीब 2 किमी दूर लिंगा के पास सड़क किनारे एक किसान को दानपेटी पड़ी मिली। दानपेटी का ताला टूटा हुआ था और उसमें से नगदी गायब थी। पुलिस ने दानपेटी जप्त कर ली है और चोरों की तलाश में जुट गई है।

गायखुरी के सहस्त्रबाहु मंदिर से चांदी के तीन मुकुट गायब

दूसरी वारदात नगरीय क्षेत्र के वार्ड नंबर 33 गायखुरी स्थित वैनगंगा नदी तट पर बने भगवान सहस्त्रबाहु मंदिर में हुई। यहां अज्ञात चोरों ने मंदिर का ताला तोड़कर भगवान सहस्त्रबाहु की बड़ी व छोटी मूर्ति के दो चांदी के मुकुट और भगवान दत्तात्रेय का एक चांदी का मुकुट चोरी कर लिया। समिति के पदाधिकारी राकेश दौने ने बताया कि बुधवार सुबह 10 बजे तक मंदिर में ताला लगा था और मुकुट भी मौजूद थे। शाम करीब 5 बजे जब मंदिर के सेवक गणेश दौने पूजा के लिए पहुंचे तो गेट थोड़ा खुला मिला। ताला टूटा हुआ था और गेट के पास ही चोरी में इस्तेमाल की गई लोहे की सरिया पड़ी थी। अंदर जाकर देखा तो तीनों मुकुट गायब थे। मंदिर समिति ने तत्काल डायल 112 पर सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और निरीक्षण कियेसमिति के अनुसार मंदिर रोज सुबह-शाम आधे-एक घंटे के लिए खोला जाता है। मंगलवार शाम 7 बजे सेवक गणेश दौने पूजा के बाद ताला लगाकर गए थे। बुधवार सुबह ताला लगा था लेकिन शाम 5 बजे टूटा मिला।

पुलिस जांच में जुटी, चोरों की सरगर्मी से तलाश

दोनों घटनाओं के बाद ग्रामीण और कोतवाली पुलिस हरकत में आ गई है। पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं और आसपास के ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज खंगाले जा रहे हैं। एक ही रात में दो मंदिरों में हुई चोरी से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने पुलिस से रात में गश्त बढ़ाने और जल्द आरोपियों को पकड़ने की मांग की है। फिलहाल दोनों मामलों में अज्ञात चोरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर तलाश की जा रही है।

बालाघाट में पहली बार सजी राष्ट्रीय कराटे की महाकुंभ, देशभर के खिलाड़ियो ने दिखाया दम

ऑल स्टाइल नेशनल कराटे चैंपियनशिप में 6 से 25 वर्ष तक के खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा, दो दिनों तक चला रोमांचक मुकाबलों का दौर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में पहली बार राष्ट्रीय स्तर की ऑल स्टाइल कराटे चैंपियनशिप का भव्य आयोजन किया गया, जिसने जिले के खेल जगत में नई पहचान बनाई। सुतोकान स्पोर्ट्स कराटे इंडिया एसोसिएशन एवं मध्यप्रदेश कराटे स्पोर्ट्स प्रशिक्षण एंड एजुकेशन बालाघाट संस्था के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ सहित कई अन्य राज्यों से खिलाड़ी और प्रशिक्षक शामिल हुए।

प्रतियोगिता का आयोजन संस्था के अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी एवं सांसद भारती पारधी के मार्गदर्शन में किया गया। आयोजन को सफल बनाने में कराटे प्रशिक्षक संतोष पारधी और छत्तीसगढ़ रायपुर से आए प्रशिक्षक ईशांत महंत की अहम भूमिका रही। दोनों ने विभिन्न राज्यों के खिलाड़ियोंऔर प्रशिक्षकों को आमंत्रित कर प्रतियोगिता को राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया। 28 अप्रैल को जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग के मुलना स्टेडियम में प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ किया गया। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि रमेश रंगलानी, विशिष्ट अतिथि राहुल बरेसा और कार्यक्रम अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी उपस्थित रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियोंका उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता नहीं बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और आत्मरक्षा का सशक्त माध्यम है।

उद्घाटन अवसर पर खिलाड़ियोंद्वारा शानदार कराटे प्रदर्शन भी किया गया, जिसने उपस्थित दर्शकों को रोमांचित कर दिया। छोटे बच्चों ने काता इवेंट में अपनी प्रतिभा दिखाई, जबकि वरिष्ठ खिलाड़ियोंने मार्शल आर्ट तकनीकों का प्रदर्शन कर सभी का ध्यान आकर्षित किया। 29 अप्रैल को सुबह 10 बजे से विभिन्न मुकाबलों की शुरुआत हुई। प्रतियोगिता में 6 वर्ष से लेकर 25 वर्ष तक के बालक और बालिका खिलाड़ियोंने अलग-अलग वर्गों में हिस्सा लिया। काता और कुमिते स्पर्धाओं में खिलाड़ियोंके बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। प्रतियोगिता को सफल बनाने में निर्णायक रेफरी और प्रशिक्षकों ने महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाई। जिला कराटे प्रशिक्षक सचिन कृष्णन, छत्तीसगढ़ से आए प्रशिक्षक ईशांत महंत, संस्था सचिव संतोष पारधी, प्रशिक्षक गणेश बोढे, संजू मेश्राम, श्रद्धा भागडकर, प्रणय लांजेवर, साक्षी खैरकर, शुभम मनेश्वर, राहुल मरसकोले, उर्वशी चौधरी और डॉली माहुरकर ने प्रतियोगिता संचालन में सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम में संस्था के उपाध्यक्ष रविंद्र भाटिया, कोषाध्यक्ष सरिता केवल सोनकर, सह सचिव चंद्रकांत पिपलेवार, सदस्य राजेंद्र बल्ले, युवा समन्वयक लव कुमार नागपुरे, खेल विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, केदार ठाकरे, योगेंद्र पटले, धीरज डोंगरे, नरेश धुवारे, एथलेटिक संघ अध्यक्ष सुनील यादव, फुटबॉल संघ सचिव शैलेंद्र यादव, आरसी देशमुख, मोहित मूले, कल्पना मूले सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पदक और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। आयोजन के सफल समापन के बाद खिलाड़ियोंऔर अभिभावकों ने इसे बालाघाट के लिए गौरवपूर्ण पहल बताया। आयोजकों ने कहा कि भविष्य में भी जिले में राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताएं आयोजित कर स्थानीय खिलाड़ियों को बड़े मंच उपलब्ध कराए जाएंगे।

92 साल के बूढ़े नाना पर नाती का कहर लकड़ी-पत्थर से पीटा, केस वापस नहीं लेने पर दी जान से मारने की धमकी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक दर्दनाक घटना किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम कलकत्ता से सामने आई है। जहां 28 साल से मायके में रह रही बेटी के बेटे ने ही अपने 92 साल के बूढ़े नाना पर हमला कर दिया। घायल वृद्ध कुंजीलाल पिता मूलचंद धनोले का इलाज किरनापुर के अस्पताल में किया गया। इस मामले में उसके नाती संजू मंसूरे के खिलाफ मामला कायम कर लिया गया है।

क्या है मामला-प्राप्त जानकारी के अनुसार 28 अप्रैल की शाम करीब 5 बजे 92 वर्षीय वृद्ध कुंजीलाल धनौले अपने घर के आंगन में पेड़ के नीचे खटिया पर बैठे थे। तभी उनका नाती संजू मंसूरे बस्ती की ओर से आया और गाली-गलौज करते हुए लकड़ी से नाना पर टूट पड़ा। बहू ज्योति ने बीच-बचाव कर लकड़ी छुड़ाई तो आरोपी संजू ने ईंट का टुकड़ा उठाकर नाना के सिर मे मारा। वार इतना तेज था कि कुंजीलाल का सिर फट गया और खून बहने लगा। इतने पर भी संजू का गुस्सा शांत नहीं हुआ। उसने लहूलुहान नाना को धमकाते हुए केस वापस नहीं लेने पर जान से खत्म कर की धमकी भी दे दी।

28 साल का दर्द और अब ये जुल्म-पीड़ित कुंजीलाल वृद्धावस्था के कारण घर पर ही रहते हैं। उनकी बेटी गणेशिया को पति योगराज मंसूरे ने 28 साल पहले छोड़ दिया था। तब से गणेशिया अपनी बेटी और बेटे संजू को लेकर पिता कुंजीलाल के घर में ही रह रही है। बताया जा रहा है कि नाना-नाती के बीच किसी केस को लेकर विवाद चल रहा है। संजू लगातार अपने 92 साल के नाना पर केस वापस लेने का दबाव बना रहा था। इसी को लेकर सोमवार शाम उसने यह खौफनाक कदम उठा लिया।

चीख-पुकार सुन दौड़े परिजन-कुंजीलाल की चीख सुनकर बहू ज्योति, बेटी गणेशिया और पड़ोसी दौड़े। सभी ने बीच-बचाव कर वृद्ध कुंजीलाल को उसके नाती संजू के चंगुल से छुड़ाये। जिसके बाद घायल कुंजीलाल को नाती दामाद दिनेश महेश्वरे और बेटी गणेशिया तुरंत किरनापुर अस्पताल लेकर पहुंचे जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना की सूचना पर किरनापुर पुलिस ने आरोपी नाती संजू मंसूरे के खिलाफ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। 92 बसंत देख चुका एक बूढ़ा शरीर, जिसने बेटी को टूटने के बाद सहारा दिया, आज उसी के नाती के हाथों लहूलुहान हो गया। रिश्ते जब बोझ बन जाएं तो उम्र भी बेबस हो जाती है।

किराये पर उपलब्ध
धनराज कॉम्पलेक्स बालाघाट में प्रथम तल पर दुकानें किराये पर देना है।
महेन्द्र सुराना 94251 38670
ललित बाघरेचा 9424765679

आम ईस्तहार

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं अजय पिता स्व. रामलाल सिनोरिया जाति मेहतर ग्राम पंचायत पांढरवानी तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट का निवासी हूं। मेरे पिताजी स्व. रामलाल सिनोरिया की मृत्यु 24/01/2021 को हो चुकी है। जिनकी मृत्यु के उपरांत पत्नि गीताबाई, पुत्र अजय सिनोरिया, विजय सिनोरिया, पुत्री दीपमाला व दुर्गा वारसान है।

उपरोक्तानुसार हमें वारसान प्रमाण पत्र ग्राम पंचायत पांढरवानी से जारी किया जाना है।

अतः आम जनता सूचना दर्ज करे।

प्रकाशक
अजय पिता स्व. रामलाल सिनोरिया
निवासी - ग्राम पंचायत पांढरवानी ला.
तहसील - लालबर्रा
जिला - बालाघाट।

बूढ़ी गांव में अवैध मुरूम खनन पर कार्रवाई, जेसीबी मशीन जब्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में अवैध खनन के खिलाफ प्रशासन द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 28 अप्रैल 2026 को तहसील बालाघाट अंतर्गत ग्राम बूढ़ी में खनिज मुरूम के अवैध खनन की शिकायत पर जांच की गई। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) के निर्देश पर नायब तहसीलदार बालाघाट एवं खनिज निरीक्षक, जिला बालाघाट द्वारा संयुक्त रूप से मौके पर पहुंचकर जांच की गई। जांच के दौरान एक जेसीबी मशीन द्वारा मुरूम का खनन कर ट्रैक्टर-ट्रॉली के माध्यम से सड़क पर मुरूम डाला जाना पाया गया। मौके पर मौजूद जेसीबी मशीन के ऑपरेटर भैयालाल पिता मुन्नालाल खुडासाम, निवासी कटेगांव से खनन संबंधी वैध अनुमति मांगी गई, लेकिन वह कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। प्रारंभिक जांच में मामला अवैध खनन से संबंधित पाए जाने पर जेसीबी मशीन को जब्त कर कलेक्टर कार्यालय की खनिज शाखा परिसर में खड़ा कराया गया है। उक्त प्रकरण में मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के तहत अग्रिम वैधानिक कार्यवाई की जाएगी। जिले में अवैध खनन के विरुद्ध इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

कु. मांशी (माही) नगपुरे
आपको
जन्मदिवस की ढेर सारी शुभकामनाएं

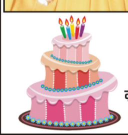

शुभेच्छु- श्री तेजराम नगपुरे (पापा)
श्रीमती दमयंती नगपुरे (मम्मी)
एवं समस्त नगपुरे परिवार एवं शुभचिंतक
ग्राम भटेरा (बालाघाट),ग्राम नवेगांव - 3 टोला (डोंगरमाली) और ग्राम सोनगुडडा (बिरसा)

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
गुरुवार 30 अप्रैल 2026

बालाघाट सिटी न्यूज़

3

पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

रेलवे लाइन के किनारे घायल और बेहोशी की हालत पड़ा एक अज्ञात व्यक्ति जिला अस्पताल में भर्ती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर समीप कटंगी रेलवे लाइन पर स्थित भटेरा चौकी के पास रेलवे लाइन के किनारे घायल और बेहोशी हालत बड़े एक अज्ञात व्यक्ति को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया इस व्यक्ति की पहचान नहीं पाई है। जिला अस्पताल पुलिस द्वारा इस अज्ञात व्यक्ति के परिजनों की तलाश की जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 28 एवं 29 अप्रैल की दरमियानी रात करीब 2ः30 बजे रेलवे स्टेशन में ड्यूटी कर रहे आरपीएफ के जवान जयंतीलाल चिखलौंडे को सूचना मिली कि भटेरा चौकी रेलवे फाटक के पास रेलवे ट्रैक के किनारे एक व्यक्ति पड़ा हुआ है। जिन्होंने जाकर देखें भटेरा चौकी रेलवे फाटक से कुछ दूर रेलवे लाइन किनारे एक अज्ञात व्यक्ति घायल और बेहोशी की हालत में पड़ा हुआ था जिसके सिर हाथ में चोट के निशान थे। जयंतीलाल चिखलौंडे ने डायल 112 के सहयोग से इस घायल व्यक्ति को जिला अस्पताल बालाघाट में लाकर भर्ती किये। इस अज्ञात व्यक्ति की उम्र करीब 35 से 40 वर्ष बताई जा रही है। यह व्यक्ति ट्रेन की चपेट में आया या चलती ट्रेन से गिरने से घायल हुआ यह अभी पूर्ण रूप से स्पष्ट नहीं हो पाया है। जिला अस्पताल पुलिस चौकी के प्रधान आरक्षक महेन्द्र मर्सकोले ने इस अज्ञात व्यक्ति के संबंध में आसपास के ग्रामीण क्षेत्र के अलावा जिले के पुलिस थाना को सूचित कर दिए हैं। इसके अलावा जिला अस्पताल पुलिस अपने स्तर पर भी इस अज्ञात व्यक्ति के परिजनों की खोजबीन कर रही है।

बीएससी नर्सिंग की डिग्री बनी परेशानी, रजिस्ट्रेशन न होने से 47 छात्राओं का भविष्य संकट में

साढ़े चार साल की पढ़ाई, लाखों रुपए खर्च, फिर भी न नौकरी मिल रही, न नर्सिंग काउंसिल में हो रहा पंजीयन

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

सरदार पटेल यूनिवर्सिटी की वर्ष 2020-21 बैच की करीब 47 छात्राओं ने अपनी डिग्री की मान्यता को लेकर जिला प्रशासन से शिकायत की है। छात्राओं ने कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को आवेदन सौंपते हुए यूनिवर्सिटी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मीडिया से चर्चा करते हुए छात्राओं ने बताया कि यूनिवर्सिटी द्वारा उनसे बीएससी नर्सिंग का पूरा कोर्स कराया गया और निर्धारित फीस के रूप में लाखों रुपये भी लिए गए। कोर्स पूरा होने के बाद उन्हें डिग्री भी प्रदान कर दी गई, लेकिन अब जब वे नर्सिंग काउंसिल की वेबसाइट पर अपना रजिस्ट्रेशन कराने पहुंचीं तो वहां यूनिवर्सिटी का नाम ही प्रदर्शित नहीं हो रहा है। छात्राओं का कहना है कि रजिस्ट्रेशन नहीं होने की वजह से वे परीक्षाओं में आवेदन नहीं कर पा रही हैं और निजी अस्पतालों में नौकरी के अवसरों से भी वंचित हो रही हैं। इससे उनका भविष्य अधर में लटक गया है। छात्राओं ने आरोप लगाया कि उन्होंने अपने करियर के लिए लाखों रुपये खर्च किए, लेकिन अब उनकी डिग्री बेकार साबित होती नजर आ रही है। उन्होंने प्रशासन से मामले की जांच कर उचित कार्रवाई करने और उनके भविष्य को सुरक्षित करने की मांग की है।

अलग अलग जिले की लगभग 47 बेटियों ने नर्सिंग के क्षेत्र में अपना भविष्य बनाने का सपना देखा था। परिवारों ने अपनी आर्थिक स्थिति कमजोर होने के बावजूद कर्ज लेकर, जमीन गिरवी रखकर और अपनी जमा पूंजी खर्च कर बेटियों को बीएससी नर्सिंग की पढ़ाई कराई, लेकिन अब पढ़ाई पूरी होने के बाद यही छात्राएं अपने भविष्य को लेकर गहरे संकट में हैं। बुधवार 29 अप्रैल

को स्थानीय सर्किट हाउस में सरदार पटेल यूनिवर्सिटी से बीएससी नर्सिंग की पढ़ाई कर चुकी करीब 15 से 20 छात्राएं मीडिया के सामने पहुंचीं और अपनी पीड़ा साझा की। छात्राओं ने बताया कि उनके बैच की कुल 47 छात्राओं ने साढ़े चार वर्षों तक लगातार पढ़ाई की और प्रत्येक छात्रा ने करीब 5 लाख रुपए तक फीस एवं अन्य खर्चों में खर्च किए। लेकिन अब जब वे नौकरी के लिए आगे बढ़ना चाहती हैं तो उनका रजिस्ट्रेशन ही नहीं हो पा रहा है। छात्राओं ने बताया कि नर्सिंग क्षेत्र में किसी भी सरकारी भर्ती या अच्छे निजी अस्पताल में नौकरी के लिए नर्सिंग काउंसिल में पंजीयन अनिवार्य होता है। जब उन्होंने ऑनलाइन पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू की तो वहां उनकी यूनिवर्सिटी का नाम ही दिखाई नहीं दिया। यूनिवर्सिटी का नाम पोर्टल पर नहीं आने के कारण उनकी पूरी प्रक्रिया अटक गई। इस समस्या के कारण कई छात्राएं सरकारी भर्तियों में आवेदन करने से वंचित रह गईं। उनका कहना है कि बीते कुछ महीनों में कई शासकीय वैकेंसी निकलीं, लेकिन रजिस्ट्रेशन नहीं होने के कारण वे आवेदन तक नहीं कर सकीं। वहीं निजी अस्पतालों में भी उन्हें या तो नौकरी नहीं मिल रही या बहुत कम वेतन पर काम करने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही हैं - खुशबू भारद्वाज

छात्रा खुशबू भारद्वाज ने भावुक होते हुए बताया कि उनके परिवार ने बड़ी उम्मीदों के साथ उन्हें पढ़ाया था। परिवार को भरोसा था कि पढ़ाई पूरी होने के बाद वह अच्छी नौकरी कर परिवार का सहारा बनेंगी, लेकिन अब हालात ऐसे हैं कि वह खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही हैं।उन्होंने कहा कि लाखों रुपए खर्च करने और वर्षों तक मेहनत करने के बाद भी आज वह किसी सरकारी भर्ती में आवेदन नहीं कर पा रही हैं। उनका कहना है कि उनकी जिंदगी के महत्वपूर्ण पांच साल बर्बाद हो गए।

यूनिवर्सिटी अपनी जिम्मेदारी से बचते नजर आ रहे हैं - प्रिंसी

बरघाट निवासी छात्रा प्रिंसी ने बताया कि जैसे ही उन्हें रजिस्ट्रेशन में समस्या की जानकारी मिली, उन्होंने कॉलेज प्रबंधन और यूनिवर्सिटी से संपर्क किया। कई बार फोन किए गए, कई बार व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की गई, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन मिला। उन्होंने बताया कि समस्या के समाधान के लिए वे कई बार भोपाल गईं और संबंधित कार्यालयों के चक्कर लगाए। यहां तक कि सीएम हेल्पलाइन में भी शिकायत दर्ज कराई, लेकिन उसके बाद भी कोई समाधान नहीं हुआ। उनका आरोप है कि शिकायत के बाद यूनिवर्सिटी ने उनकी बात सुनना तक बंद कर दिया। छात्राओं ने आरोप लगाया कि प्रवेश के समय कॉलेज प्रबंधन द्वारा कोर्स की मान्यता और भविष्य को लेकर बड़े-बड़े दावे किए गए थे, लेकिन अब जब वास्तविक समस्या सामने आई तो यूनिवर्सिटी जिम्मेदारी से बचते नजर आ रहे हैं।

सभी निजी कॉलेजों की विस्तृत जांच कराई जाए - सौरभ

इस पूरे मामले में छात्राओं की लड़ाई लड़ रहे सौरभ लोधी ने कहा कि यह मामला केवल 47 छात्राओं तक सीमित नहीं है, बल्कि जिले के निजी शैक्षणिक संस्थानों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि जिले में संचालित सभी निजी कॉलेजों की विस्तृत जांच कराई जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि जिन कोर्सों और डिग्रियों के नाम पर छात्रों से लाखों रुपए वसूले जा रहे हैं, वे वास्तव में मान्यता प्राप्त हैं या नहीं। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो आने वाले समय में और भी छात्र-छात्राएं इसी तरह ठगी का शिकार हो सकते हैं।

सात राज्यसभा सांसदों के भाजपा में जाने पर फूटा आप कार्यकर्ताओं का गुस्सा

कालीपुतली चौक पर पुतला दहन कर जताया विरोध

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों के भाजपा में शामिल होने के बाद बालाघाट में पार्टी कार्यकर्ताओं का गुस्सा खुलकर सामने आया। बुधवार 29 अप्रैल को जिला मुख्यालय स्थित कालीपुतली चौक पर आम आदमी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एकत्रित होकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान भाजपा में शामिल हुए सातों सांसदों का प्रतीकात्मक पुतला दहन किया गया और उनके खिलाफ जमकर नारेबाजी कर नाराजगी जाहिर की गई। पार्टी कार्यकर्ताओं का कहना था कि जिन नेताओं को आम आदमी पार्टी ने राज्यसभा भेजकर जनता की आवाज उठाने का मौका दिया, उन्हीं नेताओं ने पार्टी का साथ छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया। कार्यकर्ताओं ने इसे पार्टी कार्यकर्ताओं की मेहनत और जनता के विश्वास के साथ बड़ा धोखा बताया। गौरतलब है कि 27 अप्रैल को राज्यसभा सचिवालय द्वारा आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों के भाजपा में विलय को आधिकारिक मंजूरी दे दी गई थी। इस खबर के सामने आने के बाद से ही पार्टी के भीतर नाराजगी का माहौल बना हुआ था। इसी नाराजगी के चलते बालाघाट में विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। प्रदर्शन के दौरान आप नेताओं ने आरोप लगाया कि संबंधित सांसद केंद्रीय एजेंसियों ईडी और सीबीआई की कार्रवाई के डर से भाजपा में शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि जांच एजेंसियों के दबाव में

लिया गया यह फैसला लोकतंत्र के लिए सही संकेत नहीं है। जिन सांसदों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया उनमें राघव चड्ढा, संदीप कुमार पाठक, पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह, अशोक कुमार मित्तल, विक्रमजीत सिंह साहनी, स्वाति मालीवाल और राजेंद्र गुप्ता के नाम शामिल हैं। कार्यकर्ताओं ने इन नेताओं के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उन्हें दल-बदलू करार दिया। आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष शिव जायसवाल ने प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा लगातार विपक्षी दलों के नेताओं को अपने पक्ष में करने के लिए ऑपरेशन लोटस चला रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने सत्ता का दुरुपयोग करते हुए इन सांसदों को अपने साथ मिलाया है। उन्होंने कहा कि पार्टी ने इन नेताओं पर भरोसा जताकर उन्हें संसद भेजा था, लेकिन उन्होंने पार्टी की विचारधारा और जनता के विश्वास को ठेस पहुंचाई है। प्रदर्शन में प्रदेश और जिला स्तर के कई पदाधिकारी मौजूद रहे। इनमें रजनीश नायडू, मनोज पमनानी, शरद जैन, अंकित जेतवार, शिव जायसवाल, मस्तराम डहारे, अनिल ब्रह्मे, सादिक कुरैशी, सुरेश सिंह कारे, भीमसेन ठाकरे, प्रदीप नागेश्वर, रामचंद्र सीहोर, ऊषा नगपुरे, दिनेश बघेले, संतोष अहिगारे, कमलेश रामटेके, ज्ञानेश राणा, डॉ. भुनेश भारद्वाज, दुर्गा प्रसाद कटरे, नागेंद्र पवार सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। विरोध प्रदर्शन के दौरान कालीपुतली चौक पर काफी देर तक राजनीतिक माहौल गर्म रहा। कार्यकर्ताओं ने स्पष्ट कहा कि पार्टी छोड़कर जाने वाले नेताओं को जनता कभी माफ नहीं करेगी और आने वाले समय में इसका जवाब लोकतांत्रिक तरीके से दिया जाएगा।

कंसुली में महापुरुषों की प्रतिमाएं तोड़े जाने पर बढ़ा आक्रोश, कांग्रेस सेवादल ने सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लांजी क्षेत्र के कंसुली ग्राम में चबूतरे पर स्थापित महापुरुषों की प्रतिमाएं तोड़े जाने की घटना को लेकर लोगों में लगातार आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इस मामले में आरोपियों की जल्द पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर बुधवार को कांग्रेस सेवादल ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। संयुक्त कलेक्टर प्रदीप कौरव को सौंपे गए ज्ञापन में कांग्रेस सेवादल पदाधिकारियों ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि कंसुली गांव में महापुरुषों की प्रतिमाओं को क्षतिग्रस्त करना बेहद निंदनीय कृत्य है। संगठन ने प्रशासन से मांग की कि मामले की गंभीरता को देखते हुए जल्द जांच कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए। कांग्रेस सेवादल जिलाध्यक्ष जीतू बर्वे ने कहा कि कंसुली में हुई यह घटना क्षेत्र में सामाजिक उन्माद फैलाने की साजिश हो सकती है। उन्होंने कहा कि इस घटना के बाद क्षेत्र के लोगों में काफी नाराजगी है, लेकिन चिंताजनक बात यह है कि शिकायत के बावजूद पुलिस की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि प्रशासन को इस पूरे मामले को गंभीरता से लेना चाहिए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों। गौरतलब है कि 23 अप्रैल को लांजी थाना क्षेत्र के कंसुली गांव में असामाजिक तत्वों द्वारा महापुरुषों की प्रतिमाओं को तोड़ दिया गया था। घटना के बाद से ही अनुयायियों और ग्रामीणों में आक्रोश का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार बीते सप्ताह बुधवार और गुरुवार की मध्यरात्रि एक अज्ञात व्यक्ति, जिसने सफेद गमछा, सफेद शर्ट और हाफ लोअर पहन रखा था, प्रतिमाओं के पास देखा गया था। गांव के एक बालक ने उसे प्रतिमाएं तोड़ते हुए देखा और ग्रामीणों को इसकी जानकारी दी। बताया जा रहा है कि गांव में चबूतरा बनाकर महापुरुषों की प्रतिमाएं स्थापित

की गई थीं। घटना में बाबा साहब आंबेडकर की प्रतिमा चबूतरे पर गिरी हुई मिली, जबकि ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले की प्रतिमाओं को चबूतरे से दूर फेंक दिया गया था। घटना के बाद से क्षेत्र में नाराजगी का माहौल है और लोग लगातार दोषियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। बुधवार को कांग्रेस सेवादल कार्यकर्ताओं ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

देवी तालाब के संरक्षण को लेकर NGT सख्त, नगर पालिका को दिए समयबद्ध कार्यवाही के निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (NGT) के सेंट्रल जोन, भोपाल द्वारा प्रकरण क्रमांक 130/2025 (सीजेड) द्वारकानाथ चौधरी एवं अन्य विरुद्ध म.प्र. शासन एवं अन्य में पारित आदेश दिनांक 27 अप्रैल 2026 के पालन को लेकर

प्रशासन ने सख्ती दिखाई है। इस संबंध में अनुविभागीय दण्डाधिकारी बालाघाट गोपाल सोनी ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगरपालिका परिषद बालाघाट को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। जारी पत्र में कहा गया है कि हत्तञ्ज के आदेश की कंडिका 56(2) एवं (3) के तहत देवी तालाब के संरक्षण और जीर्णोद्धार के लिए तत्काल एवं समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। इसके अंतर्गत तालाब की नियमित सफाई, ठोस एवं प्लास्टिक कचरे के निष्पादन पर पूर्ण प्रतिबंध तथा खरपतवारों को वैज्ञानिक तरीके से हटाने की कार्ययोजना तैयार कर क्रियान्वित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा तालाब की परिधि में स्थानीय प्रजातियों के पौधों का सघन वृक्षारोपण करने के निर्देश भी दिए गए हैं, ताकि भविष्य में अतिक्रमण या प्राकृतिक कारणों से होने वाले नुकसान की भरपाई की जा सके। इस संपूर्ण कार्य के लिए एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर जिला आर्द्रभूमि संरक्षण समिति, बालाघाट से उसका परीक्षण एवं अनुमोदन कराने को कहा गया है। नगर क्षेत्र में जल प्रदूषण रोकने के लिए AMRUT 2.0 एवं स्वच्छ भारत मिशन (SBM) के अंतर्गत प्रस्तावित सीवरेज नेटवर्क कनेक्शनों की स्थापना तथा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (STP) के निर्माण और संचालन में तेजी लाने के निर्देश भी दिए गए हैं। साथ ही यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि किसी भी स्थिति में अशोधित जल जल निकायों में प्रवाहित न हो। प्रशासन ने नगर पालिका को निर्देशित किया है कि सभी बिंदुओं पर आवश्यक कार्यवाही कर निर्धारित समयसीमा में पालन प्रतिवेदन इस कार्यालय एवं हत्तञ्ज, भोपाल को प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें।

सदन में गूंजी बालाघाट विधायक की आवाज, नारी शक्ति वंदन पर भाजपा को घेरा

महिला सशक्तिकरण के दावों पर उठाए सवाल, कहा- अधिकारों का हनन हो रहा तो कैसा सम्मान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर प्रदेश की राजनीति इन दिनों गर्माई हुई है। भारतीय जनता पार्टी जहां इस कानून को महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताकर इसका श्रेय लेने में जुटी है और इसे लेकर कांग्रेस पर लगातार निशाना साध रही है, वहीं प्रदेश सरकार द्वारा बुलाए गए विशेष सत्र में बालाघाट से कांग्रेस विधायक अनुभा मुंजारे ने अपने संबोधन के दौरान ऐसा बयान दिया, जिसने सदन का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर चर्चा के दौरान विधायक अनुभा मुंजारे ने भाजपा सरकार के दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण की बात केवल भाषणों और नारों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह व्यवहार और प्रशासनिक व्यवस्था में भी दिखाई देना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा महिलाओं को नेतृत्व के अवसर दिए हैं और देश में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, लोकसभा अध्यक्ष से लेकर मुख्यमंत्री जैसे महत्वपूर्ण पदों पर महिलाओं को बैठाकर उनके सम्मान और नेतृत्व क्षमता को बढ़ावा दिया है। विधायक अनुभा मुंजारे ने सदन में अपनी व्यक्तिगत पीड़ा साझा करते हुए कहा कि प्रदेश में डॉ. मोहन यादव सरकार के कार्यकाल में एक महिला विधायक के अधिकारों का हनन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बिना उनकी जानकारी और सहमति के उनके निजी सहायक को हटा दिया गया, जिससे उनके कामकाज पर सीधा असर पड़ा है। विधायक ने कहा कि वह पिछले छह महीनों से बिना पीए के काम करने को मजबूर हैं। उन्होंने इस संबंध में प्रशासनिक अधिकारियों से चर्चा भी की, लेकिन उन्हें

संतोषजनक जवाब नहीं मिला। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने कलेक्टर से इस विषय में बात की तो उन्हें दूसरा पीए रखने की बात कहकर मामला टाल दिया गया। अनुभा मुंजारे ने सदन में सवाल उठाया कि आखिर किस कारण से उनके पीए को हटाया गया और आज तक उन्हें नया सहयोगी क्यों उपलब्ध नहीं कराया गया। उन्होंने कहा कि एक महिला विधायक होने के नाते उन्हें ऐसा सहयोगी चाहिए जो हर परिस्थिति में उनके साथ रह सके, क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान सहयोग कर सके और देर रात भी जरूरत पड़ने पर कार्य कर सके। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति यह जिम्मेदारी निभा रहा था, उसे अचानक हटा देना उनके अधिकारों का सीधा हनन है। उन्होंने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि एक ओर सरकार नारी शक्ति वंदन अधिनियम की बात कर रही है, वहीं दूसरी ओर जमीनी स्तर पर महिलाओं की समस्याओं की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह भाजपा की कथनी और करनी के अंतर को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। विधायक ने अपने संबोधन के दौरान बालाघाट शहर में शराब दुकान के विरोध में आंदोलन कर रही महिलाओं का मुद्दा भी जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने कहा कि शहर की महिलाएं रिहायशी क्षेत्र में शराब दुकान खोले जाने का लगातार विरोध कर रही हैं। महिलाएं रातभर जागकर प्रदर्शन कर रही हैं, अपनी सुरक्षा और परिवार के भविष्य को लेकर आवाज उठा रही हैं, लेकिन सरकार उनकी मांगों को गंभीरता से नहीं ले रही। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान से ज्यादा राजस्व को महत्व दिया जा रहा है। यदि सरकार वास्तव में महिलाओं के हितों को लेकर गंभीर है तो उसे तत्काल रिहायशी क्षेत्रों में संचालित शराब दुकानों को हटाने की दिशा में ठोस निर्णय लेना चाहिए। अनुभा मुंजारे के इस तीखे संबोधन के बाद सदन में कुछ समय तक माहौल गर्म रहा। उनके बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में भी चर्चाओं का दौर तेज हो गया है।

तीन माह से मनरेगा मजदूरी का भुगतान ठप, मजदूरों का योजना से होने लगा मोहभंग

77 ग्राम पंचायतों में मजदूरी और मटेरियल का लगभग 7 करोड़ रूपये बकाया, आर्थिक तंगी से जूझ रहे मजदूर

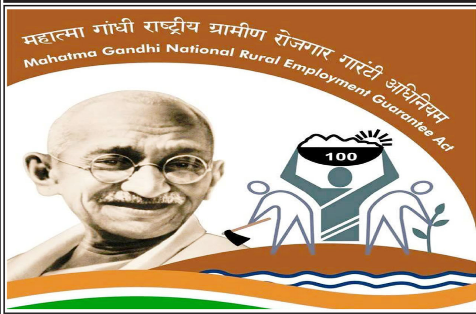

समय पर मजदूरी नही मिलने से मजदूरों को जीविकापार्जन में हो रही परेशानी, जल्द भुगतान करवाने की मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

एक ओर सरकार ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर रोजगार मुहैया कराने के बड़े-बड़े दावे करती है। वहीं दूसरी ओर धरातल पर स्थिति इसके विपरीत नजर आ रही है। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली 77 ग्राम पंचायतों में पिछले तीन महीनों से मनरेगा (अब वी. जीराम जी योजना) के तहत किये गये कार्यों का भुगतान अटका हुआ है। जनवरी-फरवरी 2026 से मजदूरी और मटेरियल की राशि नहीं मिलने के कारण मजदूरों और पंचायत प्रतिनिधियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। इस तरह से लालबर्रा जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली 77 ग्राम पंचायतों का करीब 7 करोड़ रूपये का भुगतान शेष बचा हुआ है और समय पर मनरेगा की मजदूरी नही मिलने के कारण मजदूरों का इस योजना से मोहभंग भी होने लगा है। साथ ही जिस स्थान पर नगद मजदूरी मिलती है उस ओर मजदूर वर्ग काम करने के लिए पलायन कर रहे है। वहीं मजदूर मजदूरी जल्द दिये जाने की मांग को लेकर पंचायतों के चक्कर भी लगा रहे है, लेकिन उनकी कोई सुनवाई नही हो रही है। जिससे मजदूरों में शासन-प्रशासन के प्रति रोष व्याप्त है। ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव एवं मजदूरों ने जल्द मजदूरी व मटेरियल का भुगतान करवाये जाने की मांग शासन-प्रशासन से की है।

मजदूर पंचायत का लगा रहे चक्कर, जिम्मेदार मौन

आपकों को बता दे कि ग्राम पंचायतों के माध्यम से ग्रामीणजनों को रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए मनरेगा योजना (अब वी. जीराम जी योजना) के तहत ग्राम पंचायतों को अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध करवाने के निर्देश दिये गये है। इसी परिपालन में जनपद पंचायत लालबर्रा अंतर्गत ग्राम पंचायतों में मनरेगा एवं अन्य योजनाओं के तहत पक्के व क%चे निर्माण कार्य करवाने के साथ ही मजदूरों को रोजगार उपलब्ध करवाया जा रहा है किन्तु शासन स्तर से जनवरी-फरवरी 2026 के बाद से मनरेगा मजदूरों का भुगतान नही किया गया है। जिसके कारण मजदूरों के साथ ही पंचायतों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं जब मजदूर सरपंच, सचिव से मनरेगा मजदूरी का भुगतान करवाने की बात कहते है तो उनके द्वारा मजदूरों से कहा जाता है कि शासन स्तर से भुगतान नही हो रहा है। यह सुनकर मजदूर मायुस होकर बैरंग लौट रहे है और मजदूरों को मनरेगा का भुगतान नही होने से उन्हे जीवन यापन करने में खासा परेशानियों का भी सामना करना पड़ रहा है। वहीं वर्तमान में वैवाहिक कार्यक्रमों का सीजन चल रहा है, जहां हर परिवार को नकदी की आवश्यकता होती है। ऐसे समय में मजदूरी न मिलने से मजदूरों को दैनिक जीवन यापन के लिए दूसरों से कर्ज लेने पर मजबूर होना पड़ रहा है। भुगतान में हो रही इस भारी देरी के कारण अब मजदूरों का इस योजना से मोहभंग होने लगा है। बेहतर आजीविका की तलाश में मजदूर वर्ग अब बड़े शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं जहां उन्हें काम के बदले तुरंत नकद भुगतान मिल सके।

सरपंच-सचिव भी परेशान, 7 करोड़ का भुगतान शेष

लालबर्रा जनपद की 77 पंचायतों में न केवल मजदूरों का पसीना सूख रहा है, बल्कि निर्माण कार्यों में लगे मटेरियल (सामग्री) का भुगतान भी लंबे समय से लंबित है। आंकड़ों के अनुसार, पूरे जनपद में लगभग 7 करोड़ रूपये से अधिक की राशि बकाया है। सरपंच और सचिवों का कहना है कि जब मजदूर उनसे पैसों की मांग करते हैं, तो उनके पास शासन से बजट नहीं आया कहने के अलावा कोई जवाब नहीं होता। साथ ही जब से मनरेगा (वी. जीराम जी योजना) शुरू हुई है उसके बाद से नये काम भी स्वीकृत नही हो पा रहे है। जिसके कारण भी पंचायत क्षेत्र में मजदूरों को रोजगार नही मिल पा रहा है एवं पुराना भुगतान भी शासन स्तर से नही हो रहा है। वहीं ग्रामीणों ने बताया कि वे मजदूरी के लिए लगातार पंचायतों के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी इस विषय पर चुप्पी साधे हुए हैं। लालबर्रा क्षेत्र के प्रभावित मजदूरों, सरपंचों और सचिवों ने सामूहिक रूप से शासन-प्रशासन से गुहार लगाई है कि लंबित 7 करोड़ रूपये की राशि का तत्काल भुगतान करें। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते उनकी सुध नहीं ली गई, तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

रोजगार के लिए पलायन कर रहे मजदूर - बलराम

मानपुर सरपंच बलराम गौतम ने बताया कि मनरेगा (अब वी. जीराम जी योजना) तहत होने वाले निर्माण कार्यों का विगत तीन माह से मजदूरी एवं मटेरियल का भुगतान नही हुआ है जिससे मजदूर वर्ग सबसे अधिक परेशान है। साथ ही इस योजना के तहत काम नही मिलने के कारण अब मजदूर बड़े शहरों की ओर रोजगार की तलाश में पलायन कर रहे है। श्री गौतम ने बताया कि मजदूर पंचायत पहुंचकर सरपंच-सचिव को मजदूरी भुगतान के लिए परेशान करते है। शासन-प्रशासन से मांग है कि मजदूरी एवं मटेरियल का भुगतान जल्द करें।

पुराने नियमों के अनुसार ही संचालित होनी चाहिए योजना - अनीस

पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि सरकार के द्वारा मनरेगा के स्थान पर अब वी. जीराम जी योजना जो लाई गई है वह पूरी तरह से ठप पड़ी हुई है। किसी भी पंचायत में नवीन निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हो पा रहे हैं और मनरेगा के कर्मचारी, उपयंत्री एवं रोजगार सहायकों को भी विगत कई महीनो से वेतन नही मिला है। श्री खान ने बताया कि मनरेगा मजदूरी का भुगतान समय पर नहीं होने के कारण मजदूरों का मनरेगा योजना से मोहभंग हो रहा है। यदि सरकार पूर्व में जिन नियमों के अनुसार योजना को संचालित कर रही थी, उन्हीं नियमों के तहत योजना का संचालन करें तो यह योजना बेहतर ढंग से संचालित होगी और मजदूरों को रोजगार मिलेगा और ग्राम पंचायत में भी विकास कार्य होंगे। साथ ही यह भी बताया कि अप्रैल माह से नवीन सत्र प्रारंभ हो चुका है जिसमें मजदूरी भुगतान की दर भी बढ़ती है परंतु अप्रैल माह बीतने लगा। अब तक न पोर्टल चालू हो पाया है न ही मजदूरी का मानदेय बढ़ा है जिससे सभी परेशान है।

इनका कहना है-

तीन माह से मनरेगा मजदूरों एवं मटेरियल का भुगतान नही हुआ है। हमारे द्वारा शासन स्तर पर भुगतान के लिए बार-बार पत्र व्यवहार किया जा रहा है। साथ ही लालबर्रा जनपद में मनरेगा मजदूरी व मटेरियल का करीब 7 करोड़ रूपये का भुगतान शेष है, शासन स्तर से राशि आते ही मजदूरों एवं मटेरियल का भुगतान कर दिया जायेगा।

रूपेश इवने
एपीओं
जनपद पंचायत लालबर्रा।

बिजली की आंख मिचौली से आमजन परेशान

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में बिजली की आंख मिचौली यानि बार-बार विद्युत कटौती होने से क्षेत्रीयजनों को उमस भरी गर्मी में खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं विद्युत विभाग के द्वारा क्षेत्र में दिन व रात में किसी भी समय बार-बार कटौती कर दी जाती है। जिसके कारण इस भीषण गर्मी में आमजन परेशान रहते है क्योंकि बिजली कटौती होने पर गर्मी का एहसास अधिक होने लगता है। साथ ही मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ने लगता है एवं मच्छरों के काटने से डेंगू, मलेरिया व अन्य बीमारियों होने का डर बना रहता है। साथ ही बिजली गुल होने से ऑनलाईन सेंटरों के काम भी प्रभावित हो जाते है जिससे उनके व्यापार भी प्रभावित हो रहा है और इस बिजली कटौती के चलते किसी को अर्जेन्ट में फार्म भरना है, टिकट बुक, पासबुक एन्ट्री व सहित अन्य कार्य करना है तो वहां काम नही हो पाता है जिसके कारण लोगों को परेशान होना पड़ता है। क्षेत्रीयजनों ने बताया कि वर्तमान में चिलचिलाती धुप व उमस भरी गर्मी से सभी परेशान तो है ही और इस गर्मी से राहत पाने के लिए कुलर, पंखा का उपयोग किया जाता है परन्तु बिजली की आंख मिचौली यानि बार-बार बिजली गुल होने से ठंडी हवा प्रदान करने वाले उपकरण बंद हो जाते है। जिससे गर्मी और अधिक लगने के साथ ही म%छरों का प्रकोप भी बढ़ने लगता है। साथ ही मच्छरो के काटने से विभिन्न प्रकार की बीमारी होने और रात के समय अंधेरा रहने पर कीड़े-मकोड़े के काटने का भय बना रहता है। इसलिए विद्युत विभाग से मांग है कि विद्युत ट्रांसफार्मर, पोलों में तकनीकी खराबी है तो उसमें सुधार कर बिजली कटौती बंद कर नियमित रूप से बिजली प्रदाय करें।

अभावों को मात देकर अनमोल और अश्विनी ने बोर्ड परीक्षा में लहराया परचम

कठिन परिश्रम से कक्षा 12 वीं एवं कक्षा 10 वीं में दोनों बहनों ने पाई सफलता, हर्ष व्याप्त

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। कहते हैं कि अगर हौसलों में उड़ान हो, तो मंजिल खुद-ब-खुद कदम चूमती है। इसे सच कर दिखाया है ग्राम पंचायत अमोली निवासी मजदूर की बेटी अनिल खरे की दो होनहार बेटियों ने। विपरीत परिस्थितियों और सीमित संसाधनों के बावजूद, इन सगी बहनों ने मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित कक्षा 12 वीं एवं कक्षा 10 वीं के परीक्षा परिणामों में शानदार अंक हासिल कर न केवल अपने माता-पिता का सिर गर्व से ऊंचा किया है, बल्कि पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। अनिल खरे की बड़ी सुपुत्री कु. अनमोल खरे एवं कु. अश्विनी खरे सांदीपनी (उत्कृष्ट) विद्यालय लालबर्रा में कक्षा 12 वीं एवं 10 वीं में अध्ययनरत थे। जिसमें कु. अनमोल खरे ने कक्षा 12 वीं की परीक्षा में विज्ञान (बायो) संकाय से 81.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी मेधावी का परिचय दिया है। वहीं उनकी छोटी बहन कु. अश्विनी खरे ने भी बड़ी बहन के पदचिन्हों पर चलते हुए कक्षा 10 वीं में 84 प्रतिशत अंक अर्जित किये हैं। पिता एवं उनकी माँ मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं, ऐसे में बेटियों की इस कामयाबी ने यह संदेश दिया है कि कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प से किसी भी बाधा को पार किया जा सकता है। मरार समाज की दोनों बहनों की इस उपलब्धि पर खरे परिवार, स्नेहीजनों और मरार माली समाज में हर्ष की लहर व्याप्त है और सभी ने दोनों बहनों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि इन बच्चियों ने अभावों के बीच रहकर जो मुकाम हासिल किया है, वह अन्य छात्र-छात्राओं के लिए एक मिसाल है। साथ ही शिक्षा को बढ़ावा देने और अन्य बच्चों को प्रेरित करने के उद्देश्य से मरार माली समाज ब्लॉक के द्वारा दोनों मेधावी छात्राओं को सम्मानित किया जायेगा। वहीं अनिल खरे की दोनों सुपुत्री अनमोल एवं अश्विनी ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय कठिन परिश्रम, अनुशासन और अपने गुरूजनों व परिजनों के मार्गदर्शन को दिया है। ग्रामीण परिवेश और सीमित संसाधनों के बावजूद, अनमोल व अश्विनी ने कभी अपनी पढ़ाई से समझौता नहीं किया। उनके परिजनों का कहना है कि दोनों बहने शुरू से ही पढ़ाई के प्रति अत्यंत गंभीर और अनुशासित रही हैं। वहीं ग्रामीणों का मानना है कि अनमोल एवं अश्विनी खरे की यह सफलता क्षेत्र के अन्य विद्यार्थियों, विशेषकर बेटियों के लिए एक बड़ी प्रेरणा बनेगी। मरार माली समाज ग्राम अमोली के पदाधिकारियों ने बताया कि सीमित संसाधनों में ग्राम की दोनों बेटियों ने बोर्ड परीक्षा में अ%छे अंकों से उत्तीर्ण होकर अपने विद्यालय, माता-पिता एवं ग्राम का नाम रोशन किया है। जिनका सम्मान ग्राम एवं ब्लॉक समाज के द्वारा आगामी समय में किया जायेगा। इस सम्मान का मुख्य उद्देश्य बच्चों का मन पढ़ाई के प्रति आकर्षित करना है। हम चाहते हैं कि समाज के बच्चे पढ़-लिखकर उच्च पदों पर आसीन हों और एक शिक्षित एवं समृध्द समाज के निर्माण में अपनी अहम भूमिका निभाये।

जल गंगा संवर्धन अभियान अन्तर्गत प्रेरक कहानियों का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशों के परिपालन में नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा में मंगलवार को विद्यार्थियों एवं स्टाफ हेतु जनजागरूकता बढाने के लिए जल संरक्षण से संबंधित प्रेरक कहानियों का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सुमन बरवा की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर सुहानी कुर्वे एवं प्राची पंचेश्वर के द्वारा लघु कहानी के माध्यम से जल संरक्षण के लिए सुझाव दिये गये। वहीं कार्यक्रम संयोजक डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे ने अपने उद्बोधन में नदी, तालाब, कुओं एवं बावडियों के संरक्षण की बात कही तथा वृक्षारोपण बहुतायत में करने के लिए प्रेरित किया। महाविद्यालय के प्राचार्य सुमन बरवा ने अपने उद्बोधन में जनभागीदारी से जल संरक्षण की बात कही। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. कामांक्षा बिसेन एवं आभार प्रदर्शन श्रीमती भुमेश्वरी मानेश्वर द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. संगीता मेश्राम, डॉ. निर्मल किर्ती गेडाम, डॉ. ऋषिकेष पटेल , मनीष शिवहरे, श्रीमती आशा कारे, श्रीमती अनिभा शरणागत, श्रीमती आरती विश्वकर्मा, दिपक अहिरवार, यादोराव राजुरकर, व्यकंट नगपुरे, पीतम मुरते, लकेश गेडाम, रामदयाल मथारे, श्रीमती वंदना कुर्वे, सोनम हरिनखेडे, मिनेश पंचेश्वर, निशांत तलवरे एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मानपुर में मरार माली समाज की बैठक आज, भवन निर्माण पर होगी चर्चा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। ब्लॉक मरार-माली समाज लालबर्रा द्वारा सामाजिक भवन निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है। समाज के प्रस्तावित भवन स्थल मानपुर में निर्माण कार्य प्रारंभ कराने के उद्देश्य से मरार माली समाज ब्लॉक लालबर्रा के द्वारा 30 अप्रैल को दोपहर 12 बजे से एक आवश्यक बैठक आहुत की गई। चर्चा में मरार माली समाज ब्लॉक सचिव डोंगरूलाल मानेश्वर ने बताया कि मानपुर स्थित भूखंड पर समाज का भवन निर्माण का कार्य शीघ्र शुरू किया जाना है। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य निर्माण हेतु ठेकेदार का चयन करना तथा आवश्यक निर्माण सामग्रियों के संधारण एवं निर्धारण पर विस्तार से विचार-विमर्श करना है। साथ ही यह भी बताया कि सामाजिक गतिविधियों सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की जायेगी। इस अवसर पर समाज के जिला प्रतिनिधियों, सर्किल अध्यक्षों, ब्लॉक कार्यकारिणी के सदस्यों एवं ब्लॉक प्रकोष्ठ के प्रभारियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील मरार माली समाज ब्लॉक लालबर्रा अध्यक्ष कैलाश मात्ते, उपाध्यक्ष गजेन्द्र देशमुख, श्रीराम नागेश्वर, सचिव डोंगरूलाल मानेश्वर, सहसचिव लक्ष्मीचंद पंचेश्वर, पवन सिंगरे, संरक्षक डीएल मानेश्वर, ओपी बाहेश्वर, रजलाल मानेश्वर, कोमल पंचेश्वर, श्यामलाल पंचेश्वर, कोषाध्यक्ष देवीशंकर बिसेन, महामंत्री दिनेश मरार, संगठन मंत्री संतोष पंचेश्वर, मुकेश देशमुख, प्रवक्ता टीकाराम मानेश्वर, सोशल मीडिया प्रभारी लकेश पंचेश्वर, मीडिया प्रभारी राजू पंचेश्वर, न्याय समिति प्रभारी छन्नुलाल दांदरे, महिला प्रकोष्ट की श्रीमती ज्ञानेश्वरी गाड़ेश्वर, युवा प्रकोष्ट के रोहित मरठे, कर्मचारी प्रकोष्ट के कमलेश कावरे, व्यापारी प्रकोष्ट के गणेश चौधरी सहित अन्य पदाधिकारियों ने अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की है।

बैजू मोहगांव में मंदिर की भूमि से हटा अवैध कब्जा

प्रशासन ने जेसीबी से मंदिर की दान की गई भूमि पर बना पक्का मकान किया जमींदोज

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत बैजू मोहगांव में बुधवार को प्रशासन ने कार्यवाही करते हुए विट्ठल रुखमाई मंदिर की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया है। तहसीलदार दुलारीलाल परते के नेतृत्व में राजस्व और पुलिस बल की मौजूदगी में जेसीबी मशीन के जरिए अवैध कब्जे को जमींदोज कर दिया गया।

कोर्ट के आदेश पर हुई कार्यवाही

यह मामला मंदिर की भूमि पर अवैध निर्माण से जुड़ा था। जानकारी के अनुसार अभय पिता संजय चौरे के द्वारा मंदिर की भूमि पर १२ बाई १६ वर्ग फुट क्षेत्र में पक्के मकान का निर्माण किया जा रहा था। मंदिर समिति की शिकायत पर यह मामला तहसीलदार न्यायालय में चला जहाँ बेदखली के आदेश जारी हुए। इसके बाद कब्जाधारी ने एसडीएम कोर्ट में अपील की थी लेकिन वहां भी केस हारने के बाद तहसीलदार के बेदखली आदेश को यथावत रखा गया। कार्यवाही के दौरान मौके पर कब्जाधारी परिवार और परिजनों ने जमकर हंगामा और विरोध प्रदर्शन किया। हालांकि तैनात पुलिस बल ने मुस्तैदी दिखाते हुए शांति व्यवस्था कायम की और अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया को अंजाम दिया। प्रशासन ने स्लैब सहित निर्माणाधीन पक्के मकान को पूरी तरह ढहा दिया है।

गरीब परिवार का अतिक्रमण हटाकर अच्छा नही किये- कमलेश लिल्हारे

ग्रामीण कमलेश लिल्हारे ने बताया की करीब ९० वर्ष से ज्यादा का समय इन्हें यहां रहते हो गया हम बचपन से देख रहे हैं। कड़ी मेहनत कर खून पसीने की कमाई और कर्ज लेकर उन्होंने मकान बनाया था। यह गांव के निवासी नहीं थे पटेल के द्वारा इन्हें लाकर यहां पर जमीन दी गई थी। इस प्रकार से जो कार्यवाही की गई है वह ठीक नहीं है यहां कितनी मंदिर की जमीन है उसकी जानकारी तो नहीं है। पर बताते हैं कि करीब २ एकड़ लंबा पट्टा है इस गरीब का मकान तो गिरा दिए बाकी दूसरे मकान को क्यों नहीं गिराया गया। गांव में गांव के व्यक्ति को साथ देना चाहिए।

हमारे पुश्तैनी मकान को अतिक्रमण बताकर हटाया गया है- जितेंद्र चौरे

पीड़ित जितेंद्र चौरे ने बताया कि गांव में विट्ठल रुकमाई मंदिर की जमीन में हमारा मकान बताते हैं। जबकि यह पुश्तैनी मकान है जिसे इन्होंने बनाते समय नहीं रोका और बनकर तैयार हुआ स्लैप डालें तो बुलडोजर से लाकर तोड़ दिए। हमें इस संबंध में कोई नोटिस नहीं दिया गया केवल कोटवार ने आकर बताया कि घर पर रहना मकान गिराना है। यहां पूर्वजों का निवास है पुराना मकान मिट्टी का गिर गया था तो नया बना रहे थे। गांव के रामचंद पटेल के नाम पर यह भूमि थी उन्होंने बाहर गांव से लाकर हमारे पूर्वजों को यहां बैठाया था और फिर मंदिर को यह भूमि दान दे दी।

सूचना देने के बाद ही अवैध अतिक्रमण को हटाया गया है- तहसीलदार

नायब तहसीलदार दुलारीलाल परते ने बताया कि बैजू मनगांव में खसरा नंबर २३५/४ का रकबा १.०६० हेक्टर में १२ बाई १६ में कब्जा अभय पिता संजय चौरे का था। इन्हें मकान बनाने से पहले ही रोका गया था यह लोग नहीं माने प्रकरण तहसीलदार ने खारिज कर दिया। अपील एसडीएम के यहाँ हुई वहां भी खारिज हो गया वर्ष २०२५ में फि र तहसीलदार का आदेश यथावत रखा गया। तो आज हमने इसे हटाया है यह जमीन विट्ठल भगवान मंदिर और कलेक्टर के नाम पर है। इसकी सूचना इन्हें बाकायदा दी गई थी परंतु इन्होंने निर्माण नहीं रोका और ना ही अतिक्रमण हटाया तो आज हमें इसे हटाना पड़ा।

किसानों पर दोहरी मार, कृषि पंपों से केबल चोरी का सिलसिला जारी

पुलिस की निष्क्रियता से किसानो में आक्रोश, वारदात पर अंकुश लगाने की मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में सक्रिय चोरों ने एक बार फिर किसानों की नींद हराम कर दी है। ताजा मामला वारासिवनी तहसील

के ग्राम सिकन्द्रा का है जहाँ एक किसान के खेत से चोरों ने दूसरी बार बिजली की केबल पार कर दी। बार बार हो रही इन वारदातों और पुलिस के द्वारा अब तक कोई ठोस कार्रवाई ना किए जाने से स्थानीय किसानों में गहरा असंतोष व्याप्त है। ग्राम सिकन्द्रा कॉलेज टोला निवासी अर्जुन मरठे ने वारासिवनी थाना प्रभारी को लिखित आवेदन देकर बताया कि यह घटना २९ अप्रैल २०२६ की दरमियानी रात को घटित हुई। पंप जमीन से लगभग २२० फीट की गहराई पर है जिसमें कुल ३०० फीट केबल लगी थी। चोरों ने बाहर की तरफ लटकी हुई पूरी १५० फीट कीमती केबल काट ली और फरार हो गए। खबर की सबसे चिंताजनक बात यह है कि इसी किसान के साथ यह वारदात दूसरी बार हुई है। वर्ष २०२४ में भी अज्ञात चोरों ने उनके खेत से लगभग १४० फीट केबल चोरी की थी। उस समय भी पुलिस थाना वारासिवनी में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई थी। लेकिन पुलिस के द्वारा चोरों को पकड़ने या माल बरामद करने की दिशा में कोई विशेष प्रगति नहीं दिखाई गई।

दूसरी बार केबल की हुई चोरी की थाने में की शिकायत- अर्जुन मरठे

पीड़ित अर्जुन मरठे ने बताया कि हमारे खेत में सिंचाई के लिए सबमर्सिबल पंप लगा हुआ है। जहां पर करीब ३०० मीटर से अधिक केबल लगाकर मोटर का संचालन किया जाता है। जिसमें अज्ञात चोरों के द्वारा सबमर्सिबल को बिना छेड़े और उसके अंदर के केबल को बिना कुछ करें बाहर जो कनेक्शन के लिए करीब १५० मीटर लंबा केबल कनेक्शन के लिए लगा हुआ था उसे चोरी कर लिया गया है। समर्सिबल पंप और बोर्ड में दूरी है यह घटना पहले नहीं है इसके पहले भी वर्ष २०२४ में हमारा केबल चोरी हुआ था। उस समय भी हमने शिकायत थाने में लिखित दी थी पर कुछ हुआ नहीं। अभी फिर हम लिखित शिकायत देने आए हैं हम चाहते हैं कि पुलिस अज्ञात चोरों पर अंकुश लगाये।

पूर्व विधायक डॉ.निर्मल ने नगर सरकार पर बोला हमला

प्रेसवार्ता आयोजित कर अटल टीम की बताई रूपरेखा

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड नंबर १५ स्थित अपने निवास पर आयोजित प्रेस वार्ता में पूर्व विधायक डॉ. योगेंद्र निर्मल ने नगर पालिका प्रशासन और स्थानीय राजनीति पर तीखे प्रहार किए। उन्होंने नगर पालिका में व्याप्त अनियमितताओं अटल टीम की आगामी रणनीति और भाजपा की आंतरिक कलह पर विस्तार से अपनी बात रखी। पूर्व विधायक डॉ योगेंद्र निर्मल ने कहा कि यह प्रेसवार्ता वारासिवनी ने नगर पालिका के विषय पर आयोजित की है। यहाँ गंभीर मुद्दे है उस पर ध्यान आकर्षण करवाना चाहते हैं। अभी जनसुनवाई बुलाई गई तो अध्यक्ष पार्षद सीएमओ नगर पालिका के प्रमुख जवाबदार है। वहां पूर्व विधायक बैठे तो इनका क्या काम और किस अधिकार से बैठे थे। जबकि सरपंच महिला है तो सरपंच पति वहां नहीं जायेगा यह नगर पालिका के लिए भी नियम हो। जानकारी यह भी है कि आपस में कार्यकर्ता भिड़े अनियमित्ता का आरोप लगा इससे गरिमा कम होती है। रामपायली मार्ग पर चंदन नदी तक पोल लगे क्या कटंगी और लालबर्रा रोड़ नगर का अंग नहीं है लाइट बंद रहती है। सीसीटीवी कैमरे जो लगाए गए हैं वह गुणवत्ताहीन हैं। नगर पालिका कॉलोनी से संपत्ति कर ले रही है तो वहां पर पंचभूत व्यवस्था करें। पार्षदों के साथ पक्षपात हो रहा है हम भी

जनता की समस्या का हल करते हैं परंतु घर से और यदि इस प्रकार चलता रहेगा तो कठपुतली अध्यक्ष बनेंगे। हमने विरोध किया ५ वर्ष लड़ाई लड़ी कोई जानता नहीं आई क्योंकि यह जनता की नहीं जनप्रतिनिधि और सक्रिय लोगों की जिम्मेदारी है। जो बच्चे प्रवीण्य सूची में उत्तीर्ण हुए उनका हम स्वागत कर बधाई देते हैं। पर यह जो कार्यक्रम हो रहा है तो क्या यह शासन का है, शासन ने फंड भेजा है नगर पालिका स्वयं करा रही है या पूर्व विधायक जेब से खर्च कर रहे हैं। इस संबंध में हम आरटीआई लगाएंगे की क्या प्रावधान है। अतिथि बहुत हो सकते हैं जबकि अध्यक्ष और सीएमओ सक्षम है मेरा मुद्दा जनता के पैसे की बर्बादी का है एक आदमी कार्यक्रम का श्रेय लेगा यह गलत है। हम इस कार्यक्रम की आलोचना नहीं कर रहे बस जनता के पैसे का दुरुपयोग ना हो इसका विचार कर रहे और अध्यक्ष को दरकिनार करना दुर्भाग्य हैं। पूर्व विधायक डॉ योगेंद्र निर्मल ने कहा कि गोंगपा आप के जिला अध्यक्ष ने हमसे संपर्क कर पार्टी में आने के लिए कहा की विधानसभा में विचार करेंगे। हमने उनसे कहा कि कहीं नहीं जाएंगे अटल बिहारी के विचारधारा के हम लोग हैं। २०२३ में हमारे यहां आठ लोग लड़ने के इच्छुक थे वह मिलकर एक व्यक्ति का नाम तय नहीं कर सके मैं यदि एक का नाम लेता तो मैं दोषी होता। मैं अभी विधानसभा चुनाव की तो नहीं बात करूंगा परंतु पंचायत और नगर पालिका की तैयारी करने हमने कार्यकर्ताओं को बोल दिया है। हमारे संपर्क में भाजपा और सभी प्रकार के लोग हैं और यह तकलीफ बताने का समय नहीं है। छोटे चुनाव में अटल टीम की भूमिका रहेगी विधानसभा की बात तब होगी जब लक्ष्य पूरा होगा। अभी हमारा लक्ष्य आधा यानी ६५०० सदस्य का पूरा हुआ है जबकि १५००० सदस्य का लक्ष्य है। यह जो बात है बेरंग भोपाल से लौटने की तो अभी हम इतने हल्के और सस्ते नहीं है की कोई हमें भोपाल बुलाकर बैरंग लौटये और किसी के बुलाने पर हम चले जायें। भाजपा में सब ठीक है तो नाराजगी किस बात की इन्होंने ट्रैक्टर को बढ़ाया, भाजपा कार्यकर्ता हासिये पर है। हटने में अभी समय लगेगा परंतु बीजेपी में अंतरकलाह बहुत भारी है आज नहीं तो कल दिखेगी।

नगर पालिका के द्वारा गंदे पानी को स्वच्छ करने के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट कार्य प्रारंभ

दूषित पानी को जैविक प्रक्रिया के द्वारा साफकर कृषि और औधोगिक उपयोग के योग्य बनाया जायेगा-प्रदीप जायसवाल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए नगर पालिका परिषद के द्वारा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया है। इस अवसर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ,नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे सहित अन्य लोग मौजूद रहे। नपा परिषद पिछले कई साल से वारासिवनी को महानगरो की तर्ज पर सुविधा देने के लिये बडी बडी सौगाते प्रदान कर रही है। इसी श्रंखला में वार्ड १२ में शिव मंदिर के सामने के मैदान में स्वच्छता अभियान के दिशा में एक नये अध्याय की शुरूवात कर दी गयी है। सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण से नगर की जल निकासी व्यवस्था सुदृढ़ होगी तथा गंदे पानी का वैज्ञानिक तरीके से उपचार किया जा सकेगा। इससे ना केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि आसपास के जल स्त्रोतों की स्वच्छता भी सुनिश्चित होगी। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की नगर में ५ करोड़ ५० लाख की राशि से वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के तहत दूषित पानी को भौतिक, रासायनिक और जैविक प्रक्रिया के द्वारा साफ कर उसे कृषि और औधोगिक उपयोग के योग्य बनाकर पर्यावरण को सुरक्षित रखने का कार्य किया जा रहा है। नगर में जनसंख्या के बढ़ते दबाव, ग्रामीण क्षेत्रो से नगरीय क्षेत्रो में लोगो के आने से घरो की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। इन घरो का या औधोगिक विषयो का गंदा पानी हमारे नगर के आमा तालाब, शंकर तालाब, चंदन नदी में जाने से इसका चौतरफा प्रभाव पडता है। इस वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण अब समय की मांग हो गया है। नपा परिषद नगर के गंदे पानी को यहा एकत्र कर प्लांट के माध्यम से शुद्ध करने जा रही है। श्री जायसवाल ने कहा की बडी बडी मशीनो वाली इस कार्य योजना को १८ माह की समय सीमा में पूर्ण करने के बाद आवश्यकता पडने पर इस शुद्ध पानी को ऐथेनाल या अन्य औधोगिक इकाइयो को बेचकर नपा की आमदानी को बढाया जा सकता है। वहीं नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे ने कहा की इस प्लांट के निर्माण से नगर में स्वच्छता स्तर में उल्लेखनीय सुधार होगा तथा स्वच्छ सर्वेक्षण में बेहतर रैंकिंग प्राप्त करने में भी मदद मिलेगी। साथ ही ट्रीटेड पानी का उपयोग उद्यानों की सिंचाई एवं अन्य उपयोगी कार्यों में किया जा सकेगा। इस दौरान मुख्य नपा अधिकारी सूर्यप्रकाश उके, उपयंत्री सुमीत मोटवानी, अंशिका चौहान सहित नपा के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

डोंगरमाली सब स्टेशन की बिजली कटौती से ग्रामीणजन परेशान

बिजली विभाग से ग्रामीणों ने समस्या का समाधान कर व्यवस्थित बिजली देने की मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत डोंगरमाली में विद्युत विभाग का सब स्टेशन स्थित है। जहां से मनमाना ढंग से लाइट कटौती की जा रही है जिससे ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। वहीं ग्रामीणों के कई प्रकार के कार्य भी बाधित हो रहे हैं जिन्हें वर्तमान भीषण गर्मी के दौर में बेतहाशा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिसको लेकर ग्रामीणों ने कई बार शिकायत भी की है परंतु हर बार उन्हें आश्वासन ही प्राप्त हो पा रहा है जिससे वह आक्रोशित है। प्राप्त जानकारी के अनुसार स्टेशन के द्वारा आसपास के करीब आधा दर्जन से अधिक ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत पूर्ति की जाती है। वर्तमान में गर्मी का दौर चल रहा है ऐसे में ठंडी हवा के लिए लोग कूलर पंखे ढूंढते रहते हैं। जहां रात्रि में बीते १५ दिनों से ग्रामीण राहत की नींद नहीं सो पा रहे हैं,क्योंकि रात करीब ३ बजे से सुबह ७ बजे तक विद्युत कटौती हो रही है। वहीं दिन में भी तरह तरह से कटौती चल रही है जिससे ग्राम की नल जल योजना ग्रामीणों के दैनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। बिजली रहने पर भी वोल्टेज की स्थिति इतनी खराब रहती है कि कई मशीन चालू नहीं हो पा रही है। जिसको लेकर ग्रामीणों के द्वारा कई बार डोंगरमाली सब स्टेशन एवं विद्युत विभाग वारासिवनी में शिकायत की जा चुकी है। किंतु वर्तमान तक समस्या का समाधान नहीं होने से ग्रामीण परेशान है जिनके द्वारा विद्युत विभाग से व्यवस्थित रूप से विद्युत वितरण करने की अपील की जा रही है। ग्रामीण मोतीराम नगपुरे ने बताया कि हम लड़सड़ा के रहने वाले हैं करीब तीन बार हम समस्या लेकर डोंगरमाली गये हैं। वहां पर हमने बिजली के बारे में शिकायत की है कि वोल्टेज ग्राम में बहुत कम है और १५ दिन हो गया है। रात के ३ बजे से सुबह ७ बजे तक बिजली कटौती हो रही है परंतु हमारी शिकायत पर आज भी कोई हल नहीं निकल पाया है। यह शिकायत हमने डोंगरमाली और वारासिवनी दोनों जगह विद्युत विभाग में की है अधिकारियों ने हमें आश्वासन दिया है कि सुधार हो जाएगा। परंतु कोई सुधार नहीं हो पाया है जो हमारे लिए सबसे बड़ी दिक्कत का विषय

बना हुआ हैं। सरपंच प्रतिनिधि कैलाश नगपुरे ने बताया कि हमारे ग्राम बिटोडी में विद्युत व्यवस्था बहुत ज्यादा खराब है डोंगरमाली में हम शिकायत कर कर के परेशान है। १५ दिन से बिजली की समस्या चल रही है रात में ३ बजे बिजली काट ली जाती है और सुबह ७ बजे देते हैं। फिर शाम ६ बजे से रात १० बजे के बीच में करीब १२ बार कटौती होती है। गांव में भारी आक्रोश है लोग हड़ताल करने की बात कह रहे हैं उन्हें हमने कहा कि हम बात करके देखते हैं। परंतु विभाग दिलासा दे रहा है निराकरण नहीं कर रहा है लाइट एवं वोल्टेज पर्याप्त ना होने के कारण नल जल योजना संचालित करने में दिक्कत हो रही है। लोगों को समय पर पानी नहीं मिल रहा है इस संबंध में भी हमने जिला कलेक्टर ,एसडीएम सभी को शिकायत किया है पर कोई परिणाम नहीं निकला। यदि ऐसा ही रहा तो हमें डोंगरमाली में हड़ताल करनी पड़ेगी।

दो टूक- पंजाब से दिल्ली तक सियासी 'सुनामी'- संकट में आप

भारत की समकालीन राजनीति में शायद ही कोई घटना इतनी तेजी से राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में आई हो, जितनी राघव चड्ढा सहित सात राज्यसभा सांसदों के आम आदमी पार्टी छो?कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने से आई है। राघव चड्ढा सहित 7 सांसदों का भाजपा में विलय केवल एक खबर नहीं बल्कि आम आदमी पार्टी के 15 साल के इतिहास का सबसे बड़ा ब्लैकआउट है। भारतीय राजनीति के क्षितिज पर यह घटनाक्रम एक बड़े 'पॉलिटिकल अर्थक्वेक' के रूप में दर्ज हो गया है। आम आदमी पार्टी (आप) के 'पोस्टर बॉय' माने जाने वाले राघव चड्ढा सहित राज्यसभा के 7 सांसदों का एक साथ पाला बदलकर भाजपा में शामिल होना न केवल 'आप' के लिए एक अस्तित्वगत संकट है बल्कि यह देश की राजनीति की दिशा और दशा बदलने वाला घटनाक्रम भी है। यह सिर्फ दल-बदल नहीं बल्कि सत्ता, विचारधारा और राजनीतिक रणनीति के बीच गहरे संघर्ष का संकेत है। जब राज्यसभा में पार्टी के कुल 10 में से 7 सांसद (दो-तिहाई बहुमत) एक साथ अलग होकर भाजपा में विलय करने का निर्णय लेते हैं तो यह दलबदल नहीं, एक वैचारिक और संगठनात्मक विद्रोह का प्रतीक बन जाता है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब भारतीय राजनीति 2027 के ब? चुनावी चक्र की ओर बढ़ रही है। ऐसे में इस घटनाक्रम ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या 'आप' का 'पंजाब किला' अब ढहने के कगार पर है? क्या 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव की पटकथा अभी से लिखी जा चुकी है? और सबसे बड़ा प्रश्न कि क्या यह 'आप' के पतन की शुरुआत है या फिर एक अस्थायी राजनीतिक झटका?

'आप' के अस्तित्व पर खड़ा सबसे बड़ा सवाल

आम आदमी पार्टी ने इस पूरे घटनाक्रम को केवल राजनीतिक असहमति नहीं बल्कि लोकतंत्र पर सुनियोजित प्रहार करार दिया है। पार्टी नेतृत्व का स्पष्ट आरोप है कि केंद्रीय एजेंसियों के भय, दबाव और राजनीतिक प्रलोभनों के माध्यम से उसके सांसदों को तोड़ा गया, जिसे वह संस्थागत दुरुपयोग की श्रेणी में रखती है। यह आरोप भारतीय राजनीति में सत्ता बनाम विपक्ष की उस पुरानी बहस को फिर जीवित कर देता है, जहां नैतिकता और रणनीति आमने-सामने खड़ी दिखाई देती हैं। संवैधानिक दृष्टि से यह कदम और भी दिलचस्प हो जाता है। दलबदल विरोधी कानून की तकनीकी बारीकी (दो-तिहाई सदस्यों के एक साथ अलग होने की शर्त) का उपयोग करते हुए राघव चड्ड़ा के नेतृत्व में सात सांसदों का भाजपा में विलय यह संकेत देता है कि यह केवल भावनात्मक निर्णय नहीं बल्कि गहन कानूनी सलाह और रणनीतिक योजना का परिणाम था। सबसे गंभीर आघात वैचारिक स्तर पर है। जब भीतर से ही यह स्वर उठे कि पार्टी अपने मूल सिद्धांतों से भटक गई है तो यह केवल संगठनात्मक संकट नहीं बल्कि पहचान के संकट का संकेत बन जाता है और यही चुनौती 'आप' के लिए सबसे कठिन परीक्षा है।

पंजाब की राजनीति और 2027 का रण

पंजाब की राजनीति में उठी यह हलचल महज दल-बदल नहीं बल्कि सत्ता समीकरणों के पुनर्गठन का संकेत है। इस विद्रोह का सबसे गहरा असर पंजाब की सियासत पर पड़ना तय है। राज्यसभा में पंजाब का प्रतिनिधित्व करने वाले चेहरे (हरभजन सिंह, अशोक मित्तल, संजीव अरोड़ा और विक्रमजीत सिंह साहनी) का पार्टी से अलग होना 'आप' की उस सामाजिक पकड़ को कमजोर करता है, जो विविध वर्गों के प्रतिनिधित्व से बनी थी। यह बदलाव केवल संख्या का नहीं बल्कि भरोसे और प्रभाव का क्षरण है।

युद्ध की आशंकाओं के बीच आशा का सेतु

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते का वैश्विक अर्थ

वैश्विक परिदृश्य इन दिनों युद्ध की अनिश्चितताओं, तनावों और भू-राजनीतिक खींचतान से भरा हुआ है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान और महाशक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा ने विश्व अर्थव्यवस्था के सामने कई प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। ऐसे समय में भारत और न्यूजीलैंड के बीच 27 अप्रैल 2026 को नई दिल्ली में हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) केवल एक द्विपक्षीय आर्थिक दस्तावेज नहीं, बल्कि वैश्विक निराशा के बीच आशा का एक सशक्त संदेश बनकर उभरा है। यह समझौता उस विश्वास को पुनर्जीवित करता है कि सहयोग, संवाद और साझेदारी ही भविष्य की स्थायी समृद्धि का मार्ग हैं। यह समझौता कई दृष्टियों से ऐतिहासिक है। सबसे पहले, इसे मात्र नौ महीनों में अंतिम रूप दिया जाना अपने आप में एक उपलब्धि है, जो दोनों देशों की प्रतिबद्धता और व्यावहारिक कूटनीति को दर्शाता है। दूसरी ओर, यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब विश्व व्यापार व्यवस्था में बहुपक्षीय संस्थाओं की प्रभावशीलता पर प्रश्न उठ रहे हैं और देश तेजी से द्विपक्षीय या क्षेत्रीय समझौतों की ओर अग्रसर हो रहे हैं। विश्व व्यापार संगठन की धीमी गति और जटिलताओं के बीच यह समझौता एक नई दिशा का संकेत देता है, जहां लचीले और उद्देश्यपरक समझौते अधिक प्रभावी साबित हो रहे हैं।

इस समझौते की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है कि न्यूजीलैंड द्वारा भारतीय निर्यातकों को लगभग सभी उत्पादों पर शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच प्रदान करना। यह भारतीय उद्योग, विशेषकर श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए एक स्वर्णिम अवसर है। कपड़ा, चमड़ा, इंजीनियरिंग वस्तुएं और प्लास्टिक उत्पाद जैसे क्षेत्रों को इससे अभूतपूर्व बढ़ावा मिलेगा। इससे न केवल निर्यात बढ़ेगा, बल्कि भारत में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। भारतीय अर्थव्यवस्था, जो पहले से ही वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रही है, इस समझौते के माध्यम से और अधिक सशक्त होगी। निवेश के क्षेत्र में भी यह समझौता नई संभावनाओं के द्वार खोलता है। अगले 15 वर्षों में न्यूजीलैंड द्वारा भारत में 20 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि विश्वास का प्रतीक है। यह निवेश बुनियादी ढांचे, कृषि, तकनीक और सेवा क्षेत्रों मंव नई ऊर्जा का संचार करेगा। जब कोई विकसित देश किसी उभरती अर्थव्यवस्था में इस स्तर का निवेश करता है, तो यह अन्य वैश्विक निवेशकों के लिए भी सकारात्मक संकेत होता है। इस प्रकार यह समझौता एक 'ट्रिगर पॉइंट' के रूप में कार्य कर सकता है, जिससे भारत में विदेशी निवेश की नई लहर उत्पन्न हो। सेवा क्षेत्र के दृष्टिकोण से यह समझौता और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। आईटी, शिक्षा, वित्तीय सेवाएं, पर्यटन और आयुष जैसे क्षेत्रों में सहयोग से दोनों देशों को लाभ होगा। भारतीय पेशेवरों के लिए न्यूजीलैंड में काम करने के अवसरों का विस्तार, विशेष रूप से हर वर्ष हजारों कार्य वीजा की सुविधा, वैश्विक प्रतिभा प्रवाह को नई दिशा देगा। यह न केवल आर्थिक, बल्कि सांस्कृतिक और बौद्धिक आदान-प्रदान को भी प्रोत्साहित करेगा।

इस समझौते का एक और महत्वपूर्ण पहलू है कृषि सहयोग। न्यूजीलैंड अपनी उन्नत कृषि तकनीकों और उच्च उत्पादकता के लिए जाना जाता है, जबकि भारत के पास विशाल भूमि और विविध जलवायु है। दोनों देशों के बीच सहयोग से कीवी, सेब, शहद और अन्य उत्पादों के क्षेत्र में नई संभावनाएं विकसित हो सकती हैं। इससे भारतीय किसानों को आधुनिक तकनीक, बेहतर उत्पादन और वैश्विक बाजार तक पहुंच मिलेगी। साथ ही, यह भी उल्लेखनीय है कि भारत ने अपने डेयरी और संवेदनशील कृषि क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित की है, जो इस समझौते की संतुलित प्रकृति को दर्शाता है। वैश्विक दृष्टि से देखें तो यह समझौता उस समय आया है जब दुनिया व्यापार के नए मॉडल तलाश रही है। एक समय था जब वैश्विक व्यापार मुख्यत: केंद्रीकृत संस्थाओं के माध्यम से संचालित होता था, लेकिन अब देश अपने-अपने हितों के अनुसार लचीले और त्वरित समझौते कर रहे हैं। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में कई महत्वपूर्ण व्यापार समझौते किए हैं, जो उसकी सक्रिय आर्थिक कूटनीति का प्रमाण हैं। यह समझौता भी उसी श्रृंखला की एक महत्वपूर्ण कड़ी है, जो भारत को वैश्विक मूल्य श्रृंखला में और गहराई से जोड़ता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस समझौते को किसानों, युवाओं, महिलाओं, कारीगरों और उद्यमियों के लिए लाभकारी बताना केवल एक राजनीतिक वक्तव्य नहीं, बल्कि इसकी व्यापक सामाजिक-आर्थिक संभावनाओं का संकेत है। यह समझौता समावेशी विकास की अवधारणा को भी सुदृढ़ करता है, जहां आर्थिक प्रगति का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचता है। इस समझौते का एक महत्वपूर्ण संदेश यह भी है कि भारत अब किसी एक देश या क्षेत्र पर निर्भर रहने की नीति से आगे बढ़ रहा है। विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में हो रही देरी के बीच भारत का यह कदम उसकी रणनीतिक स्वतंत्रता और बहुविकल्पीय दृष्टिकोण को दर्शाता है। यह स्पष्ट संकेत है कि भारत अपने लिए नए बाजारों और साझेदारों की तलाश में सक्रिय है, जिससे उसकी आर्थिक स्थिरता और मजबूती बनी रहे। हालांकि, इस समझौते के साथ कुछ चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं। भारतीय उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार होना होगा। गुणवत्ता, नवाचार और लागत-प्रभावशीलता के क्षेत्र में सुधार आवश्यक होगा। साथ ही, सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस समझौते के लाभ व्यापक रूप से वितरित हों और छोटे तथा मध्यम उद्यम भी इसका पूरा लाभ उठा सकें। इसके बावजूद, यह कहना गलत नहीं होगा कि भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में एक सकारात्मक और प्रेरणादायक पहल है। यह न केवल दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाई देगा, बल्कि वैश्विक व्यापार व्यवस्था में भी एक नई ऊर्जा का संचार करेगा। यह समझौता उस दिशा में एक कदम है, जहां प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ सहयोग भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे भारत के लिए न्यूजीलैंड के साथ हुआ मुक्त व्यापार समझौता केवल एक आर्थिक करार नहीं, बल्कि एक रणनीतिक छलांग के रूप में देखा जाना चाहिए। यह समझौता भारत की व्यापारिक सक्रियता, निर्यात क्षमता और वैश्विक बाजार में उसकी विश्वसनीयता को नई ऊँचाइयों तक ले जाने की क्षमता रखता है। इससे भारतीय उद्योगों, विशेषकर एमएसएमई, कृषि और सेवा क्षेत्रों को नया विस्तार मिलेगा और भारत वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में अधिक सशक्त उपस्थिति दर्ज कर सकेगा। इस प्रकार के समझौते यह संकेत देते हैं कि भारत अब केवल एक उभरती अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक नेतृत्व की ओर बढ़ता हुआ एक निर्णायक शक्ति केंद्र बन रहा है। वर्ष 2047 में स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूर्ण होने के लक्ष्य को सामने रखते हुए, ऐसे मुक्त व्यापार समझौते भारत के उज्ज्वल भविष्य के संकेतक प्रतीत होते हैं। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत जिस प्रकार बहुआयामी विकास, आत्मनिर्भरता और वैश्विक साझेदारी की दिशा में आगे बढ़ रहा है, वह उसे एक सशक्त, प्रभावशाली और नेतृत्वकारी राष्ट्र के रूप में स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त करता है। ये समझौते केवल आर्थिक समृद्धि के साधन नहीं, बल्कि भारत को वैश्विक मंच पर एक निर्णायक भूमिका निभाने के लिए तैयार करने वाले उपकरण भी हैं। स्पष्ट है कि आने वाला समय भारत के लिए अवसरों से भरा हुआ है, जहां यह देश न केवल आर्थिक दृष्टि से, बल्कि कूटनीतिक और रणनीतिक रूप से भी विश्व में अपनी अग्रणी उपस्थिति दर्ज कराएगा।

निश्चिततौर पर यह समझौता केवल व्यापार और निवेश तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक दृष्टिकोण का प्रतीक है, जिसमें आर्थिक प्रगति, सामाजिक समावेशन और वैश्विक सहयोग का समन्वय है। युद्ध और तनाव के इस दौर में यह समझौता एक संदेश देता है कि शांति, साझेदारी और परस्पर विश्वास ही वह आधार हैं, जिन पर भविष्य की समृद्ध दुनिया का निर्माण संभव है। भारत के लिए यह समझौता न केवल आर्थिक अवसरों के नए द्वार खोलता है, बल्कि उसे एक जिम्मेदार और दूरदर्शी वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित भी करता है।

- ललित गर्ग

मासूमियत पर हमला- सूरत की घटना ने झकझोरा समाज तीन साल की बच्ची के साथ दरिंदगी ने उठाए सुरक्षा

- कांतिलाल मांडोत

सूरत जैसे विकसित और व्यस्त शहर में घटी एक दर्दनाक घटना ने पूरे समाज को भीतर तक हिला दिया है। एक तीन साल की मासूम बच्ची के साथ हुई हैवानियत न केवल कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है, बल्कि हमारे सामाजिक ढांचे, पारिवारिक सतर्कता और नैतिक मूल्यों पर भी गहरी चोट पहुंचाती है। यह घटना सिर्फ एक अपराध नहीं है, बल्कि यह उस सोच का प्रतिबिंब है जिसमें इंसान अपनी इंसानियत खोकर दरिंदगी की हद तक गिर जाता है। जिस उम्र में एक बच्ची ठीक से बोलना भी नहीं सीख पाती, उस उम्र में उसके साथ इस तरह का अमानवीय व्यवहार समाज के लिए शर्मनाक और चिंताजनक है।

घटना का विवरण जितना दुखद है, उतना ही भयावह भी है। बच्ची अपने ही घर में सुरक्षित समझी जाने वाली जगह पर थी, लेकिन एक दरिंदे ने मौके का फायदा उठाकर उसकी मासूमियत को रौंदने की कोशिश की। यह सवाल उठता है कि आखिर एक व्यक्ति किस हद तक संवेदनहीन हो सकता है कि उसे एक छोटी बच्ची पर भी दया नहीं आती। यह केवल एक व्यक्ति की विकृत मानसिकता का मामला नहीं है, बल्कि यह उस सामाजिक गिरावट का संकेत भी है जहां इंसान अपने नैतिक मूल्यों से दूर होता जा रहा है।

इस घटना ने माता-पिता की जिम्मेदारी पर भी चर्चा को जन्म दिया है। आधुनिक जीवन की भागदौड़ में अक्सर ऐसा होता है कि छोटे बच्चों को कुछ समय के लिए अकेला छोड़ दिया जाता है, यह सोचकर कि वे घर के अंदर सुरक्षित हैं। लेकिन यह घटना बताती है कि खतरा केवल बाहर नहीं, बल्कि आसपास भी हो सकता है। बच्चों की सुरक्षा केवल दरवाजे बंद करने से सुनिश्चित नहीं होती, बल्कि इसके लिए निरंतर निगरानी और सतर्कता आवश्यक है। अभिभावकों को यह समझना होगा कि छोटी-सी लापरवाही भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है।

हालांकि, इस मामले में बच्ची की मां की सतर्कता ने एक बड़ी अनहोनी को रोका। समय पर पहुंचकर उन्होंने आरोपी को रंगेहाथ पकड़ लिया, जिससे यह साबित होता है कि जागरूकता और त्वरित प्रतिक्रिया कितनी महत्वपूर्ण होती है। लेकिन हर मामले में ऐसा संभव नहीं होता, इसलिए समाज को मिलकर ऐसे अपराधों की रोकथाम के लिए ठोस कदम उठाने होंगे।

इस घटना ने पुलिस और प्रशासन की भूमिका पर भी सवाल खड़े किए हैं। जिस क्षेत्र में आरोपी बिना किसी किरायानामा के रह रहा था, वहां की निगरानी व्यवस्था कितनी कमजोर थी, यह स्पष्ट होता है। यदि किरायेदारों का सही रिकॉर्ड रखा जाता और नियमित जांच होती, तो शायद ऐसे अपराधियों पर पहले ही नजर रखी जा सकती थी। पुलिस को केवल घटना के बाद कार्रवाई करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें पहले से ही ऐसे संभावित खतरों को पहचानने और रोकने की दिशा में काम करना चाहिए।

समाज में बढ़ते अपराधों के पीछे एक बड़ा कारण बदलती जीवनशैली और तकनीक का गलत उपयोग भी है। मोबाइल और इंटरनेट ने जहां दुनिया को जोड़ा है, वहीं यह कई बार गलत दिशा में भी ले जा रहा है। अश्लील सामग्री की आसान उपलब्धता और उस पर नियंत्रण की कमी ने कुछ लोगों की सोच को विकृत कर दिया है। हालांकि हर व्यक्ति पर इसका नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता, लेकिन जिनकी मानसिकता पहले से कमजोर होती है, वे इससे प्रभावित होकर गलत रास्ते पर चल पड़ते हैं।

यह भी जरूरी है कि हम बच्चों को उनकी उम्र के अनुसार सुरक्षा और जागरूकता के बारे में सिखाएं। भले ही तीन साल की बच्ची इतनी समझदार नहीं होती कि वह खुद को बचा सके, लेकिन बड़े होते बच्चों को 'गुड टच' और 'बैड टच' के बारे में जानकारी देना बेहद जरूरी है। इससे वे किसी भी असामान्य स्थिति में तुरंत प्रतिक्रिया दे सकते हैं और अपने माता-पिता को बता सकते हैं।

इस घटना के बाद समाज में गुस्सा और आक्रोश स्वाभाविक है। लोगों द्वारा आरोपी की पिटाई करना उनके भीतर के आक्रोश को दर्शाता है, लेकिन यह भी समझना जरूरी है कि कानून अपने तरीके से काम करता है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि ऐसे अपराधियों को सख्त से सख्त सजा मिले ताकि यह दूसरों के लिए एक उदाहरण बन सके। पॉक्सो एक्ट जैसे कानून इसी उद्देश्य से बनाए गए हैं, लेकिन इनका प्रभाव तभी दिखेगा जब उनका सख्ती से पालन किया जाए।

इस घटना ने यह भी दिखाया है कि समाज में सामूहिक जिम्मेदारी की कितनी आवश्यकता है। केवल पुलिस या सरकार पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। हर व्यक्ति को अपने आसपास के माहौल पर नजर रखनी होगी और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत देनी होगी। पड़ोसियों के बीच आपसी संवाद और सतर्कता भी ऐसे मामलों को रोकने में मदद कर सकती है।

अंतत: यह घटना हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि हम किस दिशा में जा रहे हैं। क्या हम एक ऐसे समाज का निर्माण कर रहे हैं जहां बच्चे सुरक्षित नहीं हैं? क्या हमारी प्रगति केवल आर्थिक और तकनीकी तक सीमित रह गई है, जबकि नैतिक और सामाजिक मूल्य पीछे छूटते जा रहे हैं? इन सवालों के जवाब हमें खुद तलाशने होंगे।

जरूरत इस बात की है कि हम इस घटना को केवल एक खबर की तरह न देखें, बल्कि इससे सीख लें और अपने व्यवहार में बदलाव लाएं। अभिभावक अधिक सतर्क रहें, समाज अधिक जागरूक बने और प्रशासन अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से निभाए। तभी हम एक ऐसा वातावरण बना पाएंगे जहां हर बच्चा सुरक्षित और निश्चिंत होकर अपना बचपन जी सके।

इस तरह की घटनाएं केवल पीडित परिवार को ही नहीं, बल्कि पूरे समाज को घायल करती हैं। यह हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम मिलकर ऐसे अपराधों के खिलाफ आवाज उठाएं और एक सुरक्षित समाज के निर्माण में अपना योगदान दें। तभी हम सच्चे अर्थों में मानवता को बचा पाएंगे और आने वाली पीढ़ियों को एक बेहतर और सुरक्षित भविष्य दे सकेंगे।

भारत की शक्ति और वैश्विक परिदृश्य-लोकतंत्र, जनसांख्यिकी और स्किल्ड वर्कफोर्स की ताक़त हैं

वैश्विक स्तरपर भारत आज केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं है,बल्कि यह विश्व के लिए आशा,स्थिरता और अवसरों का केंद्र बन चुका है। भारत आज जिस मुकाम पर खड़ा है, उसे केवल एक राष्ट्र की उपलब्धि कहना कम होगा।यह 21वीं सदी के उस नए युग की शुरुआत है यह स्वतंत्रता के 75 से अधिक वर्षों की यात्रा में भारत ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि, लोकतंत्र केवल एक शासन पद्धति नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र की आत्मा है। इसके साथ ही,भारत की जनसांख्यिकी और विशाल स्किल्ड वर्कफोर्स ने उसे ऐसे मुकाम पर ला खड़ा किया है, जहां से वह न केवल अपने नागरिकों के भविष्य को संवार सकता है,बल्कि पूरे विश्व के विकास की दिशा भी तय कर सकता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र से, यह लेख तीन मुख्यस्तंभों, लोकतंत्र की शक्ति, जनसांख्यिकीय लाभ और स्किल्ड वर्कफोर्स की क्षमता पर आधारित है, जिनकी वजह से भारत और उसके वैश्विक साझेदारों के बीच हर रिश्ते को विन-विन सिचुएशन के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।

साथियों बात अगर हम भारत की पहली सबसे बड़ी ताकत की करें तो,भारत दुनियाँ का सबसे बड़ा लोकतंत्र है।1950 में संविधान लागू होने के बाद से आज तक भारत ने चुनावों के जरिए सत्ता परिवर्तन, नीति निर्माण और नागरिक अधिकारों को जिस मजबूती से कायम रखा है, वह विश्व के लिए उदाहरण है। लोकतंत्र का अर्थ केवल सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नागरिक भागीदारी, न्याय व्यवस्था की स्वतंत्रता और पारदर्शी शासन की नींव पर खड़ा है। विविधता में एकता इसका सबसे बड़ा परिचायक है, जहां 22 आधिकारिक भाषाएँ, हजारों बोलियाँ, सैकड़ों धर्म-संप्रदाय और अलग-अलग संस्कृतियाँ होने के बावजूद लोग लोकतांत्रिक रूप से एकजुट रहते हैं। भारत का लोकतंत्र वैश्विक कंपनियों के लिए एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करता है क्योंकि वे जानती हैं कि यहां नीतियाँ पारदर्शी हैं, कानून का शासन है और निवेशकों के हितों की रक्षा की जाती है।दुनिया के कई हिस्सों में अधिनायकवाद और राजनीतिक अस्थिरता देखने को मिलती है। अफ्रीकी और एशियाई देशों में सत्ता परिवर्तन अक्सर हिंसा और अराजकता का कारण बनते हैं।इसके विपरीत भारत ने अपने लोकतांत्रिक ढांचे से स्थिरता का माहौल तैयार किया है। यही कारण है कि विश्व की बड़ी कंपनियाँ भारत को सेफ़ हैवन के रूप में देखती हैं। चीन या रूस जैसे देशों में निवेश करने पर राजनीतिक जोखिम अधिक होता है, जबकि भारत में लोकतंत्र यह सुनिश्चित करता है कि नीतियाँ स्थिर रहें और निवेश सुरक्षित रहे। यह लोकतंत्र की वही शक्ति है जो भारत को अलग पहचान दिलाती है।

साथियों बात अगर हम भारत की दूसरी सबसे बड़ी ताक़त की करें तो वह है उसकी जनसांख्यिकी।वर्तमान समय में भारत की आबादी लगभग 1.43 अरब है और इसमें से 65 पेर्सेंट से अधिक लोग 35 वर्ष से कम आयु वर्ग में आते हैं। यह स्थिति भारत को दुनियाँ की सबसे युवा आबादी वाला देश बनाती है। युवा आबादी किसी भी राष्ट्र के लिए ऊर्जा, नवाचार और विकास का प्रतीक होती है। जब यूरोप और जापान जैसे विकसित देश बूढ़ी होती आबादी की समस्या से जूझ रहे हैं, तब भारत के पास एक ऐसा डेमोग्राफिक एडवांटेज है जो उसे वैश्विक अर्थव्यवस्था का इंजन बना सकता है।भारत की युवा पीढ़ी तकनीक अपनाने में सबसे आगे है। वे न केवल नई तकनीकों को अपनाते हैं बल्कि स्टार्टअप्स और उद्यमिता की ओर भी बढ़ रहे हैं। यही कारण है कि भारत आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है।मेक इन इंडिया,स्टार्टअप इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसी योजनाएँ इसी युवा ऊर्जा का परिणाम हैं। यह डेमोग्राफिक डिविडेंड भारत को न केवल घरेलू विकास की दिशा में मजबूत बना रहा है बल्कि विश्व के लिए भी अवसर पैदा कर रहा है।भारत की यह जनसांख्यिकी वैश्विक स्तर पर भी महत्वपूर्ण है। भारत हर साल लाखों इंजीनियर, डॉक्टर और मैनेजमेंट प्रोफेशनल तैयार करता है। यह वर्कफोर्स पूरी दुनिया की ज़रूरतें पूरी करता है। भारतीय पेशेवर आज अमेरिका, यूरोप, खाड़ी देशों और अफ्रीका तक अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। यह युवा आबादी उपभोक्ता बाजार के रूप में भी बेहद आकर्षक है। युवा वर्ग नई तकनीकों, डिजिटल सेवाओं और उपभोक्ता उत्पादों का सबसे बड़ा खरीदार है। यही कारण है कि वैश्विक कंपनियाँ भारत को भविष्य का सबसे बड़ा बाजार मानती हैं।

साथियों बात अगर हम भारत की तीसरी और सबसे महत्वपूर्ण शक्ति की करें तो वह है उसका विशाल स्किल्ड वर्कफोर्स। भारत के पास आज दुनिया का सबसे बड़ा स्किल्ड ह्यूमन रिसोर्स पूल है।आईटी, हेल्थकेयर, इंजीनियरिंग, रिसर्च, शिक्षा और मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में भारतीयों ने अपनी प्रतिभा से पूरी दुनिया में पहचान बनाई है। बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे जैसे शहर वैश्विक आईटी हब के रूप में उभर चुके हैं। भारतीय आईटी प्रोफेशनल्स अमेरिकी सिलिकॉन वैली की कंपनियों के लिए रीढ़ की हड्डी बन चुके हैं। हेल्थकेयर के क्षेत्र में भारतीय डॉक्टर और नर्स पूरी दुनिया में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान यह साफ दिखाई दिया कि भारतीय मेडिकल प्रोफेशनल्स की क्षमता कितनी विशाल है।मैन्युफैक्चरिंग और स्टार्टअप्स के क्षेत्र में भी भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। मेक इन इंडिया अभियान ने विदेशी निवेशकों को आकर्षित किया है और भारत में उत्पादन का माहौल तैयार किया है। भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम भी दुनिया में तीसरे स्थान पर है, जिसने लाखों रोजगार पैदा किए हैं। यह स्किल्ड वर्कफोर्स केवल भारत की अर्थव्यवस्था के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक नवाचार और विकास के लिए भी अहम है।

साथियों बातें कर हम इन तीनों कारकों,लोकतंत्र, जनसांख्यिकी और स्किल्ड वर्कफोर्स,का संगम भारत को विश्व की बड़ी कंपनियों और सरकारों के लिए आकर्षण का केंद्र बनाने की करें तो, जब कंपनियाँ भारत में निवेश करती हैं तो उन्हें स्थिर राजनीतिक माहौल, विशाल उपभोक्ता आधार और प्रतिभाशाली मानव संसाधन तीनों एक साथ मिलते हैं। यही कारण है कि एप्पल, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, अमेज़न और टेस्ला जैसी कंपनियाँ भारत को भविष्य का हब मान रही हैं।भारत और उसके वैश्विक साझेदारों के बीच संबंध केवल व्यापार तक सीमित नहीं हैं। यह संबंध वास्तव में परस्पर लाभकारी है। भारत को रोजगार, तकनीक और निवेश मिलता है,जबकि कंपनियों को लागत में कमी, स्थिर वातावरण और विशाल बाजार तक पहुंच मिलती है। इस प्रकार यह रिश्ता विन-विन सिचुएशन का प्रतीक बन जाता है।हालांकि भारत के सामने कुछ चुनौतियाँ भी हैं। शिक्षा और कौशल मेंअसमानता, आधारभूत ढाँचे की कमी, गरीबी और बेरोजगारी जैसी समस्याएँ अभी भी मौजूद हैं। लेकिन भारत सरकार स्किल इंडिया, डिजिटल इंडिया, गति शक्ति योजना और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों से इन चुनौतियों को अवसरों में बदलने का प्रयास कर रही है। यदि ये प्रयास सफल होते हैं तो भारत अपनी जनसांख्यिकी और स्किल्ड वर्कफोर्स का पूरा लाभ उठा सकेगा।

अंतत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि यह स्पष्ट है कि भारत की शक्ति तीन स्तंभों पर आधारित है,लोकतंत्र, जनसांख्यिकी और स्किल्ड वर्कफोर्स। ये तीनों मिलकर भारत को न केवल विश्व की आर्थिक महाशक्ति बना रहे हैं, बल्कि इसे एक भरोसेमंद वैश्विक साझेदार भी बना रहे हैं। भारत का विकास मॉडल शून्य-योग नहीं है, बल्कि यह पूरे विश्व के लिए अवसर पैदा करता है। आने वाले दशकों में जब दुनिया नए संकटों और अवसरों से गुज़रेगी, तब भारत अपनी लोकतांत्रिक ताक़त, युवा ऊर्जा और स्किल्ड वर्कफोर्स के दम पर पूरे विश्व के लिए आशा और सहयोग का केंद्र बना रहेगा। यही भारत की असली पहचान है-एक ऐसा राष्ट्र जो अपने विकास के साथ-साथ पूरे विश्व की प्रगति में योगदान देता है और हर वैश्विक साझेदारी को वास्तविक विन-विन बनाता है।

-किशन सनमुखदास भावनानी

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। कमजोर उठाव के चलते बुधवार को खाद्य तेलों में बाजार नरमी के रहे। तिलहनों में भाव बने रहे। दलहनों में चना मामूली बढ़त पर रहा। किराना जिंसों में शक्कर में सुर्खी बनी। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खाद्य तेलों में उठाव की सुस्तता के बीच बाजार नरमी के रहे। तिलहनों में सोयाबीन बना रहा। दलहनों में चना पूछपरख से मामूली बढ़त पर रहा। उधर, किराना जिंसों में शक्कर में सुर्खी बनी। मोटे अनाजों में गेहूँ में पूछपरख रही। किन्तु बाजार बने रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4125-4200, खोपरा गोला 380-430, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 270-280, बेस्ट 280-300, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5500-5600, मीडियम 5600-5700, बेस्ट 5800-5900, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 250-380, सौंफ बारिक 220-380, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1050-1400, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 500-625, काजू (240) 920-950, काजू (320) 830-880, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2350-2400, (160) 2700-2750, (200) 2550-2600, (250) 2650-2700

तेल- सींगदाना 1570-1580, मुम्बई 1610, राजकोट तेलिया 2510, सोया साल्वेंट 1395-1400, सोया रिफाइंड 1460-1465, कपास्या 1400, धूलिया 1410, कड़ी 1410,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1550, मुम्बई पाम 1450, मुम्बई सोया 1500,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3900 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7000-7200, रायडा 6200-6300, सोयाबीन 5900-6000, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5675-5725, एवरेज 5450-5575, विशाल 5600-5650, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशियन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6050-6100, एवरेज 5900-5950, मूंग गर्मी बेस्ट 7700-8000, मूंग बोल्ड 8200-8400, एवरेज 6500-6700, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7000-7100, एवरेज 6800-6900, हल्की 6600-6700, महाराष्ट्र सफेद 7100-7200, महाराष्ट्र लाल 7200-7400, उड़द बेस्ट 8500-9000, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडि?यम 7300-7400, बोल्ड 7600-7800, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2350-2450, लोकवन एवरेज 2400-2650, बेस्ट 2800-3100, मालवराज 2300-2560, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1600-1850, बेस्ट 1850-1900,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 340 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। बुधवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के ही रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 240000, चॉंदी (99) 239900, टंच 239000, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 151500,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 25 पैसे की गिरावट के साथ ही अब तक से सबसे निचले स्तर 94.86 पर बंद हुआ। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों 115 प्रति बैरल और विदेशी पूंजी के लगातार बाहर जाने के कारण रुपये पर भारी दबाव देखा गया जिससे ये नीचे आया। इसके साथ ही सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर व्यापक रुझान भी देखने को मिला, इससे भी रुपये में गिरावट रही। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि ब्रेंट तेल की कीमत बढ़ने से भी निवेशकों का मनोबल कमजोर हुआ है। इसके अलावा मध्य पूर्व के तनाव से भी दुनिया भर के बाजारों में प्रभाव पड़ा है। जिससे भी रुपया दबाव में है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुआ । बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बाद बाद भी खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 609.45 अंकों की बढ़त के साथ ही 77,496.36 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 181.95 अंक उछलकर 24,177.65 पर रहा। आज कारोबार के दौरान वाहन और रियल्टी शेयरों में उछाल से बाजार ऊपर आया। बीच के दौर में हालांकि मुनाफावसूली हावी होने से बाजार की तेजी पर कुछ हद तक अंकुश लग गया। कारोबार के दौरान व्यापक बाजारों में भी मिश्रित रुख दिखा। निफ्टी मिडकैप में गिरावट रही जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में बढ़त रही। क्षेत्रवार देखें तो निफ्टी एफएमसीजी में , निफ्टी रियल्टी और निफ्टी ऑटो शेयरों में तेजी रही। इसके अलावा, निफ्टी आई , निफ्टी ऑयल एंड गैस , निफ्टी मेटल में बढ़त रही जबकि निफ्टी मीडिया, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी पीएसयू बैंक के शेयर

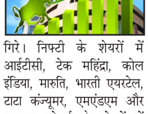

गिरे। निफ्टी के शेयरों में आईटीसी, टेक महिंद्रा, कोल इंडिया, मारुति, भारती एयरटेल, टाटा कंज्यूमर, एमएंडएम और आयशर मोटर्स के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त रही। वहीं इंडिगो, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, एनटीपीसी, बजाज फिनसर्व और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर सबसे ज्यादा गिरे। इससे पहले आज सुबह बाजार हल्की तेजी के साथ खुला हालांकि कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से बाजार की तेजी पर अंकुश लगा रहा। सुबह सेंसेक्स 77,245 अंक पर खुला। वहीं निफ्टी-50 सुबह 504,096 पर खुला और खुलते ही 24,100 के पार चला गया। एशियाई बाजारों में भी मिश्रित कारोबार के संकेत मिले हैं। एसएंडपी एएसएक्स और कोस्पी क्रमश: 0.23 फीसदी और 0.24 फीसदी गिरा जबकि हैंग सेंग 1.25 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार करता दिखा। इसके अलावा अमेरिकी बाजारों में उछाल देखा गया। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीति बैठक के परिणामों का इंतजार हो रहा है। एसएंडपी 500 और डॉव जोन्स दोनों के फ्यूचर्स में 0.16 फीसदी की बढ़त रही। वॉल स्ट्रीट के बाजार में गिरावट रही। एसएंडपी 500 और नैस्डैक कंपोजिट में 0.49 फीसदी और 0.90 फीसदी की गिरावट रही।

भारत दुनिया का आकर्षण है, एक बार फिर दुनिया हमारे साथ है

नई दिल्ली। एजेंसी। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि कनाडा के साथ व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते को गति देने के मकसद से वह अगले महीने कनाडा जाएंगे। उन्होंने कहा कि कनाडा के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते के लिए बातचीत के दायरे को अंतिम रूप दे दिया गया है। 2023 में राजनयिक तनाव के कारण रुकी बातचीत फिर से शुरू हो गई है। भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) द्वारा आयोजित विश्व बौद्धिक संपदा (आईपी) दिवस 2026 के समापन सत्र को संबोधित करते हुए पीयूष गोयल ने कहा कि चिली के अंतरराष्ट्रीय व्यापार वार्ता प्रभारी मंत्री 12 मई को भारत का दौरा करेंगे। मंत्री ने यह भी कहा कि भारत पेरू के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर भी चर्चा कर रहा है। भारत अब तक 9 मुक्त व्यापार समझौते कर चुका है। इससे करीब दो तिहाई वैश्विक अर्थव्यवस्था और वैश्विक व्यापार तक भारत को तरजीही पहुंच मिल गई है। इसमें 38 विकसित और अमीर देश शामिल है। गोयल ने स्वीकार किया कि 6 देशों वाले गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) के साथ एफटीए पर बातचीत पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण रुक गई है, लेकिन इसे बहाल करने के लिए कवायद जारी है। उन्होंने कहा कि रूस के नेतृत्व वाले यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन (ईएईयू) और साउथ अफ्रीकन कस्टम्स यूनियन (एसएसीयू) के साथ हम बातचीत कर रहे हैं। एसएसीयू में दक्षिण अफ्रीका शामिल है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गोयल ने घोषणा की कि दुनिया एक बार फिर हमारे साथ है। भारत दुनिया का आकर्षण है।' उन्होंने कारोबारियों और नवोन्मेषकों से 'पेटेंट, प्रोड्यूस और प्रॉस्पर' के मंत्र से बाजार खुलेपन का लाभ उठाने का आग्रह किया। खेल संबंधी सभी बौद्धिक संपदा फाइलिंग के लिए तत्काल प्रभाव से लागू तीन साल का शून्य शुल्क की व्यवस्था लागू है।

नवी मुंबई एयरपोर्ट को हब बनाने की तैयारी, सरकार के साथ चल रही बात

नई दिल्ली। एजेंसी। अडाणी द्वारा संचालित नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (एनएमआईएएल) अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा के लिए इसे 'हब और स्पोक' डेस्टिनेशन के तौर पर चलाने के लिए सरकार के साथ बातचीत कर रहा है। मामले से अवगत लोगों के मुताबिक बातचीत काफी आगे बढ़ गई। इस कदम से एनएमआईएएल को नागरिक विमानन मंत्रालय के साथ तय किए गए अपने विकास लक्ष्य हासिल करने में मदद मिलने की उम्मीद है। एनएमआईएएल का लक्ष्य वर्ष 2026-27 जो उसके संचालन का पहला पूरा साल होगा, उस में 1.1 करोड़ यात्रियों को सेवा मुहैया कराना है। उसका इरादा इसे वित्त वर्ष 2028 तक बढ़ाकर 2 करोड़ तक पहुंचाना है, जो दुनिया के किसी भी हवाई अड्डे के लिए सबसे तेज बढ़ोतरी दर में से एक है। इस तरह से यह हवाई अड्डा पहले ही चरण में अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर लेना चाहता है। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो यह हब इस सर्दियों तक चालू हो सकता है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने दिल्ली को देश के पहले हब एयरपोर्ट के तौर पर पहले ही मंजूरी दे दी है, जिसके 1 जून से शुरू होने की उम्मीद है। यह राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन नीति का हिस्सा है, जिसका लक्ष्य 2030 तक देश को भारतीय यात्रियों के लिए और 2047 तक पूरी दुनिया के लिए पसंदीदा एविएशन हब बनाना है। बेंगलूरु और यहां तक कि राजकोट जैसे कुछ अन्य हवाई अड्डों को भी हब बनाने पर विचार किया जा रहा है। योजना का मकसद उस 'ट्रांसफर ट्रैफिक' को वापस लाना है, जो अब तक दुबई, दोहा, लंदन, फ्रैंकफर्ट जैसे वैश्विक केंद्रों का इस्तेमाल करता रहा है। इसके बजाय वे देश के ही हवाई अड्डों का इस्तेमाल करेंगे। सरकार के कराए अध्ययन से पता चला है कि इस पूरी कवायद का उद्देश्य मौजूदा रुझान को बदलना है, जिसके तहत भारत से जाने वाले 35 फीसदी अंतरराष्ट्रीय यात्री दुबई, लंदन और सिंगापुर जैसे विदेशी शहरों से होकर गुजरते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 'हब ऐंड स्पोक' मॉडल देश में छोटे शहरों से यात्रियों को हब एयरपोर्ट तक पहुंचने और वहां से आसानी से अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों से जुड़ने में सक्षम बनाता है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपको समझदारी का इम्तिहान देगा। खर्चों पर कंट्रोल रखना होगा और हर कदम सोच-समझकर उठाना होगा। सेहत को हल्के में न लें, और परिवार के मामलों को शांति से सुलझाएं। जीवनसाथी की परेशानी दूर होती दिखेगी, लेकिन उधार लिया धन वापस मांग लिया जाए तो हैरान न हों। बड़ा रिस्क लेने से बचना ही समझदारी होगी। पारिवारिक मामलों में शान्ति एवं धैर्य से काम लेना चाहिए। किसी परिजन को लेकर चिन्ता रह सकती है। पारिवारिक मामलों में विवेक और धैर्य से काम लेना चाहिए। संतान पक्ष को लेकर चिन्ता रह सकती है।

वृषभ- आज किस्मत आपका साथ देने के मूड में है। जिस काम में हाथ डालेंगे, सफलता आपके कदम चूमेगी। निवेश से फायदा मिलेगा और बिजनेस में रफ्तार बढ़ेगी। बस रिश्तों में संतुलन बनाए रखें। खासकर जीवनसाथी और माता जी के साथ शब्दों का ध्यान रखें, वरना छोटी बात बड़ा रूप ले सकती है। प्रेम संबंध हो या फिर वैवाहिक जीवन दोनों को बेहतर बनाए रखने के लिए आपको अपनी वाणी और व्यवहार दोनों पर संयम रखने की आवश्यकता रहेगी। विचारों में मतभेद को मनभेद में न बदलने दें।

मिथुन- आज दिमाग आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और पुराने पैसे भी वापस मिल सकते हैं। आप अपने फैसलों से दूसरों को चौंका देंगे। घूमने-फिरने का प्लान बनेगा और पुण्य कार्यों में मन लगेगा। बस एक बात याद रखें। जल्दबाजी आपका खेल बिगाड़ सकती है। लव पार्टनर के साथ सुखद समय बिताने के अवसर प्राप्त होंगे। परिवार के सदस्यों के साथ प्रेम और सामंजस्य बढ़ेगा। बीते कुछ समय से चली आ रही पारिवारिक समस्या का समाधान निकल आएगा।

कर्क- आज अधूरे काम पूरे करने का दिन है, नहीं तो आगे चलकर परेशानी बन सकते हैं। वाहन चलाते समय खास सावधानी रखें। वैवाहिक जीवन में थोड़ी दूरी महसूस हो सकती है, इसलिए बातचीत बनाए रखें। घर में किसी शुभ आयोजन की हलचल आपको व्यस्त रखेगी। वित्तीय दृष्टि से यह सप्ताह आपके लिए अत्यंत ही शुभ रहने वाला है। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। संचित धन में वृद्धि होगी। लव पार्टनर के साथ अच्छी ट्यूनिंग बनी रहेगी। वैवाहिक जीवन सुखमय बना रहेगा।

सिंह- आज आपकी पहचान और प्रभाव बढ़ने वाला है। मीठी वाणी से सम्मान मिलेगा और ऑफिस में सहयोगियों का पूरा साथ मिलेगा। आप आगे बढ़ेंगे, लेकिन मन में किसी के लिए जलन न रखें। यात्रा के दौरान अपने सामान का ध्यान रखें, और फोकस बनाए रखने की कोशिश करें।

कन्या- आज भागदौड़ भरा दिन रहेगा। काम के चलते यात्राएं होंगी और थकान महसूस हो सकती है। परिवार को लेकर थोड़ी चिंता रहेगी, खासकर पैतृक संपत्ति के मामलों में सतर्क रहें। जो जिम्मेदारी मिले, उसे पूरी ईमानदारी से निभाएं। वरना बड़े नाराज हो सकते हैं। भाई-बहनों की तरफ से विशेष सहयोग की प्राप्ति होगी। पिता का भी आशीर्वाद आप पर बना रहेगा। लव पार्टनर की तरफ से सरप्राइज गिफ्ट मिल सकता है।

तुला- आज खुशियों की दस्तक आपके घर आ सकती है। परिवार में नए सदस्य के आने या शादी-ब्याह की तैयारियों से माहौल खुशनुमा रहेगा। लेकिन हर बात हर किसी से शेयर न करें।कुछ लोग इसका फायदा उठा सकते हैं। दूसरों की बातों में आकर फैसले लेना नुकसानदेह हो सकता है। कन्या राशि के जातकों को इस सप्ताह मार्केट में अपनी साख को बनाए रखने के लिए विशेष परिश्रम और प्रयास करने होंगे। लव पार्टनर के साथ किसी बात को लेकर तकरार होने की आशंका है।

वृश्चिक- आज का दिन खुशी और व्यस्तता दोनों साथ लाएगा। काम का दबाव थोड़ा परेशान करेगा, लेकिन छोटे-छोटे फायदे आपको संतुष्ट रखेंगे। पड़ोस में विवाद जैसी स्थिति बन सकती है, इसलिए शांत रहें। करियर को लेकर लापरवाही बिल्कुल न करें। विद्यार्थियों को मेहनत ज्यादा करनी होगी।

धनु- आज अवसरों की बरसात हो सकती है। आय के नए रास्ते खुलेंगे और पुराना दोस्त मिलकर दिल खुश कर देगा। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों को अच्छी खबर मिल सकती है। बस उधार लेने से पहले सोच लें। चुकाने में परेशानी हो सकती है।

मकर- आज थोड़ा संभलकर चलने की जरूरत है। जल्दबाजी में लिए फैसले नुकसान करा सकते हैं। पुराने दोस्त से मुलाकात मन को खुशी देगी और दांपत्य जीवन मधुर रहेगा। लोन मिलने के योग हैं, लेकिन समय और पैसे दोनों का सही प्रबंधन जरूरी है।

कुंभ- आज बिजनेस में फायदा तो होगा, लेकिन कुछ तकनीकी अड़चनें परेशान कर सकती हैं। अनुभव का सही इस्तेमाल आपको आगे बढ़ाएगा। ससुराल पक्ष से कोई मिलने आ सकता है, लेकिन निजी बातें शेयर करने से बचें। छोटी यात्रा के योग हैं और जीवनसाथी से पारदर्शिता बनाए रखें।

मीन- आज मेहनत ही आपकी पहचान बनाएगी। दोस्त से मुलाकात और परिवार के साथ समय आपको खुश रखेगा। जीवनसाथी के साथ रोमांटिक पल बिताने का मौका मिलेगा। जरूरत पड़ने पर आर्थिक मदद भी मिल जाएगी। किसी समस्या का समाधान पाने के लिए अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेना फायदेमंद रहेगा।

शब्दजाल- 8244

ग	दि	न	ल	बे	म	ज	चां	न	र	क
ग	र	म	म	सा	ला	जी	द	इ	व	ल
आ	कं	दे	ला	ह	जी	स्म	नी	का	क्त	दि
वा	ची	प	श	ल	ज	प	बा	पा	ल	र
स्तु	त	ई	न्री	में	स	खें	र	भा	म	जं
शा	मे	म	क	ला	बे	ला	न	ई	क	ग
स्त्र	जं	न्स	मे	ल	क	ता	म	न	है	ल
च	म	न	ए	सं	हो	प	र	ली	म	ए
ले	बो	र्न	य	त	चि	ना	री	रो	न	क्स
क्या	कु	ल	है	ह	म	त्र	हो	ड	म	प्रे
बे	बी	लो	नि	या	ल	र	न	रा	त	स

शब्दजाल में राजपाल यादव की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए.शब्द ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

गरम मसाला, वास्तुशास्त्र, क्या कूल है हम, कल हो ना हो, रोड, जंगल, चांदनी बार, वक्त, कंपन्नी, लाल सलाम

शब्दजाल - 8243 का हल

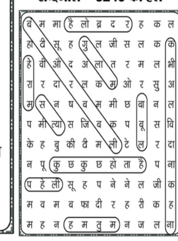

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7188

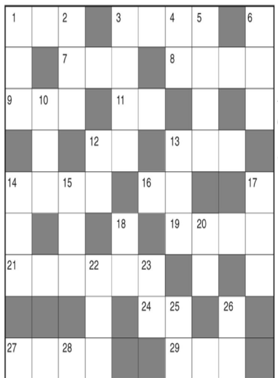

बायें से दायें:-

१. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की फिल्म-३
३. 'साथिन' की सच्ची घटना पर आधारित रघुवीर यादव, नंदिता की फिल्म-४
७. ऋषिकपूर, शाहरुख, दिव्या भारती की फिल्म-३
८. 'मेरे दिल ने जो मांगा मिल गया' गीत वाली फिल्म-४
९. बलराज, श्यामा की 'तारों की चूनर' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'क्या मैंने सोचा' गीत वाली संजय, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-२
१२. संजय, अभिषेक, जायेद, एशा, राइमा, शिल्पा की 'उन से पूछें' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सलमा को मिल' गीत वाली जैकी, पूनम की फिल्म-३
१४. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'दिल डूबा डूबा नीली' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्याराय का फिल्म-२
१९. अक्षय, करिश्मा की 'माथे पे चमके' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'ये चाँद सा' गीत वाली शम्मी, शर्मिला की फिल्म-३,१,२
२४. अरूण गोविल, साहिला की 'मेरी चढ़ती जवानी समझे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरा कुछ सामान' गीत वाली शशिकपूर, नसीर, रेखा की फिल्म-४
२९. अक्षय, रवीना की 'सुबह से लेकर' गीत वाली फिल्म-३
३०. 'तू ने कहा जब से' गीत वाली अक्षय, करीना कपूर की फिल्म-३
३१. अजय, पूजा, सोनाली की 'हम यहाँ तुम यहाँ' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-३
२. अशोक, बीना की 'जाता हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-२,१
३. 'इश्क में दिल' गीत वाली नसीर, डिम्पल की फिल्म-४
४. सनी, शाहरूख, जूही की फिल्म-२
५. १९९४ में आई मिथुन, गोविंदा, योगिता की एक फिल्म-४
६. जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. 'आगे सुख तो' गीत वाली अनिल, विजया की फिल्म-३
१२. विवेक, दीया की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१३. राजकुमार, मीना की फिल्म-३
१४. संजयदत्त, पूजा की 'जब जब प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१७. राजेंद्रकुमार, वहीदा रहमान की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दो नैनों के पंख' गीत वाली फिल्म-२
२०. सनी, समीरा की 'नशा है आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'गैर से अंख लड़ाई' गीत वाली फिल्म-३
२३. विनोद, डिम्पल की 'चंपई धूप के' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'मेरा मन भंवरा' गीत वाली फिल्म-३
२६. मिथुन, अतुल, पूजा की फिल्म-३
२७. 'देखो देखो जानम हम' गीत वाली फिल्म-२
२८. सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7187

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

30 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मेष में	वृष	06.22 बजे से
चंद्र	कन्या में	मिथुन	08.20 बजे से
मंगल	मीन में	कर्क	10.33 बजे से
बुध	मेष में	सिंह	12.50 बजे से
गुरु	मिथुन में	कन्या	15.01 बजे से
शुक्र	वृष में	तुला	17.12 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	19.27 ब.से
राहु	कुंभ में	धनु	21.43 बजे से
केतु	सिंह में	मकर	23.48 बजे से
		कुंभ	01.35 बजे से
		मीन	03.07 बजे से
		मेष	04.38 बजे से

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

गुरुवार 2026 वर्ष का 120 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास वैशाख **पक्ष** शुक्ल
तिथि चतुर्दशी 21.13 बजे को समाप्त।
नक्षत्र चित्रा 02.17 बजे रात्र को समाप्त।
योग वज्र 20.55 बजे को समाप्त।
करण गर 08.30 बजे तदनन्तर वणिज 21.13 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 12.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 14° 43'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872695
जूलियन दिन 2461160.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्काद **तारीख** 12
विशेष नृसिंह व छिन्नमस्ता जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः सबसे बड़ा सुख

राजा विक्रमादित्य के राज्य में एक सदाचारी, नेक और ईमानदार पुजारी रहता था। वह बहुत ही निर्धन था। एक दिन वह धन-प्राप्ति के उद्देश्य से अपने घर से निकल पड़ा। रास्ते में उसकी मुलाकात एक पहुंचे हुए महात्मा से हुई। पुजारी से बातें करने के बाद महात्मा समझ गए कि यह नेक, ईमानदार व गुणवान है। उन्हीं दिनों विक्रमादित्य अपना राज्य किसी योग्य व्यक्ति को सौंप कर महात्मा के संसर्ग में रहकर शांति से अपना शेष जीवन गुजारना चाहते थे। उन्होंने महात्मा को यह बात बताई हुई थी। महात्मा पुजारी को अपने साथ राजा के पास ले गए और उन्हें सारी बात बताई। महात्मा से पुजारी के बारे में जानकर विक्रमादित्य उसे राज्य सौंपने को तैयार हो गए। पुजारी ने सोचा कि यदि राजा विक्रमादित्य जैसा प्रतापी शासक अपना सब कुछ सौंपकर महात्मा जी के साथ जाना चाहता है, तो इसका अर्थ यह है कि शायद महात्मा के संसर्ग में राज-सुख से भी अधिक सुख प्राप्त होता होगा। वह राजा से बोला, 'महाराज, मैं भला एक मामूली सा व्यक्ति इतना बड़ा राजपाट कैसे संभालूंगा। मुझे तो इसका बिल्कुल भी अनुभव नहीं है। इसके योग्य तो आप ही हैं।' फिर वह महात्मा के पास जाकर बोला, 'गुरुजी, राजा तो राज्य त्यागकर आपके पास आने के लिए उत्सुक हैं। इससे तो यही जान पड़ता है कि इस दुनिया में राज-सुख से भी बड़ा कोई सुख है। मुझे तो आप अपनी शरण में ले लीजिए।' पुजारी की बात सुनकर महात्मा मुस्कराते हुए बोले, 'तुमने ठीक पहचाना। इस दुनिया में राज-सुख से भी बड़ा सुख है शांति से सभी दुर्गुणों पर विजय पाकर सबकी सेवा का संकल्प। इससे स्वत: ही व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति हो जाती है।' महात्मा का जवाब सुनकर वह पुजारी उन्हीं के साथ रहकर लोगों की सेवा में अपना जीवन बिताने लगा और कुछ ही दिनों में उसे अहसास हो गया कि उससे अधिक प्रसन्न और संतुष्ट राजा भी नहीं हैं क्योंकि अब उसके पास कोई चिंता नहीं थी।

सूडोकु नवताल- 7497

★★★✫✩ मध्यम

2	9		3	1			8	
3	6		2		7		9	
		7			6		2	1
	7		1					
1	3			4			7	2
					5		4	
6	2		4			9		
5			6		9		1	8
	1			5	3		6	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7496 का हल

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भर जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

शब्द पहेली - 8712

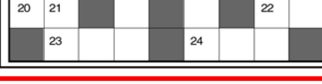

बाएँ से दाएँ

1. सरस्वती-3
3. किनारा,तट-3
5. मूल्य,कीमत-2
6. उस समय-2
8. प्रबंध,व्यवस्था-4
10. नमक-3
11. अधीन,मातहत-3
12. संज्ञा,संबोधन-2
13. मार्ग,रास्ता-2
14. तीर्थ,धार्मिक यात्रा-3
16. धुन,आसक्ति-3
18. जमानत-4
20. रहस्य-2
22. पुत्र,तनय-2
23. मुलायम-3
24. गंवार,अनपढ़-3

ऊपर से नीचे

1. संध्या,सांझ-2
2. असुर,दैत्य-3
3. शोरबा,रसा-3
4. बुरी आदत-2
5. प्रवेश,एडमिट-3
7. वर यात्रा,दूल्हे का जुलूस-3
8. प्रियतम,साजन-4
9. अनाज-2
11. सनसनी,रोमांच-4
14. तृतीय-3
15. सच्चाई,सत्य-2
17. जिसकी नाक कटी हो, वादा फरामोश-3
18. मुंशी,दीवान-3
19. रवैया,तरीका-3
21. आम जनता-2
22. लता,लतिका-2

शब्द पहेली -8711 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

लांजी पुलिस की बड़ी कार्रवाई

पौसेरा सोन नदी घाट में अवैध रेत उत्खनन व परिवहन करते 03 ट्रैक्टर-ट्रॉली जप्त

पद्मेश न्यूज। लांजी।

पुलिस द्वारा क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन करने वालों के विरुद्ध वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में लांजी पुलिस के द्वारा 28 अप्रैल की रात्रि में प्रभावी कार्रवाई करते हुए अवैध रेत परिवहन में प्रयुक्त 03 ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित जप्त कर 13 आरोपियों के विरुद्ध धारा 303 (2), 3(5) बीएनएस एवं खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 4/21 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

इस संबंध में एसडीओपी ओमप्रकाश ने प्रेसवार्ता के माध्यम से जानकारी में बताया कि क्षेत्र के ग्राम पौसेरा स्थित सोन नदी घाट में अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन की सूचना प्राप्त हो रही थी। 28 अप्रैल को पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि कुछ व्यक्ति ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के माध्यम से अवैध रूप से रेत का उत्खनन कर परिवहन कर रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर दबिश दी गई।

कार्यवाही के दौरान पुलिस को देखकर ट्रैक्टर चालक एवं मौके पर रेत भरने वाले आरोपी भागने का प्रयास करने लगे, जिन्हें पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। मौके पर 03 ट्रैक्टर-ट्रॉली जप्त किए गए, जिनमें अवैध रूप से रेत भरी हुई पाई गई। आरोपियों से रेत परिवहन के संबंध में वैध रॉयल्टी दस्तावेज मांगने पर कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। मौके से अवैध खनन में प्रयुक्त फावड़े एवं तसले भी जप्त किए गए।

पुलिस ने जप्त किए 3 ट्रैक्टर

इस अवैध रेत खनन व परिवहन के मामले में लांजी पुलिस ने 3 ट्रैक्टर ट्राली सहित व प्रयुक्त सामान फावड़े एवं तसले जप्त किए। महिन्द्रा ट्रैक्टर मॉडल 575 डीआई एसपी प्लस, सोनालिका ट्रैक्टर मॉडल डीआई -42 आरएक्स, महिन्द्रा ट्रैक्टर मॉडल युवो टच 405 डी आई शामिल हैं।

पुलिस ने गिरफ्तार किए आरोपी

अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन मामले में पुलिस ने 3 वाहन चालक व 10 मजदूरों को गिरफ्तार किया, जिनमें युगल उर्फ राजा सातपुते निवासी वार्ड नं. 11 ग्राम सिर्री थाना लांजी (ट्रैक्टर चालक), दीपक धुर्वे निवासी ग्राम बकरामुंडी थाना लांजी (ट्रैक्टर चालक), अजय मलगाम निवासी ग्राम दहेगांव थाना लांजी (ट्रैक्टर चालक), दिलीप मलगाम निवासी ग्राम दहेगांव, राकेश आमाडारे निवासी मंडईटेकरी लांजी, कमलेश चापडे निवासी मंडईटेकरी, नितिन चापडे निवासी मंडईटकरी लांजी, देवेन्द्र मसराम निवासी ग्राम जूनेवानी, दीपक आमाडारे निवासी मंडईटकरी लांजी, राधे पदे निवासी ग्राम दहेगांव, नितेश पालेवार निवासी ग्राम दहेगांव, राजेश सोनवाने निवासी लांजी, रवि मडावी निवासी ग्राम जूनेवानी शामिल हैं।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन मामले में थाना प्रभारी उपनिरीक्षक दीपसिंह परमार, निरीक्षक अशोक ननाना, आरक्षक राकेश कुल्हाड़े, आरक्षक राहुल भारद्वाज एवं अन्य स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस द्वारा अवैध उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध आगे भी लगातार कार्यवाही जारी रहेगी।

नशे में चालक – ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर खेत में पलटा, चालक गंभीर रूप से घायल

पद्मेश न्यूज। लांजी। आधुनिक युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति अब जानलेवा साबित हो रही है। मादक पदार्थों के सेवन के बाद लापरवाही से वाहन चलाने की आदत न सिर्फ चालक के अपने जीवन को खतरे में डाल रही है, बल्कि सड़क पर चल रहे आम नागरिकों के लिए भी गंभीर खतरा बन गई है।

मंगलवार को ग्राम इटोरा के समीप हुई एक ट्रैक्टर दुर्घटना ने इस समस्या को एक बार फिर उजागर कर दिया। ग्राम ककोड़ी निवासी ओमप्रकाश पिता विनायक येरपुडे (34 वर्ष) लकड़ी लादकर ट्रैक्टर क्रमांक MP 50 AA-4673 से लांजी से ककोड़ी की ओर जा रहे थे। दोपहर करीब 12 बजे इटोरा के पास पहुंचते ही चालक का वाहन पर नियंत्रण बिगड़ गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार चालक नशे की हालत में था, जिसके कारण ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित खेत में घुस गया और पलट गया। इस दुर्घटना में चालक ओमप्रकाश के सिर में गंभीर चोटें आईं। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने तुरंत 108 एम्बुलेंस को फोन किया और घायल को नागरिक चिकित्सालय लांजी पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है। गौरतलब है कि हादसे के समय सड़क पर कोई अन्य वाहन या राहगीर नहीं था, जिससे एक बड़ी जनहानि टल गई। स्थानीय लोगों ने चिंता जताते हुए कहा कि यदि उस समय कोई राहगीर या अन्य वाहन वहां से गुजर रहा होता, तो यह दुर्घटना और भी भयावह रूप ले सकती थी।

यह घटना नशे में वाहन चलाने की बढ़ती प्रवृत्ति के खतरों की ओर इशारा करती है। स्थानीय प्रशासन और पुलिस को ऐसे मामलों में सख्ती बरतने और जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है, ताकि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

सड़क दुर्घटना में दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र में बढ़ती तेज गति और यातायात नियमों की अनदेखी के कारण सड़क दुर्घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है। 29 अप्रैल बुधवार शाम लगभग 7 बजे लांजी-वारी मार्ग पर कालीमाटी और निमटोला के बीच स्थित पुलिया के पास एक सड़क दुर्घटना में दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार वारी निवासी मंगल राजाराम पांचे (65 वर्ष) एवं सीताराम पिता हीरामन फुल्हारे (53 वर्ष) अपनी मोटरसाइकिल (क्रमांक एमपी 50 एमयू 4493) से लांजी से अपने गांव वारी लौट रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर के कारण दोनों व्यक्ति सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद संबंधित वाहन चालक मौके से चला गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, जिस स्थान पर यह घटना हुई वहां पुलिया के पास पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था नहीं है। साथ ही सड़क संकरी होने के कारण शाम के समय दुर्घटना की संभावना बढ़ जाती है। इस मार्ग पर भारी वाहनों का आवागमन भी अधिक रहता है, जिससे जोखिम और बढ़ जाता है। घटना के बाद आसपास के लोगों की सहायता से दोनों घायलों को तत्काल उपचार हेतु सिविल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। चिकित्सकों के अनुसार दोनों की स्थिति खतरे से बाहर है परंतु दोनों बुजुर्गो को गंभीर चोटे आई है। उल्लेखनीय है कि लांजी क्षेत्र में हाल के दिनों में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में वृद्धि देखी जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित नहीं किया गया और आवश्यक व्यवस्थाएं नहीं की गईं, तो इस प्रकार की घटनाएं आगे भी होती रहेंगी।

पीएमश्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भानेगांव में हुआ सम्मान समारोह

मेधावी छात्र-छात्राएं विधायक राजकुमार कर्राहे के हस्ते पुरस्कृत

पद्मेश न्यूज। लांजी। पीएमश्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भानेगांव के प्रांगण में बीते दिन प्रतिभा और परिश्रम का अनूठा संगम देखने को मिला। अवसर था बोर्ड परीक्षाओं में विद्यालय का नाम रोशन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं के भव्य सम्मान समारोह का, जहाँ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कर्राहे ने मेधावियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया। समारोह को संबोधित करते हुए विधायक राजकुमार कर्राहे ने कहा कि विद्यार्थी जीवन तपस्या के समान है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को सफलता का मंत्र देते हुए कहा, लक्ष्य के प्रति समर्पण, अनुशासन और निरंतर मेहनत ही वह चाबी है, जिससे सफलता के द्वार खुलते हैं। उन्होंने सभी सफल विद्यार्थियों के उज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें समाज और देश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

प्रमाणपत्र और शील्ड पाकर खिले चेहरे.

कार्यक्रम के दौरान बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को अतिथियों द्वारा प्रमाणपत्र एवं शील्ड प्रदान की गई। अपना सम्मान पाकर विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से दमक उठे। विशेष अतिथियों में जनपद उपाध्यक्ष अजय अवसरे, लीलाधर रावते, सीताराम रावते, रेवाजी करहाटकरें, रूपचंद रावते सहित क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। छात्रों की उक्त सफलता पर विद्यालय के प्राचार्य चन्द्रभूषण चौहान, परीक्षा प्रभारी लेखेश्वर चन्दनवार, श्रीमति प्रज्ञा शेण्डे, निलेश कुमार बाहे, जितेन्द्र भागडकर, श्रीमति अनामिका मेश्राम, श्रीमति अनिता डावर, संजय सोलंकी, श्रीमति इंदिरा बेदरे डिलेन्द्र चौधरी, बबलु कामड़े, अरूण पटले, लेखराम मिसारे, तिर्थेश बुराड़े, श्रीमति मीना ठवरे, उमेश भूते. कमल किशोर भगत, शेषराम बागमोरे, गीतू नारनोरे, आनन्दराव राहंगडाले, श्रीमति कलावती बल्ले, राजेन्द्र कुमार जुझारे, श्रीमति योगन्ता मेश्राम, श्रीमति प्रज्ञादेवी बेदरे, अनिल कुमार पंचभाई. लोकेश लिल्हारे, महेन्द्र कछवाहे, रतनलाल गिरेपुंजे, श्रीमति शीला टेभंरे, योगेन्द्र मर्सकोले, श्रीमति प्रियंका बनवाले, गणेश कुमार मेश्राम, श्रीमति पुनम घरडे, रविन्द्र कुमार मंडलेकर, श्रीमति कविता भेलावे, श्रीमति सिन्धु तुरकर, श्रीमति सिन्धु पटले, महेन्द्र दवने, मनोज परिहार, श्रीमति गायत्री दमाहे, प्रन्तोष अनकर, श्रीमति गायत्री रावते, श्रीमति मीनाक्षी चौधरी, गजेन्द्र नेवारे, राधेलाल रावते, धीरज नाकतोडे ने शुभकामनाएँ एवं बधाई देते हुए छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

प्रेरणादायी रहा आयोजन.

विद्यालय परिसर में आयोजित इस गरिमामय समारोह ने न केवल छात्रों बल्कि अभिभावकों को भी गौरवान्वित किया। शिक्षकों ने इसे विद्यालय की गौरवशाली उपलब्धि बताया। समारोह के अंत में विद्यालय प्रबंधन ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं छात्र और शिक्षक मौजूद रहे।

छोटी कुम्हारी में सियार का हमला

खेत में काम कर रहे दो कृषक घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम छोटी कुम्हारी में मंगलवार शाम एक जंगली सियार ने दो कृषक पर हमला कर दिया। दोनों घायल कृषक दिनेश पिता पेडारी लाल डहारे और चंदूलाल पिता खुशियाली बिसाने का इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया।

खेत में छिड़काव के दौरान हुआ हमला

जानकारी के अनुसार 28 अप्रैल की शाम 6:00 बजे ग्राम छोटी कुम्हारी निवासी कृषक दिनेश डहारे अपने खेत में रबी फसल पर कीटनाशक का छिड़काव कर रहे थे। उनका खेत घर के पीछे ही स्थित है। इसी दौरान झाड़ियों से निकले एक सियार ने उन पर अचानक हमला कर दिया और पैर व जांघ में काट लिया।

घर लौट रहे दूसरे कृषक को भी काटा

सियार यहीं नहीं रुका दिनेश पर हमले के बाद वह पास ही स्थित चंदूलाल बिसाने के खेत में पहुंच गया। उस समय चंदूलाल खेत से घर लौट रहे थे। सियार ने उन पर भी झपटकर पैर में काट लिया। चंदूलाल के चिल्लाने पर आसपास खेतों में काम कर रहे ग्रामीण मौके पर दौड़े और शोर मचाकर सियार को भगाया। इसके बाद परिजन तुरंत दोनों घायल कृषको को लेकर जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचे।जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद एंटी-रैबीज इंजेक्शन लगाए। फिलहाल दोनों कृषको की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।ग्राम छोटी कुम्हारी में खेत घर से सटे हुए हैं और इन दिनों खेतों में रबी की फसल खड़ी है। शाम के समय हुई इस घटना से गांव में दहशत का माहौल है।

भूमिगत रेलवे क्रॉसिंग केबल बदलने का कार्य पूर्ण, 1200 उपभोक्ताओं को मिली राहत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के संचा/संधा संभाग वारासिवनी अंतर्गत भूमिगत रेलवे क्रॉसिंग की केबल खराब होने के कारण क्षेत्र के उपभोक्ताओं को लंबे समय से विद्युत आपूर्ति में बाधाओं का सामना करना पड़ रहा था। इस संबंध में लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। निरीक्षण के दौरान कुल 9 स्थानों पर केबल खराब पाई गई, जिससे उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ गई थी। उपभोक्ताओं की समस्या को गंभीरता से लेते हुए विभाग द्वारा कार्य योजना में प्रस्ताव स्वीकृत कराया गया तथा रेलवे से अनुमति प्राप्त करने के लिए नागपुर स्तर पर निरंतर पत्राचार और प्रयास किए गए। इस बीच 2 सितंबर 2025 को ग्राम बुदबुदा में आयोजित जनसुनवाई में भी ग्रामीणों द्वारा इस समस्या को प्रमुखता से उठाया गया। जिस पर कलेक्टर मृणाल मीना ने रेलवे नागपुर को भूमिगत केबल बदलने हेतु अनुमति प्रदान करने के लिए पत्र प्रेषित किया था। लगभग दो वर्षों तक निरंतर प्रयासों के बाद रेलवे की अनुमति मिलने पर 28 अप्रैल 2026 को भूमिगत रेलवे केबल बदलने का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया। इस कार्य के पूर्ण होने से क्षेत्र के लगभग 1200 उपभोक्ताओं को विद्युत आपूर्ति में राहत मिली है। कार्यपालन अभियंता वारासिवनी ने बताया कि संभाग में कुल 9 प्रस्तावित कार्यों में से 4 कार्य स्वीकृत हुए थे, जिनमें से 3 कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं तथा 1 कार्य प्रगति पर है, जिसे शीघ्र ही पूर्ण किया जाएगा। उन्होंने इस कार्य के सफल निष्पादन में कलेक्टर बालाघाट एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) वारासिवनी के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। वहीं, क्षेत्रीय उपभोक्ताओं ने भी विद्युत व्यवस्था में सुधार होने पर संतोष जताते हुए विभाग के प्रति आभार प्रकट किया।

बुद्ध पूर्णिमा पर 1 मई को सम्पूर्ण क्षेत्र में होगा गृहे गृहे गायत्री यज्ञ उपासना

पद्मेश न्यूज। लांजी। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी आगामी 1 मई 2026 दिन शुक्रवार को बुध्द-पूर्णिमा पर सम्पूर्ण विश्व में प्रात:काल से सायंकाल तक गृहे गृहे गायत्री यज्ञ उपासना सम्पन्न की जायेगी। अगर इस दिन आपको किसी कारणवश समय अथवा अवकाश न मिले तो आप 03 मई रविवार को सुबह से शाम तक इस आध्यात्मिक प्रयोग को सम्पन्न करेंगे। इस संबंध में गायत्री शक्तिपीठ के परिव्राजक विनोद तिड़के ने बताया कि उपरोक्त तारीख, दिन एवं समय पर आपको अपने घरों में परिवार के साथ बैठकर एक साथ एक स्वर में गायत्री महामंत्र की 24 आहुति और महामृत्युंजय मंत्र की 5 आहुति देकर स्वयं यज्ञ करना है। अपने यज्ञ की जानकारी शक्तिपीठ में आकर अवश्य दे। देव दक्षिणा में अपनी एक बुराई का त्याग करे एवं एक अच्छाई ग्रहण करे । हम सुधरेंगे - युग सुधरेंगा, हम बदलेंगे - युग बदलेंगा इस तथ्य पर हमारा पूर्ण विश्वास है। गायत्री परिवार ट्रस्ट, शक्तिपीठ लांजी द्वारा सभी भाई-बहनों को बुध्द पूर्णिमा की शुभकामनाएं देते हुए सभी हिन्दू भाई बहनों से अपने घरों में गायत्री यज्ञ करने की अपील की है।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु पात्रता परीक्षा अनिवार्य, वॉक-इन इंटरव्यू के आधार पर होगा चयन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश शासन के उच शिक्षा विभाग द्वारा स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश प्रक्रिया को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। जारी निर्देशों के अनुसार इस वर्ष उन विद्यार्थियों के लिए पात्रता परीक्षा आयोजित की जाएगी, जो 12वीं कक्षा के अपने मूल संकाय से अलग किसी अन्य संकाय या विषय में प्रवेश लेना चाहते हैं। यह पात्रता परीक्षा चलित साक्षात्कार (वॉक-इन इंटरव्यू) के रूप में आयोजित होगी। उदाहरण के तौर पर, यदि किसी छात्र ने 12वीं कक्षा कला संकाय से उत्तीर्ण की है और वह विज्ञान संकाय में प्रवेश लेना चाहता है, तो उसे इस परीक्षा में सफल होना अनिवार्य होगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार यह पात्रता परीक्षा 27 अप्रैल 2026 से 14 मई 2026 तक प्रतिदिन दोपहर 11 बजे से 2 बजे तक प्रदेश के अग्रणी महाविद्यालयों में आयोजित की जाएगी। बालाघाट जिले में यह परीक्षा प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित होगी। परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों को पात्रता प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा, जिसके आधार पर वे प्रदेश के किसी भी महाविद्यालय में ऑनलाइन प्रवेश के लिए आवेदन कर सकेंगे। विद्यार्थी अपनी सुविधा अनुसार किसी भी अग्रणी महाविद्यालय में आयोजित इस साक्षात्कार में शामिल हो सकते हैं। स्पष्ट किया गया है कि जो विद्यार्थी अपने 12वीं के मूल संकाय या विषय में ही प्रवेश लेना चाहते हैं, उन्हें इस पात्रता परीक्षा में शामिल होने की आवश्यकता नहीं होगी।

कलेक्टर- कमिश्नर कांफ्रेंस में मुख्य सचिव अनुराग जैन ने अफसरों से कहा

गेहूं खरीदी केंद्रों का औचक निरीक्षण करेंगे सीएम मोहन

दो-तीन दिनों के भीतर हेलिकॉप्टर से गांवों में पहुंचेंगे, लापरवाही पर लेंगे एक्शन

भोपाल। कलेक्टरों, पुलिस अधीक्षकों, कमिश्नरों, आईजी रैंक के अफसरों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव अगले दो तीन दिनों में प्रदेश के किसी भी जिले में खरीदी केंद्र का औचक निरीक्षण कर सकते हैं। मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर से औचक निरीक्षण के लिए पहुंचेंगे और खरीदी केंद्र की सुविधाओं की जानकारी लेने के साथ किसानों के साथ संवाद भी करेंगे कि सरकार द्वारा तय सुविधाओं का लाभ उन्हें मिल रहा है या नहीं मिल रहा है। इसके चलते सभी कलेक्टरों को आगाह किया गया है कि वे अपने जिले में खरीदी केंद्रों की व्यवस्था का मॉनिटरिंग करें ताकि किसी तरह की लापरवाही की स्थिति सामने न आए। मुख्यमंत्री यादव के हेलीकॉप्टर के औचक किसी भी जिले में उतरने की सूचना कलेक्टरों को किसी और ने नहीं बल्कि प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन ने दी है।

दरअसल किसानों से गेहूं खरीदी को लेकर मिल रही शिकायतों और किसानों के गुस्से की खबर को लेकर राज्य सरकार काफी सतर्क है। मुख्यमंत्री द्वारा खरीदी के लिए हफ्ते में छह दिन तय करने के साथ स्लाट बुकिंग का टाइम भी बढ़ाया जा चुका है। इसलिए सभी जिलों के कलेक्टरों से गेहूं खरीदी केंद्रों पर सभी सुविधाएं देने के साथ किसानों को उपज का सही मूल्य दिलाने और निरीक्षण करने को कहा गया है। यह जानकारी भी दी गई कि किसानों की सुविधा के लिए समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी एवं स्लॉट बुकिंग की अवधि बढ़ाकर 23 मई कर दी गई है। पहले यह 9 मई तक तय थी जिसे बढ़ाकर अब 23 मई कर दिया गया है।

स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति सुधारने कलेक्टर ब्लॉक लेवल मीटिंग करें

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कलेक्टरों से कहा है कि प्रदेश में स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति में सुधार की जरूरत है। यहां अपेक्षित सुविधाएं देने के लिए कलेक्टरों को स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण करना है और ब्लॉक लेवल पर इससे संबंधित बैठकें करके लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं दिलाने के लिए काम करना होगा। कलेक्टरों से उन्होंने कहा है कि फील्ड विजिट करें और स्वास्थ्य केंद्रों की रिपोर्ट लें ताकि ग्रामीण और शहरी मरीजों को स्वास्थ्य सेवा का लाभ मिलता रहे।

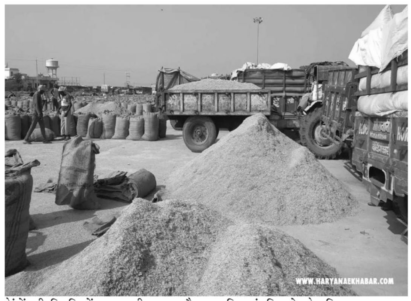

बालिका शौचालय बने पर पानी नहीं मिलने की शिकायत

मुख्य सचिव ने कलेक्टरों से यह भी कहा है कि गांवों में स्कूलों में बालिका शौचालय तो बन गए हैं पर कई जिलों से रिपोर्ट आई है कि शौचालयों में पानी और साफ सफाई का भारी अभाव है। इसलिए कलेक्टर स्कूल शिक्षा विभाग के अफसरों के साथ बैठक कर यहां साफ सफाई और पानी का इंतजाम कराएं। समय समय पर स्कूलों का निरीक्षण कर उसकी फिजिकल स्थिति खुद भी देखने का काम करें। मुख्य सचिव ने यह भी कहा कि अभी भीषण गर्मी का दौर है और गांवों में पानी की दिक्कत हो सकती है। पेयजल परिवहन अभी नहीं हो रहा है लेकिन ग्रामीण इलाकों की स्थिति की जानकारी लेते रहें और लोगों को पानी के संकट की सूचना पर सुविधा देने का काम कराएं।

हर दो महीने में अनिवार्य होगी कोर कमेटी की बैठक

– अगले महीने बूथ से लेकर मंडल स्तर तक भी होगा बैठकों का आयोजन

भोपाल । भाजपा की जिलास्तर पर बनाई गई कोर कमेटी की बैठक को अब दो महीने में एक बार करना अनिवार्य कर दिया गया है। यानी एक साल में कम से कम छह बैठकें होना अनिवार्य है। यह आदेश शीर्ष नेतृत्व द्वारा दिए गए हैं। अभी तक कोर कमेटी की बैठक स्थानीय नेताओं की सुविधाओं के आधार पर रख ली जाती थी, लेकिन नए आदेश के बाद अब जल्द ही कोर कमेटी की बैठक होने वाली है, वहीं संगठन को लेकर भी अगले महीने बूथ से लेकर मंडल तक की बैठकें लेने वरिष्ठ कार्यकर्ताओं और नेताओं को भेजा जाएगा।

प्रदेश भाजपा मुख्यालय में गत दिवस जिलों में प्रशिक्षण वर्ग लगाने को लेकर बैठक रखी गई थी। आगामी 1 मई से लेकर 31 मई के बीच जिलों के प्रशिक्षण वर्ग पूरे करना है। इन प्रशिक्षण वर्ग में अपेक्षित श्रेणी के पदाधिकारियों के साथ-साथ सांसद और विधायक भी मौजूद रहेंगे, लेकिन उन्हें उन्हीं नियमों का पालन करना होगा, जो नियम एक कार्यकता के लिए बनाए जाएंगे। जनप्रतिनिधियों को प्रशिक्षण स्थल पर दो दिन रुकना होगा और इस दौरान वे घर नहीं जा सकेंगे। इसके साथ ही मोबाइल का उपयोग भी नहीं कर सकेंगे। इस मामले में संगठन ने सख्ती से यह निर्णय लागू करने के लिए कहा है। अगर कोई इस नियम को नहीं मानता है तो सीधे प्रदेश संगठन को उसकी रिपोर्ट भेजी जाएगी। प्रशिक्षण वर्ग में कुल 11 सत्र होना है, जिसमें पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को पार्टी के संबंध में प्रशिक्षण दिया जाएगा। हालांकि यह एक नियमित प्रक्रिया है, लेकिन सभी को इसमें शामिल होना होता है। मंडल स्तर के वर्ग संपन्न हो चुके हैं। जिलों में आयोजित प्रशिक्षण वर्ग में उन वक्ताओं को भेजा जाएगा, जिन्हें पिछले दिनों प्रदेश के नेताओं ने ट्रेनिंग दी है और जिसका कार्यक्रम डेली कॉलेज में हुआ था। अब विस्तृत कार्यक्रम तैयार किया जा रहा है, जो एक-दो दिन में सभी जिलों को भेज दिया जाएगा। प्रशिक्षण के लिए रवि रावलिया को इंदौर शहर तो अजयसिंह नरूका को ग्रामीण क्षेत्र का प्रभारी बनाया गया है।

यह रहेगा बैठक का शेड्यूल

इसके साथ ही हर स्तर पर बैठकों का आयोजन भी किया जाना है। इन बैठकों में बूथ से लेकर मंडल स्तर तक पार्टी के कामों की समीक्षा होगी और इसमें वक्ता विभिन्न विषयों पर संबोधित करेंगे। प्रदेश स्तर पर जो टाइम टेबल तैयार किया गया है, उसके अनुसार 1 से 7 मई तक मंडल, 7 से 10 जिला स्तर, 11 से 15 प्रदेश मोर्चे, 21 से 24 बूथ स्तर और 25 से 30 मई के बीच शक्ति केन्द्रो की बैठकें होना है। इन बैठकों में वरिष्ठ नेताओं को प्रशिक्षण के लिए भेजा जाएगा। कुल 11 विषयों पर ये वक्ता संबोधित करेंगे। जैसे बूथ पर शक्ति केन्द्र तो शक्ति केन्द्र पर मंडल के नेताओं को संबोधित करने के लिए भेजा जाएगा।

सबसे नीचे की इकाई मजबूत करना मकसद

बैठक का मकसद पार्टी की नीचे तक की इकाई यानी बूथ स्तर को मजबूत करना है। बूथ के कार्यकर्ता को अपने क्षेत्र के संबंध में कितनी जानकारी है, इसको लेकर सवाल-जवाब किए जाएंगे। मंडल स्तर पर भी तैयारियां परखी जाएंगी, जिसकी रिपोर्ट बनाकर जिला संगठन और प्रदेश संगठन को भेजी जाना है।

शराब फैक्ट्रियों को कौड़ियों के भाव बेचा जाएगा गेहूं

– सरकारी और निजी गोदामों में रखा करोड़ों का गेहूं सड़ा

भोपाल (ईएमएस)। मप्र के सरकारी और निजी गोदामों में रखा करोड़ों का 11731 मीट्रिक टन गेहूं सड़ गया है। मप्र वेयर हाउसिंग एवं लॉजिस्टिक कॉर्पोरेशन, मप्र सिविल सप्लाई कॉर्पोरेशन, भारतीय खाद्य निगम और गोदाम संचालकों की मिलीभगत से 2020-21 से 2023-24 के बीच खरीदे गेहूं का उठाव ही नहीं हुआ। 2 से 6 साल पुराना गेहूं सड़ता रहा, जिम्मेदार सोते रहे। अब गेहूं नीलामी करने की तैयारी है। सवाल यह है कि जब गेहूं खाने योग्य नहीं है, तो नीलामी के बाद यह किस काम आएगा? क्या शराब-बियर बनाने वाली कंपनियों को कौड़ियों के भाव बेचने यह साजिश तो नहीं की गई? मप्र के गरीबों के निवाले पर भ्रष्टाचार की घुन लग गई। करीब 25 करोड़ का गेहूं गोदामों में ही रखा रखा सड़ गया। कहा जा रहा है कि सड़ा हुआ गेहूं शराब फैक्ट्रियों को कौड़ियों के भाव में देने के लिए जानबूझकर यह काम किया गया हालांकि सरकारी अधिकारी मामले की लीपापोती में जुट गए हैं। मप्र राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अधिकारियों का कहना है, जिन गोदामों में गेहूं खराब हुआ, उनके संचालकों का किराया रोक दिया है।

जमानत के बाद भी शिलॉन्ग में ही रहना होगा सोनम रघुवंशी को

-बिना अनुमति नहीं जा सकेंगी इंदौर -गिरफ्तारी प्रक्रिया में खामियों के चलते मिली राहत

शिलांग। मध्य प्रदेश के इंदौर नगर के चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड में बड़ा मोड़ सामने आया है। मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी को करीब 320 दिन बाद जमानत मिल गई है। हालांकि, अदालत ने स्पष्ट कर दिया है कि वह बिना अनुमति शिलांग नहीं छोड़ सकतीं और ट्रायल के दौरान वहीं रहना होगा।

मेघालय की राजधानी शिलांग की अदालत ने सोमवार को जमानत मंजूर की थी। इसके बाद मंगलवार को उनके पिता देवी सिंह शिलॉन्ग पहुंचे और जमानत की औपचारिकताएं पूरी कीं। मंगलवार शाम को ही सोनम जेल से रिहा भी हो गईं। रिहाई के बाद उन्होंने मीडिया के सवालों का कोई जवाब नहीं दिया और पिता के साथ वहां से चली गईं।

यहां बताते चलें कि यह मामला उस समय चर्चा में आया था जब राजा रघुवंशी की हनीमून के दौरान हत्या कर दी गई थी। इस मामले में सोनम मुख्य आरोपी के तौर पर गिरफ्तार हुई थीं। अदालत ने चौथी सुनवाई के बाद सोनम को राहत दी है। जमानत का सबसे बड़ा आधार गिरफ्तारी प्रक्रिया में पाई गई खामियां रहीं। बचाव पक्ष ने दलील दी कि 7 जून 2025 को गाजिपुर में गिरफ्तारी के समय आरोपों की स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई थी।

अदालत ने जांच के दस्तावेजों में गंभीर त्रुटियां पाईं और कहा कि यह प्रक्रिया कानून के अनुरूप नहीं थी। कोर्ट ने आर्टिकल 22(1) ऑफ द कॉन्सटिट्यूशन ऑफ इंडिया का हवाला देते हुए कहा कि किसी भी गिरफ्तार व्यक्ति को तुरंत गिरफ्तारी के कारण बताना अनिवार्य है। ऐसा न करना मौलिक अधिकारों का उल्लंघन माना जाएगा। इसी आधार पर अदालत ने सोनम को जमानत दी, लेकिन सख्त शर्तें भी लगाईं। उन्हें ट्रायल के दौरान शिलॉन्ग में ही रहना होगा और बिना अदालत की अनुमति शहर छोड़ने की इजाजत नहीं होगी। इस फैसले के बाद मामला एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। अब आगे की सुनवाई और ट्रायल की प्रक्रिया पर सभी की नजरें टिकी हैं।

हिदायत/ईएमएस 29अप्रैल26

4 मई को किसानों का भोपाल में प्रदर्शन...16 सूत्रीय मांगों को लेकर विरोध

भोपाल। राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के बैनर तले प्रदेश के किसान अपनी ज्वलंत समस्याओं को लेकर 4 मई को भोपाल कूच करेंगे। किसान पदाधिकारी का कहना है कि सरकार के कई नियम व्यावहारिक नहीं हैं, जिसमें नरवाई जलाने का सैटेलाइट सर्वे तत्काल बंद किया जाना चाहिए। गेहूं सहित सभी फसलों को समर्थन मूल्य से नीचे मंडियों में नीलामी की बोली तत्काल प्रभाव से बंद की जानी चाहिए। महासंघ के प्रदेश महामंत्री घनश्याम पटेल व राष्ट्रीय युवा उपाध्यक्ष त्रिलोक गोठी ने बताया कि 4 मई को मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपकर समाधान की मांग की जाएगी। मांगें पूरी न होने पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू होगा।

प्रमुख 16 सूत्रीय मांगें

– उपार्जन सुधार- गेहूं खरीदी में स्लॉट बुकिंग विसंगतियां दूर हों। केंद्रों पर रोजाना 2000 क्विंटल तौल व फ्लेट कांटे का उपयोग हो।

– नरवाई प्रकरण- सैटेलाइट सर्वे से दर्ज नरवाई जलाने के केस वापस हों और नियमों में ढील मिले।

– ब्याज राहत- सहकारी बैंकों के शून्य प्रतिशत ब्याज की तिथि गेहूं उपार्जन के एक सप्ताह बाद तक बढ़े।

-आपदा मुआवजा- आगजनी व प्राकृतिक आपदा पीड़ितों को शीघ्र राहत व 100 प्रति. बीमा लाभ मिले।

– केन-बेतवा-परियोजना प्रभावित आदिवासियों की मांगें पूरी हों और उन पर सख्ती बंद हो।

– मंडी नियम- मंडियों में एमएसपी से कम खरीदी न हो। मंडी अधिनियम की धारा 36 व 37 का सख्ती से पालन हो।

– स्वामीनाथन फार्मूला- सभी उपजों का मूल्य लागत के आधार पर सी 2+ 50फीसदी फॉर्मूले से तय हो।

– खलघाट वादे- 1 दिसंबर 2025 के आंदोलन में सरकार द्वारा किए गए वादों की तत्काल पूर्ति हो।

– मूंग खरीदी- मूंग की फसल तैयार है, अत ़समय रहते सरकारी खरीदी की व्यवस्था हो।

– खाद कोटा- प्रति हेक्टेयर खाद की मात्रा बढ़ाकर 1.50 क्विंटल डीएपी व 2.50 क्विंटल यूरिया की जाए।

– पूर्ण कर्जमुक्ति- प्रदेश के समस्त किसानों को पूर्ण रूप से कर्ज मुक्त किया जाए।

– दूध का दाम- दूध के दाम 10 रुपए प्रति फैट हो व 5 रुपए प्रति लीटर प्रोत्साहन राशि तुरंत मिले।

– राजस्व सुधार- जमीन बंदोबस्त की त्रुटियों को सामूहिक स्तर पर शासकीय व्यय पर सुधारा जाए।

– अधिग्रहण मुआवजा- टावर लाइन, पाइप लाइन या रोड हेतु कृषि भूमि अधिग्रहण पर बाजार भाव से 10 गुना मुआवजा मिले।

छिंदवाड़ा में लगेगा न्यूक्लियर पॉवर प्लांट प्लान

कमलनाथ की अडानी से मंत्रणा, सरकार की मुहर बाकी

भोपाल। देश के सबसे बड़े औद्योगिक समूह अडानी ग्रुप छिंदवाड़ा में न्यूक्लियर पॉवर प्लांट लगाने की तैयारी कर रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने अडानी ग्रुप के मालिक गौतम अडानी से इस बारे में गहन मंथन किया है। न्यूक्लियर पॉवर प्लांट छिंदवाड़ा के चौसरा गांव के पास 750 एकड़ में बनना है। छिंदवाड़ा के चौसरा गांव में करीब 16 साल पहले अडानी ग्रुप को थर्मल पॉवर प्लांट बनाने के लिए सरकार ने 750 एकड़ जमीन ट्रांसफर की थी। इसका नाम पेच थर्मल एनर्जी रखा गया था। कंपनी ने अपना ऑफिस भी बनाया, जमीन कवर्ड की लेकिन प्लांट का काम शुरू नहीं हो पाया। अब इसी जमीन पर थर्मल पॉवर प्लांट की जगह न्यूक्लियर थर्मल पॉवर प्लांट प्रस्तावित किया गया है। छिंदवाड़ा में न्यूक्लियर पॉवर प्लांट का प्रस्ताव मंत्री परिषद में रखा गया है।

पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ ने जिला कांग्रेस कमेटी के हवाले से प्रेस नोट जारी कर कहा है कि छिंदवाड़ा के समग्र विकास के लिए हमारा संकल्प दृढ़ है। वर्षों से जो भूमि अनुपयोगी पड़ी है, उसे अब विकास की मुख्य धारा से जोड़ने का समय आ गया है। इसी उद्देश्य से छिंदवाड़ा में प्रस्तावित न्यूक्लियर पॉवर प्रोजेक्ट को लेकर हमने गंभीरता से पहल की है। कमलनाथ ने कहा कि इस संदर्भ में गौतम अडानी से सकारात्मक चर्चा हुई है, ताकि क्षेत्र में निवेश और रोजगार के नए अवसर सृजित किए जा सकें। मेरा हमेशा से प्रयास रहा है कि छिंदवाड़ा को विकास के मॉडल के रूप में स्थापित किया जाए। यह परियोजना उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो क्षेत्र के भविष्य को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी।

थर्मल पॉवर प्लांट की जगह न्यूक्लियर पॉवर प्लांट

अडानी ग्रुप को छिंदवाड़ा के चौसरा गांव के आसपास 299.614 हेक्टेयर यानि करीब 750 एकड़ जमीन सरकार ने दी थी। अडानी ग्रुप ने 39.6 0 करोड़ रुपए की कमिटमेंट गारंटी भी मध्य प्रदेश पॉवर मैनेजमेंट कंपनी में जमा कर दी। लेकिन किन्हीं कारणों से प्रोजेक्ट अब तक शुरू नहीं हो पाया। अब अडानी पॉवर लिमिटेड ने इस थर्मल पावर प्लांट की जगह न्यूक्लियर पावर प्लांट लगाने का प्रस्ताव मध्य प्रदेश सरकार के सामने रखा है। इस प्रस्ताव को कैबिनेट से मंजूरी मिलनी का इंतजार है। न्यूक्लियर पॉवर प्लांट प्लान से स्थानीय युवाओं को बड़े स्तर पर पर रोजगार मिलेगा। क्षेत्र में उद्योग एवं व्यापार को नई गति मिलेगी। आधारभूत जरूरतें सडक़, बिजली और जल व्यवस्था मजबूत होगी। शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं में विस्तार होगा और सालों से बंजर पड़ी भूमि का सही उपयोग होगा।

किसानों ने किया था विरोध, कोर्ट ने भी मांगा था जवाब

जमीन अधिग्रहण को लेकर कई बार पीड़ित किसानों और उनके परिवारों ने विरोध भी किया है। साल 2021 और 2023 में किसानों ने अधिग्रहण हुई जमीन पर कब्जा कर फसल लगा दी थी। हालांकि बाद में प्रशासन की मदद से फसल पर बुलडोजर चलाया गया। किसानों का आरोप है कि कंपनी ने जब जमीन का अधिग्रहण किया था तो उनसे वादा किया था कि जल्द यहां पर पॉवर प्लांट लगाया जाएगा। जिन किसानों की जमीन पॉवर प्लांट के लिए अधिग्रहण की गई है, उनके परिवार से एक व्यक्ति को नौकरी दी जाएगी। लेकिन ना तो जमीन पर काम शुरू हुआ और ना ही किसी को नौकरी मिली। हमारी जमीन वापस की जाए। वहीं, 2022 में मध्य प्रदेश हाई कोर्ट नेपॉवर प्लांट का काम शुरू नहीं होने पर अडानी ग्रुप से जवाब मांगा था। छिंदवाड़ा के चौसरा गांव के पास पेंच नदी के पानी से थर्मल पॉवर प्लांट बनाने के लिए 1986-1988 के दौरान मध्य प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड ने जमीन अधिग्रहित की थी। 1320 मेगावाट के इस प्लांट के लिए चौरई तहसील के चौसरा, हिवरखेड़ी, धनोरा, थांवरीटेका, डागावानी पिपरिया गांवों की जमीन ली गई थी।

428 तहसीलों के बदल जाएंगे नक्शे, बनेंगे ग्राउंड कंट्रोल प्वाइंट

भोपाल। मध्यप्रदेश में भू-स्थानिक डेटा को अधिक सटीक और आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है। भारतीय सर्वेक्षण विभाग (सर्वे ऑफ इंडिया) प्रदेश की सभी तहसीलों में नए सिरे से ग्राउंड कंट्रोल प्वाइंट (जीसीपी) स्थापित करेगा। जिससे नक्शे और अधिक सटीक और ज्यादा डिटेलिंग वाले होंगे। इसके लिए सर्वे ऑफ इंडिया की टीम हर जिले में पहुंचकर काम करेगी।

राष्ट्रीय भू- स्थानिक नीति 2022 और सर्वे ऑफ इंडिया के नवीन दिशा-निर्देशों के तहत भू-स्थानिक डेटा की गुणवत्ता सुधारने के लिए यह पहल की जा रही है। अब चांदा पत्थर के स्थान पर ग्राउंड कंट्रोल प्वाइंट स्थापित किए जाएंगे। ये ऐसे स्थायी बिंदु होते हैं जिनकी सटीक लोकेशन जीपीएस के माध्यम से निर्धारित की जाती है।

जहां जीसीपी, वहां होगा घनीकरण

प्रदेश में कई स्थानों पर पहले से जीसीपी स्थापित है, लेकिन अब इन स्थानों पर भी जीसीपी का पुन ़घनीकरण किया जाएगा। इसके तहत 3×3 मीटर क्षेत्र में विशेष मानक के अनुसार संरचना तैयार की जाएगी। इन बिंदुओं पर आइसोलेटेड फुटिंगयुक्त पीसीसी पिलर भी खड़े किए जाएंगे ताकि वे लंबे समय तक सुरक्षित रह सकें।

अब ज्यादा बड़े बनेंगे नक्शे

अभी तक सामान्य तौर पर एक अनुपात 4000 स्केल पर न?क्शे बनते हैं। जिसमें कम डिटेल आ पाता है। लिहाजा अब नक्शों? के निर्माण के लिए 1़2000 स्केल पर बड़े पैमाने पर मानचित्र तैयार किए जाएंगे। जो पहले की तुलना में अधिक विस्तृत और सटीक होंगे। इसके अलावा, भूगोलिक नामों (टोपोनॉमी) का भी सत्यापन किया जाएगा। टीम तहसीलों में जाकर गांवों के नामों की सही वर्तनी और उच्चारण का मिलान राजस्व अभिलेखों से करेगी, ताकि एक समान और प्रमाणिक डेटाबेस तैयार हो सके।

समृद्ध किसान ही विकसित भारत 2047 की नींव -मुख्यमंत्री

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के स्पष्ट विजन 'सच्चा वादा और पक्का काम' के अनुरूप प्रदेश सरकार किसानों से किए गए हर संकल्प को धरातल पर उतार रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्पष्ट कहा है कि 'मध्यप्रदेश का समृद्ध किसान ही विकसित भारत 2047 के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। सच्चा वादा और पक्का काम, यही हमारी सरकार का संकल्प है। हमने किसानों से जो वादा किया, वह पूरा करके भी दिखाया है।' किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव की इस मंशा को विभाग हर योजना में आत्मसात कर रहा है।

न्यूनतम समर्थन मूल्य और बोनस से किसानों को सीधा लाभ

किसानों से किए वादों को पूरा करने की दिशा में सरकार ने एमएसपी पर रिकॉर्ड खरीदी की है। वर्ष 2025-26 में केंद्र सरकार द्वारा गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित था। राज्य सरकार ने उस पर 175 रुपये प्रति क्विंटल का बोनस दिया, इस प्रकार 2600 रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदी की गई थी। रबी विपणन वर्ष 2026-27 के लिए केंद्र सरकार द्वारा गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। इसके अतिरिक्त राज्य सरकार द्वारा 40 रुपये प्रति क्विंटल का बोनस अलग से दिया जा रहा है। इस प्रकार इस वर्ष प्रदेश में किसानों से गेहूं की खरीदी कुल 2625 रुपये प्रति क्विंटल की दर से की जा रही है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 25 रुपये अधिक है। उपार्जन केंद्रों की संख्या बढ़ाई गई है और किसानों के खातों में सीधे भुगतान की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

धान उत्पादक किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए मुख्यमंत्री कृषक प्रोन्नति योजना शुरू की गई है। इसके तहत धान की खेती करने वाले किसानों को प्रति हेक्टेयर 4000 रुपये की आर्थिक सहायता सीधे बैंक खाते में दी जाती है।

यंत्रीकरण और वैज्ञानिक खेती से बढ़ रही किसानों की आय ़कृषि मंत्री श्री कंषाना

कृषि मंत्री श्री कंषाना ने कहा कि कृषि उत्पादन की लागत घटाने और उत्पादन बढ़ाने के लिए कृषि यंत्रीकरण को विशेष बढ़ावा दिया जा रहा है। ई-कृषि यंत्र अनुदान योजना के तहत सुपर सीडर, रोटावेटर, कल्टीवेटर, बीज-उर्वरक ड्रिल आदि कृषि यंत्रों पर 40 से 50 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है। प्रदेश के 2,500 कस्टम हायरिंग सेंटर से किसान किराए पर मशीनें ले रहे हैं। साथ ही बेहतर फसल उत्पादन एवं मृदा स्वास्थ्य के लिए एवं संतुलित पौध पोषण के लिए विभाग नि:शुल्क मिट्टी परीक्षण कर रहा है। मिट्टी परीक्षण से नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश, सल्फर व सूक्ष्म पोषक तत्वों की जानकारी मिलती है, जिससे किसान संतुलित मात्रा में उर्वरक डालकर लागत घटा सकते हैं। जायद सीजन के लिए पर्याप्त मात्रा में प्रमाणित बीज भंडारित किए गए हैं और मूंग-उड़द बीज पर 50 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है। रायजोबियम कल्चर सभी विकासखंडों में नि:शुल्क उपलब्ध है।

किसानों को 10 घंटे गुणवत्तापूर्ण बिजली और 'पर ड्रॉप-मोर क्रॉप' योजना में ड्रिप-स्प्रिंकलर पर 55 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है। पात्र किसानों को सोलर पंप 90 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जायद फसलों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में शामिल किया गया है और नुकसान होने पर 72 घंटे में सर्वे की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। मक्का, बाजरा, सोयाबीन की उन्नत किस्मों को बढ़ावा दिया जा रहा है। मक्का की एच.एम.-10, एच.क्यू.पी.एम.-1 जैसी 50 से 70 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उत्पादन क्षमता वाली किस्में किसानों को उपलब्ध कराई जा रही हैं।

मंत्री श्री कंषाना ने कहा कि जायद सीजन में मूंग, उड़द, मक्का, सूरजमुखी जैसी फसलों को बढ़ावा देकर किसान 60 से 70 दिन में अतिरिक्त आय ले सकते हैं। दलहनी फसलें मिट्टी की उर्वरता भी बढ़ा रही हैं। विभाग द्वारा 'कृषि चौपाल' व 'किसान पाठशाला' के माध्यम से हर गांव तक तकनीकी मार्गदर्शन पहुंचाया जा रहा है।

छह महीने का प्रस्ताव एमआईसी से 20 साल की मंजूरी

भोपाल । राजधानी के स्लॉटर हाउस से निकले ट्रक से पिछले साल पकड़े गए 24 टन गोमांस के मामले में कांग्रेस ने बड़ा खुलासा किया है। कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता और पूर्व पार्षद अमित शर्मा ने इस मामले में नगर निगम परिषद को घेरा है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में अमित शर्मा ने भोपाल नगर निगम के मेयर इन काउंसिल द्वारा छह महीने का प्रस्ताव लाकर 20 साल की अनुमति देने के दस्तावेज दिखाए। शर्मा ने स्लॉटर हाउस की मंजूरी पर दस्तखत करने वाले एमआईसी मेंबर्स के साथ महापौर पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की। अमित शर्मा ने कहा कि पूरी जांच को असलम चमड़े के नाम पर मढ़ दिया गया। असलम चमड़ा तो एक मोहरा था। उस असलम की जमानत भी सरकार ने कराई भोपाल पुलिस ने मदद की तो वह आज जेल से बाहर है, लेकिन असलम चमड़े की आड़ में जो खेल खेला गया उसे समझने की जरूरत है। अमित शर्मा ने कहा कि भोपाल की महापौर और एमआईसी सदस्यों द्वारा 6 महीने के लिए प्रस्ताव लाया जाता है, लेकिन प्रस्ताव का अनुमोदन 20 वर्ष के लिए किया जाता है। एमआईसी के जिन सदस्यों ने अनुमति जारी की क्या इन्हें आरोपी नहीं बनना चाहिए? एमआईसी के जिन सदस्यों ने हस्ताक्षर किए और स्लॉटर हाउस खोलने की अनुमति दी गई। वहां गौमाता काटी गई। 26 टन मांस वहां मिला। ये सारे दस्तावेज कहते हैं कि जिन अधिकारियों के हस्ताक्षर हैं और जिन-जिन के अनुमति पर दस्तखत हैं जिन्होंने अनुमति दिलाई उन सब पर एफआईआर दर्ज होनी चाहिए। उसके बाद जांच होनी चाहिए। प्रस्ताव छह महीने के लिए लाया गया था और जनता को गुमराह किया गया, लेकिन अंदर फाइल में सबके साइन करके एमआईसी ने साइन करके स्वीकृति दी। जिससे गौमाता की हत्या की गई है। ऐसे अधिकारियों और जिन लोगों ने अनुमति प्रस्ताव पर दस्तखत किए उन पर एफआईआर दर्ज होनी चाहिए। कांग्रेस प्रवक्ता अमित शर्मा ने कहा कि केस कमजोर बनाया गया था। असलम चमड़ा और उसके ड्राइवर की आड़ में महापौर और एमआईसी सदस्यों को छोड़ा जा रहा है।

आईपीएल में आज होगा आरसीबी और गुजरात का मुकाबला

अहमदाबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गुरुवार को गुजरात टाइटंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच मुकाबला होगा। गुजरात टाइटंस घरेलू मैदान पर लीग के इस मुकाबले में जीत दर्ज करने का प्रयास करेंगी हालांकि ये उसके लिए बेहद कठिन होगा। इस सत्र में टाइटंस का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है ओर उसके प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं भी बेहद कमजोर हैं। गुजरात की टीम अंक तालिका में 8 अंक लेकर पांचवे नंबर पर है। वहीं दूसरी ओर आरसीबी 12 अंक लेकर अंक तालिका में दूसरे नंबर पर है और जीत की प्रबल दावेदार है। रजत पाटीदार की कप्तानी में उतरी आरसीबी के पास विराट कोहली जैसे अनुभवी बल्लेबाज भी हैं जिससे टीम की बल्लेबाजी ताकत का अंदाज होता है। वहीं गुजरात की कमान शुभमन गिल के पास है। टीम में शुभमन के अलावा साई सुदर्शन जैसे अच्छे बल्लेबाज हैं पर टीम के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है।

गेंदबाजी की बात करें तो आरसीबी के पास भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड और क्रुणाल पांड्या जैसे गेंदबाज हैं जबकि गुजरात के पास कासिगो रबाडा, मोहम्मद सिराज और राशिद खान जैसे खिलाड़ी हैं। इस प्रकार देखा जाये तो गेंदबाजी मे दोनो ही टीमें तकरीबन बराबरी पर हैं। वहीं आंकड़ों पर पर नजर डालें तो अब तक दोनो ही टीमों के बीच कुल 7 मुकाबले हुए हैं। इसमें से आरसीबी ने 4 जबकि गुजरात ने 3 जीते हैं

गुजरात टाइटंस -साई सुदर्शन, शुभमन गिल (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शाहरुख खान, जेसन होल्डर, राशिद खान, अरशद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, मानव सुथार। इम्पैक्ट प्लेयर- राहुल तेवतिया।

आरसीबी - रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, जैकब बेथेल, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, क्रुणाल पांड्या,

भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, सलाम। सुयश शर्मा। इम्पैक्ट प्लेयर- रसिख

आईपीएल में इस बार साल 2024 के 14 शतकों का रिकार्ड टूटने की संभावना

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इस बार जिस प्रकार से खिलाड़ी आक्रामक अंदाज में रन बना रहे हैं। उससे लगता है कि इस बार सबसे अधिक शतकों का नया रिकार्ड बन सकता है। इसका कारण ये है कि आईपीएल में अभी आधे मुकाबले ही हुए हैं और आठ शतक लग गये हैं जबकि इससे पहले साल 2024 में 14 शतक लगे थे। वहीं इस बार बल्लेबाज काफी आक्रामक अंदाज में हैं और बड़े स्कोर बनते जा रहे हैं। जिससे तय है कि पिछले सारे रिकार्ड टूट सकते हैं। वहीं साल 2023 सत्र में 12 शतक लगे थे। तब विराट कोहली, ऋतुराज गायकवाड़, ट्रेविस हेड, साई सुदर्शन, सुनील नरेन, यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, रोहित शर्मा, मार्क्स स्टॉयनिस, सूर्यकुमार यादव, जॉनी बेयरेस्टो और विल जैक्स ने एक-एक शतक लगाया था जबकि जोस बटलर ने दो शतक लगाये थे1

वहीं इस बार आईपीएल में

अब तक लगे हैं 8 शतक

40 मैचों में ही 8 शतक लग गये हैं। अब 2024 के 14 शतकों का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए केवल 7 शतकों की और जरुरत है। इस सीज़न में शतक

लगाने वाले बल्लेबाजों में चेन्नई सुपर किंग्स के संजू सैमसन ने 2 शतक लगाये हैं वहीं अन्य सभी बल्लेबाजों मुंबई इंडियंस के तिलक वर्मा , राजस्थान रॉयल्स के युवा वैभव सूर्यवंशी, सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा, मुंबई इंडियंस के क्विंटन डिकॉक , दिल्ली कैपिटल्स के केएल राहुल और गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन सभी ने एक-एक शतक लगाये हैं। इस सत्र का सबसे तेज़ और सबसे रोमांचक शतक वैभव सूर्यवंशी के नाम रहा, जिन्होंने केवल 36 गेंदों में अपना शतक पूरा कर लिया। वहीं आईपीएल 2024 में क्रिस गेल ने 30 गेंदों में ही शतक लगा दिया था। मौजूदा सत्र में अभी फाइनल तक 35 मैच और खेले जाने बाकी हैं। ऐसे में देखना होगा कि इन बचे हुए मुकाबलों में कौन-कौन से बल्लेबाज शतक लगाते हैं और क्या आईपीएल 2024 में लगे सर्वाधिक शतकों का रिकॉर्ड टूट पाता है या नहीं।

आईपीएल अंक तालिका में शीर्ष पर बरकरार पंजाब किंग्स

मुम्बई। पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) टीम को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा है। पंजाब की ये इस सत्र की पहली हार है हालांकि इसके बाद भी टीम अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर बनी हुई है। पंजाब किंग्स के 8 मैचों के बाद कुल 13 अंक हैं, उसने 6 मुकाबले जीत एक हार और एक बारिश के कारण पूरा नहीं हुआ। पंजाब ने इससे पहले जीते थे और एक मैच उनका बेनतीजा रहा था। वहीं दूसरे स्थान पर रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के 8 मैचों के बाद 12 अंक हैं। आरसीबी ने 6 मैच जीते हैं। तीसरे स्थान पर रही राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के भी इतने ही अंक हैं। रायल्स ने 9 मैचों में छह जीते हैं जबकि वह तीन मैचों में हारी है पर वह रन रेट में आरसीबी से पीछे है। चौथे पायदान पर सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) है। उसने 8 में से 5 मैचों में जीत हासिल की है और उसके 10 अंक हैं।

गुजरात टाइटंस (जीटी) पांचवे नंबर पर है। उसने 8 में से चार मैचों में जीत हासिल की है और उसने 8 अंक हैं। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने 8 में से 3 मुकाबले जीते हैं और पांच मुकाबले वह हारी है। इससे वह छठे स्थान पर है। वहीं दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) 8 में से पांच मैच हारने और 3 मैच जीतने के साथ ही सातवें स्थान पर है। आठवें स्थान पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने 8 में से केवल 2 मैच जीते हैं जबकि एक मैच का परिणाम नहीं निकला। पांच मैच वह हारी है। केकेआर के दो जीत और एक मैच का परिणाम नहीं आने के कारण 5 अंक हैं।

वहीं मुम्बई इंडियंस (एमआई) 7 मैचों में से दो मैच ही टीम जीती है और 4 अंकों के साथ नौवें स्थान पर है। अंतिम स्थान पर रही लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) 8 में से 6 मैच हारने के साथ ही दो मुकाबलों जीती है।

अंक तालिका

क्र.	टीम	मैच	जीत	हार	बेनतीजा	नेट रन रेट	अंक
1	पीबीकेएस	8	6	1	1	1.043	13
2	आरसीबी	8	6	2	0	1.919	12
3	आरआर	9	6	3	0	0.617	12
4	एसआरएच	8	5	3	0	0.815	10
5	जीटी	8	4	4	0	-0.475	8
6	सीएसके	8	3	5	0	-0.121	6
7	डीसी	8	3	5	0	-1.060	6
8	केकेआर	8	2	5	1	-0.751	5
9	एमआई	7	2	5	0	-0.736	4
10	एलएसजी	8	2	6	0	-1.106	4

बाबर ने डु प्लेसिस का रिकार्ड तोड़ा, टी20 कप्तान के तौर पर सबसे अधिक शतक लगाने वाले खिलाड़ी बने

लाहौर। पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम ने पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए शतक लगाने के साथ ही एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। इस शतक के साथ ही आजम टी20 क्रिकेट में कप्तान के तौर पर सबसे अधिक नौ शतक लगाने वाले विश्व के पहले खिलाड़ी बन गए है। आजम ने पीएसएल क्वालिफायर में पेशावर जाल्मी की कप्तानी करते हुए इस्लामाबाद यूनाइटेड के खिलाफ 59 गेंद में 12 चौक और चार छक्के लगार 103 रन बनाये। इस शतक के साथ ही आजम ने डु प्लेसिस को पीछे छोड़ दिया। डु प्लेसिस के नाम टी20 कप्तान के तौर पर आठ शतक हैं। डु प्लेसिस ने अपने शतक 216 मैचों में बनाये थे जबकि बाबर ने केवल 154 मैचों में ही इस रिकार्ड को तोड़ दिया। आजम ने इस प्रकार दस मैचों में 84 की औसत और 146.26 के स्ट्राइक रेट से 588 रन बनाकर साबित किया है कि अभी उनकी बल्लेबाजी की चमक गयी नहीं हैं। इससे उनकी पाक टीम में वापसी की उम्मीदें बन रही हैं। पीएसएल में इस सत्र में ही बाबर ने अब तक चार शतक लगाये हैं।

इससे पहले उन्होंने साल 2022 और 2023 में एक-एक शतक लगाया था। इसके साथ ही उन्होंने लीग इतिहास में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में उस्मान खान के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। उस्मान ने 35 मैचों में ये रन बनाये पर बाबर को इसके लिए 110 मैच खेलने पड़े। बाबर ने अपने प्रदर्शन पर उत्साहित होते हुए कहा, 卐मुझे लगने लगा है कि मैं फिर से अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में लौट रहा हूं। मेरा लक्ष्य अपने कौशल पर भरोसा करने के साथ ही हालातों को सामान्य रखना है। अब मेरे लिए पहले की तरह के हालात बन रहे हैं। जिससे में अपनी निरंतरता पा रहा हूं।卐

रुतुराज के नाम है एक ओवर में सात छक्के का रिकार्ड

मुम्बई । भारत के स्टार बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ के नाम एक एक ऐसा रिकार्ड है जो किसी के नाम नहीं है। घरेलू क्रिकेट में उनके नाम एक ही ओवर में सात छक्के का एक रिकार्ड है जो कि काफी हैरानी भरा भी है क्योंकि एक ओवर में 6 छक्के लगाना ही अपने आप में एक बहुत बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। ये रिकार्ड युवराज सिंह, हर्शल गिब्स और कीरोन पोलार्ड जैसे दिग्गजों के नाम है। वहीं किसी एक ओवर में सात छक्के लगने की बात काफी असंभव सी नजर आती है। रुतुराज ने ये उपब्धि विजय हजारे ट्रॉफी 2022 के क्वार्टर फाइनल मैच के दौरान हासिल की थी। उत्तर प्रदेश के साथ मुकाबले में वह महाराष्ट्र की ओर से बल्लेबाजी कर रहे थे। तब गायकवाड़ ने 49वां ओवर फेंकने आए उत्तर प्रदेश के बाएं हाथ के स्पिनर शिवा सिंह के ओवर की पहली चार गेंदों पर छक्के लगाये। वहीं पांचवी गेंद नो बाल रही जिसपर भी उन्होंने छक्का जड़ दिया। वहीं अगली दो गेंदों पर भी उन्होंने छक्के लगा दिये। इस तरह रुतुराज ने एक ही ओवर में कुल 7 छक्के जड़ दिए और उस ओवर से 43 रन बनाये जो एक नया रिकार्ड है। उस मैच में रुतुराज ने दोहरा शतक लगाया और 59 गेंदों पर नाबाद 220 रन बनाए थे। इस प्रकार रुतुराज ने दिखा दिया कि वह संयम से बल्लेबाजी करने के अलावा आक्रामक खेल भी दिखा सकते हैं।

इलेक्ट्रानिक सिगरेट का सेवन करते दिखे रियान पराग

मुल्लांपुर। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में विवादों में आ गये हैं। पराग को टीम ड्रेसिंग रूम में इलेक्ट्रानिक सिगरेट (वेप) का सेवन करते हुए देखा गया। इसका विडियो भी सामने आया है जिसके बाद पराग की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। ये मामला दूसरी री के 16वें ओवर का है। इस मामले में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) पराग को सजा भी दे सकती है। बोर्ड नियमों के अनुसार ये नियमों का उल्लंघन है। वैप सेवन आईपीएल के खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए बने आचार संहिता के नियम का उल्लंघन हैं। इसके लिए मैच रेफरी उन्हें आधिकारिक चेतावनी दे सकते हैं, इसके साथ ही मैच फीस का कुछ हिस्सा काट सकते हैं, इसके अलावा उन्हें निलंबित भी किया जा सकता है। यह मामला रॉयल्स की जीत के बाद सामने आया। रॉयल्स ने इस मैच में पंजाब को अंतिम ओवर में छह विकेट से हराया। पराग ने 16 गेंद में 29 रन बनाए।

यशस्वी रॉयल्स की ओर से सबसे अधिक अर्धशतक लगाने वाले दूसरे खिलाड़ी बने

न्यू चंडीगढ़ । राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के सलामी बल्लेबाज यशस्वी आईपीएल में सबसे अधिक अर्धशतक लगाने वाले खिलाड़ियों में शामिल हो गये हैं। पंजाब किंग्स के खिलाफ यहां हुए मुकाबले में यशस्वी ने 51 रन बनाते ही ये उपलब्धि अपने नाम की। अब उनके नाम 20 अर्धशतक हो गये हैं और वह रॉयल्स की ओर से सबसे अधिक अर्धशतक लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं पहले नंबर पर संयुक्त रुप से जोस बटलर और संजू सैमसन हैं। दोनो ने ही 25-25 अर्धशतक लगाये हैं। बटलर ने ये अर्घशतक 82 पारियों जबकि सैमसन ने 144 पारियों में लगाये हैं। वहीं तीसरे नंबर पर अजिंक्य रहाणे हैं। रहाणे ने 93 पारियों में 19 अर्धशतक लगाए हैं जबकि शेन वॉटसन ने 76 पारियों में 16 अर्धशतक लगाये हैं। इस मुकाबले में पंजाब किंग्स ने निर्धारित 20 ओवरों में 4 विकेट खोकर 222 रन बनाए। मार्कस स्टोइनिस ने 22 गेंदों में तेजी से 62 रन बनाकर टीम को एक अच्छे स्कोर तक पहुंचाया।

वैभव ने खेला धोनी का हेलीकॉप्टर शॉट, सोशल मीडिया पर वायरल हुआ

नई दिल्ली । राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेल रहे 15 साल के वैभव सूर्यवंशी अपने आक्रामक अंदाज के कारण छाये रहते हैं। वैभव ने अब पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में 16 गेंदों में ही 43 रन बना दिये। वैभव ने अपनी इस पारी में 5 छक्के और तीन चौके लगाये। इस दौरान उन्होंने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी का हेलीकॉप्टर शॉट भी खेला जो सोशल मीडिया में छाया रहा। वैभव ने ये शॉट पंजाब के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की गेंद पर लगाया। उनके इस शॉट का वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है।

वैभव ने इस मैच में एक नहीं, बल्कि दो बार शानदार हेलीकॉप्टर शॉट लगाये पर अर्शदीप की गेंद पर खेला गया उनका शॉट छाया रहा। पारी के दूसरे ओवर की चौथी गेंद पर कीवी गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन ने उनकी ओर एक फुल लेंथ गेंद फेंकी जिसपर वैभव ने जबरदस्त शॉट लगाया।

43 रन की पारी खेलकर वैभव एक बार फिर ऑरेंज कैप की दौड़ में नंबर एक स्थान पर पहुंच गये हैं। 9 मुकाबलों में 400 रन हो गए हैं। इस प्रकार वह सत्र में 400 रन तक पहुंचने वाले वैभव पहले बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं दूसरे नंबर पर 8 मैचों में 380 रन बनाकर अभिषेक शर्मा है जबकि केएल राहुल 358 रन और विराट कोहली 351 रन के साथ तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। हेनरिक क्लासेन 8 मैचों में 349 रन के साथ 5वें स्थान पर मौजूद हैं।

इंडियन गोल्फर विजय कुमार का 57 वर्ष की उम्र में निधन

नई दिल्ली । भारतीय गोल्फ जगत से दुखद खबर सामने आई है। पूर्व इंडियन ओपन चैंपियन विजय कुमार का 57 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन से भारतीय खेल जगत में शोक की लहर है। प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) ने बुधवार को उनके निधन की पुष्टि करते हुए उन्हें भारतीय गोल्फ का महान खिलाड़ी बताया।

पीजीटीआई ने अपने बयान में कहा कि विजय कुमार भारतीय गोल्फ के सच्चे दिग्गज थे। उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि वर्ष 2002 में दिल्ली गोल्फ क्लब में इंडियन ओपन खिताब जीतना रही। उन्होंने वर्ष 1999 में स्कॉटलैंड के सेंट एंड्रयूज में आयोजित अल्फ्रेड डनहिल कप में भारत का प्रतिनिधित्व भी किया था। 29 दिसंबर 1968 को लखनऊ में जन्मे विजय कुमार ने 1988 में पेशेवर गोल्फ करियर की शुरुआत की थी। 1990 के दशक और 2000 के शुरुआती वर्षों में वे भारतीय गोल्फ के सबसे सफल खिलाड़ियों में शामिल रहे। उन्होंने भारतीय प्रोफेशनल सर्किट में चार बार ऑर्डर ऑफ मेरिट का खिताब जीता। यह उपलब्धि उन्होंने 1995-96, 1997-98, 1998-99 और 1999-2000 सीजन में हासिल की।

पीजीटीआई ने कहा कि विजय कुमार अपनी प्रतिभा, मेहनत, समर्पण और खेल के प्रति जुनून के लिए हमेशा याद किए जाएंगे। मैदान के बाहर भी वे मुस्कुराते चेहरे, सकारात्मक सोच, खुशमिजाज स्वभाव और खेल भावना के लिए लोकप्रिय थे। उनके निधन से भारतीय गोल्फ ने एक स्वर्णिम अध्याय खो दिया है।

पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर ने हार के लिए खराब गेंदबाजी को जिम्मेदार बताया

मुल्लांपुर। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आईपीएल में मिली पहली हार से बेहद नाराज दिखे। श्रेयस ने हार के लिए खराब गेंदबाजी को जिम्मेदार बताया है। लीग में पंजाब की ये पहली हार है हालांकि वह इसके बाद भी अंक तालिका में नंबर एक स्थान पर बनी हुई है। पंजाब किंग्स ने इस मैच में मार्कस स्टोइनिस की आक्रामक पारी से चार विकेट पर 222 रन बनाये थे। वहीं राजस्थान रॉयल्स ने अंतिम ओवर में ये लक्ष्य हासिल कर लिया। राजस्थान ने चार विकेट पर ही 223 रन बना दिये।

हार के बाद कप्तान श्रेयस अय्यर ने नाराजगी जताते हुए कहा, '222 एक अच्छा स्कोर था। कठिन पिच पर ये लक्ष्य हासिल करना आसान नहीं था पर हमारे गेंदबाजों ने खराब प्रदर्शन किया जिससे राज्स्थान की टीम लक्ष्य हासिल करने में सफल रही। ये भी कहा जा सकता है कि आज हमारा दिन नहीं था हालांकि अभी भी हम अपनी रणनीति पर बरकरार रहेंगे। लगातार खेलने से थकान भी हुई है पर इससे बहाना नहीं बनाय जा सकता है। यह सत्र में हमारी पहली हार है पर इसका बहाना नहीं बनाया जा सकता है। इससे सबक लेते हुए हमें बेहतर गेंदबाजी करने का ध्यान देना होगा। हमें इस हार के कारणों को देखते हुए आगे के मैचों के लिए सुधार करना होगा। इस मैच में पंजाब किंग्स ने मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 222 रन बनाये।वहीं राजस्थान ने ये लक्ष्य चार विकेट खोकर हासिल कर लिया।

चहल ने आईपीएल में 300 विकेट हासिल कर रिकार्ड बनाया

किसी एक देश में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने

मुल्लांपुर । आईपीएल में पंजाब किंग्स टीम की ओर से खेल रहे स्पिनर युजवेंद्र चहल ने यहां राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच में एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली। इस मैच में चहल ने अपने 300 विकेट पूरे किये। इस प्रकार वह एक देश में 300 टी20 विकेट लेने वाले विश्व के पहले क्रिकेटर बन गए।चहल ने चार ओवर में 36 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने मैच में ध्रुव जुरेल,यशस्वी जायसवाल और राजस्थान के कप्तान रियान पराग को आउट किया हालांकि वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। मैच में डोनोवन फरेरा और शुभम दुबे के बची हुई 77 रन की साझेदारी से राजस्थान ने मुकाबला जीत लिया।

इस मैच के साथ ही चहल टी20 क्रिकेट में किसी एक देश में खेलते हुए सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में नंबर एक स्थान पर पहुंच गये हैं। उन्होंने भारत में खेलते हुए 267 मैच में कुल 300 विकेट हासिल किए हैं। वहीं दूसरे नंबर पर भारत के ही पीयूष चावला हैं। पीयूष ने 265 मुकाबलों में 289 विकेट लिए हैं। वहीं तीसरे स्थान पर इंग्लैंड के गेंदबाज डैनी रिचर्ड ब्रिग्स हैं। ब्रिग्स के नाम 242 मैच में 288 विकेट हैं। चहल अच्छे प्रदर्शन के बादी भी पिछले काफी समय से भारतीय टीम में वापसी नहीं कर पाये हैं। ऐसे में उनका लक्ष्य आगे भी बेहतर प्रदर्शन कर अपनी दावेदारी पेश करना रहेगा।

एमेलिया की कप्तानी में टी20 महिला विश्वकप में उतरेगी न्यूजीलैंड

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड की टीम जुलाई में होने वाले टी20 महिला विश्वकप 2026 में एमेलिया केर की कप्तानी में उतरेंगी। न्यूजीलैंड बोर्ड ने इंग्लैंड में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। टीम में युवा खिलाड़ियों नेन्सी पटेल और इजी शार्प को भी पहली बार शामिल किया गया है। इसके अलावा ब्री इलिंग और पॉली इंग्लिस भी टीम में शामिल की गयी हैं।

न्यूजीलैंड की टीम ने पिछले कुछ समय से काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। पिछले आठ टी20 मैचों में से उसे सात में जीत मिली है। टीम के मुख्य कोच बेन सॉयर को उम्मीद है टीम जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी। सॉयर ने कहा, 卐जब भी आपको अपने देश की ओर से खेलने का अवसर मिलता है, वह सम्मान की बात होती है वहीं विश्वकप में तो बात ही कुछ और होती है।

सभी खिलाड़ी इंग्लैंड जाने का लेकर उत्साहित अनुभव कर रहे हैं।

सोफी सहित तीन दिग्गजों का होगा अंतिम टूर्नामेंट

ये विश्वकप इसलिए भी टीम के लिए अहम है क्योंकि ये तीन अनुभवी खिलाड़ी सोफी डिवाइन, लिया ताहुहु और सूजी बेट्स का अंतिम टूर्नामेंट है। इसके बाद ये तीनो ही संन्यास ले लेंगी। ऐसे में टीम का लक्ष्य इन तीनों दिग्गजों को जीत के साथ विदा करना रहेगा।卐 वहीं इनके संन्यास को लेकर कोच सॉयर ने कहा कि तीन अनुभवी खिलाड़ियों का एक ही टूर्नामेंट में संन्यास लेना विशेष अवसर की तरह रहेगा। इन तीनों ने अपने-अपने करियर में बेहतरीन प्रदर्शन कर टीम को कई बार जीत दिलायी है। ऐसे में इनकी कमी खलेगी पर इसके बाद भी टूर्नामेंट के अंत में हम इन तीनों को सम्मान के साथ विदायी दी जाएगी।

विश्वकप में कीवी टीम को ग्रुप बी में इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, श्रीलंका, वेस्टइंडीज और आयरलैंड के साथ रखा गया है। टीम अपना शुरुआत मैच 13 जून को द रोज़ बाउल, साउथैम्पटन में वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू करेगी।

टीम इस प्रकार है-

एमेलिया केर (कप्तान), सूजी बेट्स, सोफी डिवाइन, फ्लोरा डेवोनशायर, इज़ी गेज, मैडी ग्रीन, ब्रुक हॉलिडे, ब्री इलिंग, पॉली इंग्लिस, जेस केर, रोज़मेरी मेयर, नेन्सी पटेल, जॉर्जिया प्लिमर, इज़ी शार्प, लिया ताहुहु।

वैभव सूर्यवंशी ने ऑरेंज कैप अपने नाम की

मुम्बई । राजस्तान रॉयल्स की ओर से खेल रहे वैभव सूर्यवंशी का सबसे अधिक रनों के लिए वॉली ऑरेंज कैप पर कब्जा हो गया है। वैभव ने पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में अपनी 43 रनों की पारी के साथ ही 400 रन बनाकर ये कैप अपने नाम कर ली।

वैभ ने 9 मैचों में 50.00 के और 239.52 के स्ट्राइक रेट रहा से 400 रन बनाये हैं। वह इस प्रकार सत्र में 400 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। वहीं 380 रन बनाकर सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा दूसरे नंबर पर हैं। अभिषेक के अब 8 मैचों में 54.28 के औसत 212.29 के स्ट्राइक रेट से 380 रन हैं। वहीं दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल 8 मैचों में 358 रन बनने के साथ ही तीसरे स्थान पर हैं। उनका औसत 51.14 का है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बल्लेबाज विराट कोहली 8 मैचों में 58.50 के औसत से 351 रन बनाकर चौथे नंबर पर हैं। पंजाब के यशस्वी जायसवाल सूची में 11वें स्थान पर हैं। उन्होंने 9 मैचों में 43.71 के औसत से 306 रन बनाये हैं।

ऑरेंज कैप की दौड़ में शामिल खिलाड़ी

खिलाड़ी	मैच	रन	टीम
वैभव सूर्यवंशी	9	400	राजस्थान रॉयल्स
अभिषेक शर्मा	8	380	सनराइजर्स हैदराबाद
केएल राहुल	8	358	दिल्ली कैपिटल्स
विराट कोहली	8	351	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
हेनरिक क्लासेसन	8	340	सनराइजर्स हैदराबाद

नारी विरोधी है समाजवादी पार्टी–मोदी

हरदोई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिला आरक्षण से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक के संसद में पारित नहीं होने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसे लेकर विपक्षी दलों की आलोचना करने का कोई भी मौका छोड़ नहीं रहे हैं। बुधवार को उप्र के हरदोई जिले में गंगा एक्सप्रेस वे के लोकार्पण के मौके पर भी प्रधानमंत्री मोदी ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि समाज को बांटने और तोड़ने की ख्वाहिश रखने वाली 'नारी विरोधी' सपा उत्तर प्रदेश के लोगों को 'गाली' देने वाली द्रमुक जैसी पार्टी के साथ खड़ी हुई और विधेयक का विरोध किया।

पीएम मोदी ने यहां 594 किलोमीटर लम्बे गंगा एक्सप्रेसवे का लोकार्पण करने के बाद अपने सम्बोधन में कहा कि पिछली सरकारों ने अपनी करतूतों के कारण अपराध और जंगल राज को उत्तर प्रदेश की पहचान बना दिया था और उत्तर प्रदेश के माफिया पर फिल्में बनती थी लेकिन अब उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था का देशभर में उदाहरण दिया जाता है। उन्होंने खासकर सपा पर हमलावर होते हुए कहा कि संसाधनों की बंदरबांट करने वाले जिन सपाइयों के हाथ से सत्ता गई है, उन्हें उत्तर प्रदेश की यह प्रगति पसंद नहीं आ रही है। वह एक बार फिर उत्तर प्रदेश को पुराने दौर में धकेलना चाहते हैं। वह एक बार फिर समाज को बांटना और तोड़ना चाहते हैं।

प्रधानमंत्री ने हाल ही में महिला आरक्षण से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक के संसद में पारित नहीं होने का ठीकरा भी सपा के सिर फोड़ते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी विकास विरोधी भी है और नारी विरोधी भी है। अभी बीते दिनों देश में एक बार फिर सपा और कांग्रेस जैसी पार्टियों का असली चेहरा देखा। उन्होंने कहा कि केंद्र की राजग सरकार संसद में नारी वंदन अधिनियम संशोधन विधेयक लेकर आई थी, जो अगर पारित हो जाता तो 2029 के लोकसभा चुनाव से ही महिलाओं को लोकसभा और विधानसभा में आरक्षण मिलता लेकिन सपा ने इस संशोधन विधेयक का विरोध किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस विधेयक के पारित होने से सभी राज्य विधानसभाओं में भी सीटों की संख्या बढ़ जाती। उन्होंने कहा कि हमने संसद में साफ-साफ कहा था कि सभी राज्यों की सीटें एक ही अनुपात में बढ़ेंगी, लेकिन उत्तर प्रदेश को गाली देकर राजनीति करने वाली द्रमुक जैसी पार्टियों को आपत्ति थी कि उत्तर प्रदेश की सीटें क्यों बढ़ेंगी। प्रधानमंत्री ने सपा को घेरते हुए कहा कि सपा संसद में द्रमुक के सुर में सुर मिला रही थी। उन्होंने कहा कि सपा वाले यहां पर आपका वोट तो चाहते हैं लेकिन संसद में उत्तर प्रदेश के लोगों को गाली देने वालों के साथ खड़े हो जाते हैं। इसीलिए उप्र के लोग कहते हैं कि समाजवादी पार्टी कभी सुधर नहीं सकती। यह लोग हमेशा महिला विरोधी राजनीति ही करेंगे। यह हमेशा तुष्टीकरण और अपराधियों के साथ खड़े रहेंगे।श्श् मोदी ने लोगों को हिदायत देते हुए कहा कि सपा कभी परिवारवाद और जातिवाद से ऊपर उठ नहीं सकती क्योंकि वह हमेशा विकास विरोधी राजनीति करेगी, लिहाजा उत्तर प्रदेश को सपा और उसके सहयोगियों से सावधान रहना चाहिये।

प्रधानमंत्री ने किसी का नाम लिये बगैर कहा कि वर्तमान में पूरी दुनिया युद्ध, अशांति और अस्थिरता से घिरी है और दुनिया के बड़े-बड़े देशों की हालत खराब है लेकिन भारत उसी रफ्तार से विकास की राह पर बढ़ रहा है जो बाहर के दुश्मनों तो पसंद नहीं आ रहा है मगर भीतर बैठे लोग भी सत्ता की भूख में भारत को नीचा दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम आत्मनिर्भर भारत के अभियान को आगे बढ़ा रहे हैं। हम आधुनिक अवसंरचना का निर्माण कर रहे हैं और गंगा एक्सप्रेसवे इसी दिशा में एक और मजबूत कदम है। मुझे विश्वास है गंगा एक्सप्रेसवे जिन संभावनाओं को हमारे दरवाजे तक लेकर आएगा, उत्तर प्रदेश के लोग अपने परिश्रम और प्रतिभा से उन्हें साकार करके रहेंगे।

पंजाबी यूट्यूबर जसबीर 10 महीने बाद जेल से आया बाहर

चंडीगढ। पंजाबी यूट्यूबर जसबीर सिंह उर्फ जॉन महल की 10 माह बाद जेल से रिहाई न्याय और मानवीय संवेदनाओं की महत्वपूर्ण कहानी दिखाती है। ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के लिए जासूसी करने जैसे संगीन आरोपों में गिरफ्तार हुए जॉन महल को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने राहत देकर जमानत प्रदान की है, जो उनके और उनके समर्थकों के लिए एक बड़ी जीत है। अदालत ने मामले में बेहद महत्वपूर्ण टिप्पणी कर स्पष्ट किया कि राज्य सरकार और जांच एजेंसियां जसबीर के किसी पाकिस्तानी खुफिया अधिकारी या नागरिक के संपर्क में होने का कोई भी ठोस सबूत पेश करने में विफल रही हैं। जिन वीडियो को जासूसी के साक्ष्य के तौर पर पेश किया था, वे वास्तव में सार्वजनिक स्थानों के थे जहां सामान्य नागरिकों का जाना पूरी तरह कानूनी है, साथ ही उनके मोबाइल से किसी भी प्रकार की गोपनीय जानकारी साझा करने के स्वतंत्र प्रमाण नहीं मिले। जेल की सलाखों से बाहर आने के बाद जॉन महल ने अपनी जड़ों और परिवार के प्रति गहरा सम्मान प्रकट किया, जहां उन्होंने घर की दहलीज को चूमकर प्रवेश किया। उन्होंने अपने खेतों से भावुक वीडियो साझा कर जेल के उन कठिन दिनों को याद किया जब परिवार से मिलने के दौरान बीच में लगी लोहे की जाली उनके दर्द को और बढ़ा देती थी। अपनों की आंखों में आंसू देखकर उन्होंने एक समय परिवार को मिलने आने से भी मना किया था, लेकिन इसी दौर में उन्हें रिश्तों की असली गहराई का एहसास हुआ। उन्होंने विशेष रूप से अपने भाई का आभार जताकर कहा कि वह उनके जीवनभर कर्जदार रहूंगा, क्योंकि इस कानूनी लड़ाई और मानसिक संघर्ष में भाई ने उनका डटकर साथ दिया। यह मामला न केवल कानूनी प्रक्रिया की बारीकियों को दर्शाता है बल्कि एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर के व्यक्तिगत संघर्ष और पारिवारिक एकजुटता की एक मार्मिक तस्वीर भी पेश करता है।

आशीष दुबे / 29 अप्रैल 2026

बाल अधिकारों का उल्लंघन कर बच्चों को अवैध कस्टडी में लिया, यूपी पुलिस पर सवाल

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के नोएडा में फैक्ट्री मजदूरों के विरोध प्रदर्शन के बाद पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई अब एक बड़े कानूनी विवाद में बदल गई है, क्योंकि यह मामला राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) और राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के पास पहुंच गया है। एडवोकेट सुभाष चंद्रन के.आर. द्वारा दायर याचिका में उत्तर प्रदेश पुलिस पर बेहद गंभीर आरोप लगाए गए हैं जिसमें सैकड़ों मजदूरों और नाबालिग बच्चों को गैर-कानूनी तरीके से हिरासत में रखने की बात सामने आई है। याचिकाकर्ता का मुख्य तर्क यह है कि पुलिस ने संवैधानिक प्रावधानों और बाल अधिकारों का उल्लंघन कर बच्चों को अवैध कस्टडी में लिया है। शिकायत में मांग की गई है कि हिरासत में लिए गए सभी व्यक्तियों को तत्काल रिहाई करे और पूरी घटना की एक स्वतंत्र व निष्पक्ष जांच कराए, ताकि पुलिस की कार्यप्रणाली की सच्चाई सामने आ सके। एडवोकेट चंद्रन ने आयोगों से अपील की है कि वे पीड़ितों के लिए उचित मुआवजे की व्यवस्था करें और उन अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करें जो अवैध हिरासत के लिए जिम्मेदार हैं। याचिका में विशेष रूप से रेखांकित किया गया है कि नाबालिगों को पुलिस कस्टडी में रखना किशोर न्याय अधिनियम के सिद्धांतों का सीधा उल्लंघन है और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त और असरदार कदम उठाने की आवश्यकता है। वर्तमान में यह मामला प्रशासन और पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बन गया है क्योंकि मानवाधिकारों के हनन और बच्चों के अधिकारों के उल्लंघन जैसे संवेदनशील मुद्दे इसमें शामिल हैं। अब मानवाधिकार और बाल अधिकार आयोगों की सक्रियता पर सबकी निगाहें टिकी हैं कि वे इस मामले में क्या निर्देश जारी करते हैं और पुलिस की भूमिका की जांच किस स्तर पर की जाती है।

गोधरा में रचा गया इतिहास...मुस्लिम बहुल क्षेत्र से जीती निर्दलीय हिंदू उम्मीदवार

अपेक्सा सोनी को मुस्लिम निवासियों ने दिया जीत का भरोसा

अहमदाबाद। गुजरात के गोधरा में निर्दलीय उम्मीदवार अपेक्सा सोनी की वार्ड 7 से जीत ने एक ऐसी मिसाल पेश की है, जिसने न केवल लोकल राजनीति बल्कि पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है। वर्ष 2002 की सांप्रदायिक हिंसा के जख्मों के कारण लंबे समय तक संवेदनशील रहे क्षेत्र में, विशेषकर गोधरा रेलवे स्टेशन और सिग्नल फालिया के निकट स्थित वार्ड में हिंदू महिला उम्मीदवार की जीत को चमत्कार के रूप में देखा जा रहा है। क्योंकि इस वार्ड की जनसांख्यिकीय संरचना ऐसी है कि यहाँ हिंदू मतदाताओं की संख्या मात्र दो दर्जन के करीब है, जबकि शेष विशाल बहुमत मुस्लिम समुदाय का है। इसके बावजूद, अपेक्सा सोनी को मिला व्यापक समर्थन बताता हैं कि जनता अब धर्म और जाति की पारंपरिक सीमाओं को लांघकर विकास और निरंतर सेवा को प्राथमिकता दे रही है। अपेक्सा का यह सफर संघर्षपूर्ण रहा, क्योंकि 2021 के चुनाव में उन्हें मामूली अंतर से हार मिली थी, जिससे वे निराश होकर राजनीति छोड़ने का मन बना चुकी थीं। लेकिन वार्ड के मुस्लिम निवासियों और नेताओं ने उन पर भरोसा जताकर उन्हें पुन: चुनाव लड़ने के लिए न केवल प्रेरित किया बल्कि जीत का पूर्ण आश्वासन दिया। पेशे से आभूषण कारोबारी नैनेश सोनी की पत्नी अपेक्सा ने हार के बाद भी क्षेत्र की समस्याओं से मुंह नहीं मोड़ा और पानी, सफाई तथा बिजली जैसे बुनियादी नागरिक मुद्दों के समाधान के लिए व्यक्तिगत स्तर पर काम करती रही। उन्होंने कई बार अपनी निजी जमापूंजी से सार्वजनिक कार्य कराए, जिससे लोगों के मन में उनके प्रति गहरा विश्वास पैदा हुआ। जब पिछले वर्ष वार्ड का परिसीमन हुआ, तब भी स्थानीय समुदाय के आग्रह पर ही उन्होंने चुनावी मैदान में उतरने का निर्णय लिया। उनकी ऐतिहासिक जीत पर प्रतिक्रिया देकर स्थानीय पार्षद साजिद काला और जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष रफीक तिजोरीवाला ने स्पष्ट किया कि यह जीत विभाजनकारी राजनीति के विरुद्ध जनसेवा की जीत है। मतदाताओं ने उन्हें राजनेता के बजाय परिवार की बेटी या बहन के रूप में देखा, जो उनके सुख-दुख में हमेशा साथ खड़ी रही। गोधरा जैसे ऐतिहासिक रूप से जटिल क्षेत्र से निकलकर आई यह खबर भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता को दर्शाती है। जहाँ एक ओर गुजरात के निकाय चुनावों में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में भाजपा का भारी वर्चस्व रहा, वहीं वार्ड 7 के इन परिणामों ने यह संदेश दिया कि जमीनी स्तर पर व्यक्तिगत संपर्क और निस्वार्थ सेवा किसी भी राजनीतिक लहर या धार्मिक ध्रुवीकरण पर भारी पड़ सकती है।

लेडी प्रिंसिपल से अश्लील फोटों मांग रहा, लुधियाना की मेयर का पति रवि आनंद

लुधियाना। लेडी प्रिंसिपल से अश्लील चैटिंग के बाद अब लुधियाना के मेयर पति की कॉल रिकॉर्डिंग सामने आ गई है। इसमें मेयर इंद्रजीत कौर के पति रवि आनंद उर्फ लक्की लेडी प्रिंसिपल से बार-बार पिक (फोटो) मांग रहा है। लेडी प्रिंसिपल लगातार उसकी डिमांड को नकार रही है। लेडी प्रिंसिपल उसके साथ और बातें करने लगी लेकिन रवि आनंद घूम फिरकर फोटों मांगने की बात पर अड़ा रहा।

आनंद लक्की पर अश्लील मैसेज भेजने के आरोप लगाने वाली प्रिंसिपल खुलकर सामने आई है। प्रिंसिपल ने कहा कि मेयर का पति मैसेज में मुझे हॉट-सेक्सी लिखता था। उसकी फिगर फोटो मांगता था। लांग ड्राइव पर मनाली चलने का ऑफर देता था। इतना ही नहीं प्राइवेट पार्ट को लेकर कई तरह की बातें कहता था

करीब सवा 2 मिनट की कॉल रिकार्डिंग में रवि आनंद ने 9 बार लेडी प्रिंसिपल से पिक मांगी है। प्रिंसिपल बार-बार कहती रही कि वहां पिक नहीं देगी। आखिर में लेडी प्रिंसिपल ने कह दिया कि रिश्ते की कुछ शर्म भी होती है। लेडी प्रिसिंपल का दावा है कि यह कॉल रिकार्डिंग उसने फेसबुक मैंसेंजर से की है। लेडी प्रिंसिपल ने रवि आनंद की अब तक जितनी भी चेटिंग सार्वजनिक की है उनमें रवि आनंद बार-बार फिगर फोटो मांग रहा था। लेडी प्रिंसिपल का कहना है कि रवि आनंद लक्की बेहद शातिर है। वह नॉर्मल कॉल नहीं करता था ताकि कोई रिकॉर्डिंग न हो। उन्होंने बताया कि सबूत एकत्रित करने के लिए रवि को कई बार कहा कि नॉर्मल फोन कॉल कर लेकिन रवि ने नहीं की। वहां सिर्फ मैसेंजर पर ही कॉल करता था। उन्होंने बताया कि सबूत एकत्रित करने के लिए फिर स्क्रीन रिकार्डिंग के बारे में जानकारी हासिल की और तब यह रिकॉर्डिंग की। लेडी प्रिंसिपल का कहना है कि जब वो उसे ज्यादा अश्लीलता वाले मैसेज भेजने लगा तो उसने ट्रैप लगाया ताकि सबूत कलेक्ट किए जा सकें। लेडी प्रिंसिपल ने बताया कि उसने जो भी मैसेज भेजे साथ के साथ डिलीट एवरीवन कर देता था ताकि कोई पढ़ ही न सके। उन्होंने एक दिन स्क्रीन रिकार्ड ऑन करके उसके मैसेज रिकार्ड कर दिए।

बंगाल में बनेगी प्रचंड बहुमत की सरकार- नितिन नबीन

मिर्जापुर। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन बुधवार को मिर्जापुर स्थित विंध्याचल धाम पहुंचे। उन्होंने मां विंध्यवासिनी के दर्शन-पूजन किए। इसके पहले नगर विधायक रत्नाकर मिश्रा ने पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया। विंध्याचल पहुंचने पर राष्ट्रीय अध्यक्ष का बड़ी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता व अन्य लोगों ने जगह-जगह स्वागत किया। अटल चौराहा समेत अन्य जगहों पर उनका स्वागत किया गया। पत्रकारों से बातचीत में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने कहा कि बंगाल के लिए आज विशेष दिन है। वहां पर प्रचंड बहुमत की सरकार बनने जा रही है। यह पूछे जाने पर की भाजपा वहां पर सरकार बना रही है, उन्होंने फिर यही जवाब दिया कि बंगाल में प्रचंड बहुमत से सरकार बनने जा रही है। उन्होंने कहा कि बंगाल के लिए आज विशेष दिन है। वहां पर दूसरे चरण का मतदान होने वाला है और मैं यह लोगों का आह्वान करता हूं कि वह अधिक से अधिक संख्या में बूथों पर जाएं और मतदान करें ताकि बंगाल को सुरक्षित रखा जा सके।

धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, जिसे खुजली हो, दरबार आ जाए

नागपुर,। बागेश्वर धाम के पं.धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री नागपुर के रेशम बाग में 26 से 30 अप्रैल तक श्रीराम कथा कर रहे हैं। तभी धीरेंद्र शास्त्री और अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के श्याम मानव के बीच आस्था, अध्यात्म और विज्ञान को लेकर विवाद बढ़ गया है। श्याम मानव ने 80 लाख रुपए की चुनौती दी, जिसे बाबा ने स्वीकार किया। श्याम मानव ने बाबा को 10 लोगों के नाम, उनके पिता का नाम, उम्र और मोबाइल नंबर सटीक बताने की चुनौती दी है। साथ ही, 'अतींद्रिय शक्ति' की परीक्षा के लिए बंद कमरे में रखी 10 वस्तुओं की पहचान करनी होगी। दोनों परीक्षाओं में करीब 90 प्रतिशत सटीकता जरूरी रखी गई है। यह प्रक्रिया नागपुर में पत्रकारों की मौजूदगी में होगी।

दिल्ली हाईकोर्ट में वर्चुअल सुनवाई के दौरान चलने लगी अश्लील मूवी

नई दिल्ली । दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय की कोर्ट में तब बेहद असहज मौहाल हो गया, जब वर्चुअल सुनवाई के लिए लगे वीडियो स्क्रीन पर अश्लील मूवी चलने लगी। इस कारण फौरन वीडियो कॉन्फ्रेंस सिस्टम बंद करना पड़ा।

हालांकि घटना ने न्यायिक कार्य के दौरान साइबर सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हाईकोर्ट सूत्रों के मुताबिक ये अश्लील वीडियो एक पक्षकार श्रीधर सरनोबत और शितजीत सिंह के यहां से चले थे। घटना के बाद दिल्ली हाईकोर्ट प्रशासन ने दिल्ली पुलिस की इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रेटेजिक ऑपरेशन आईएफएसओ यूनिट को शिकायत की। सीएफएसओ दिल्ली पुलिस की विशेष साइबर क्राइम यूनिट है, जो जटिल ऑनलाइन घोटालों, डिजिटल एरेस्ट और संवेदनशील मामलों की जांच करती है। यह यूनिट मुख्य रूप से साइबर अपराध, ऑनलाइन दुर्व्यवहार और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े डिजिटल मामलों को दिखाती है। यह अत्याधुनिक साइबर लैब से लैस है, जो मोबाइल और कंप्यूटर से डिलीट किया गया डेटा रिकवर करने में सक्षम है।

शुरुआती पूछताछ के मुताबिक, यह वीडियो किसी शितजीत सिंह के अकाउंट से चला था। इस वीडियो के बाद उन्होंने दावा किया कि उनका अकाउंट किसी ने अमेरिका से हैक किया था। उन्हें नहीं पता कि ये अश्लील सामग्री सुनवाई के दौरान कैसे चली।

जब पहली बार अश्लील कंटेंट चला, तब कोर्ट के स्टाफ ने तुरंत वीसी बंद किया। हालांकि, थोड़ी देर बाद जब वीसी फिर से शुरू किया गया, तब उसी यूजर ने फिर स्क्रीन शेयर की और अश्लील सामग्री चला दी। बैकग्राउंड से एक आवाज आई,यह अमेरिका से किया गया एक हैक है। मीटिंग को अभी तुरंत बंद कर दे।

इस पर दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस उपाध्याय ने कहा है कि उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंस की कार्यवाही के दौरान पोर्न दिखाने की घटनाओं के बाद रजिस्ट्रार जनरल को समुचित कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। सीजे उपाध्याय ने कहा कि अदालती कार्यवाही की रिकॉर्डिंग प्रतिबंधित है। लेकिन उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी जिन्होंने घटना को रिकॉर्ड कर प्रसारित किया।

अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने पीठ को सूचित किया कि यह घटना न केवल चीफ की अदालत में बल्कि कई अन्य अदालतों में भी हुई थी। एएसजी शर्मा ने कहा कि कुछ अदालतों में ऐसी घटनाएं परेशान करने वाली हैं जो संस्थान की पवित्रता और अखंडता को नुकसान पहुंचाती हैं।

सामाजिक सुधार के नाम पर धर्म को 'खोखला' नहीं किया जा सकता

सबरीमाला मंदिर मामले में सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट में केरल के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश से जुड़े भेदभाव पर दायर याचिकाओं की सुनवाई के दौरान महत्वपूर्ण टिप्पणियां सामने आईं। बुधवार को सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि सामाजिक सुधार के नाम पर धर्म को 'खोखला' नहीं किया जा सकता। जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा कि भारत की सभ्यता और धार्मिक इतिहास को नजरअंदाज नहीं कर सकते, क्योंकि इसी पृष्ठभूमि से संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 बने हैं।

वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह ने दलील दी कि मंदिर में महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध भेदभावपूर्ण है और यह उनके संवैधानिक अधिकारों का सीधा उल्लंघन करता है। उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत ने पहले महिलाओं के प्रवेश को अनुमति दी थी और अदालत के इस फैसले पर कोई स्थगन आदेश नहीं है, फिर भी प्रवेश नहीं दिया जा रहा है।

वकील जयसिंह ने सवाल उठाया कि क्या धर्म का अधिकार संविधान में दिए गए समानता के अधिकारों से ऊपर हो सकता है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 14, 19 और 21 के तहत मिले अधिकारों को धर्म के नाम पर सीमित नहीं किया जा सकता। इस पर सुप्रीम कोर्ट में चर्चा के दौरान कहा गया कि धार्मिक परंपराओं और मौलिक अधिकारों के बीच संतुलन जरुरी है। जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने टिप्पणी की कि शीर्ष अदालत को यह देखना होगा कि क्या धार्मिक पहचान की रक्षा करते हुए संवैधानिक अधिकारों को पूरी तरह निष्प्रभावी कर सकते है।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान मुद्दा उठा कि 10 से 50 वर्ष की महिलाओं के प्रवेश पर रोक क्या समानता और गरिमा के अधिकार का उल्लंघन है। अधिवक्ता ने कहा कि यह प्रावधान महिलाओं के जीवन के बड़े हिस्से को प्रभावित करता है और इस रोक को भेदभाव माना जाना चाहिए। वहीं, अदालत ने कहा कि किसी महिला को उसकी जाति के कारण प्रवेश से रोका नहीं गया है, बल्कि यह प्रतिबंध आयु और परंपरा से जुड़ा हुआ है। वहीं सुनवाई के दौरान सरकारी पक्ष ने दलील दी कि देश के कई मंदिरों में परंपरागत नियम लागू हैं, इसलिए धार्मिक परंपराओं का सम्मान होना चाहिए।

1 मई को हाजिर हो सीएम मान...वरना होगी उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई

-मानसा कोर्ट की मान को सख्त चेतावनी

चंडीगढ़,। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। मानसा की एक स्थानीय अदालत ने मानहानि के पुराने मामले में बार-बार अनुपस्थित रहने पर मुख्यमंत्री के प्रति कड़ा रुख अपनाया है। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) राजिंदर सिंह नागपाल ने स्पष्ट किया है कि यदि मुख्यमंत्री 1 मई को अगली सुनवाई पर व्यक्तिगत रूप से पेश नहीं हुए हैं, तब उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई होगी। दरअसल यह मामला साल 2019 का है, जब आम आदमी पार्टी के पूर्व विधायक नाजर सिंह मानशाहिया ने मान और कुछ मीडियाकर्मियों के खिलाफ आपराधिक मानहानि की शिकायत दर्ज कराई थी। मनासा कोर्ट ने उल्लेख किया कि अक्टूबर 2022 से अब तक मुख्यमंत्री एक बार भी अदालत में पेश नहीं हुए हैं। हालांकि शुरुआत में उन्हें आवश्यक जमानत बांड जमा करने पर जमानत दे दी गई थी, लेकिन तब से मामले की कार्यवाही उनकी अनुपस्थिति के कारण रुकी हुई है।

हालिया सुनवाई के दौरान, सीएम मान के वकील ने चंडीगढ़ में एक महत्वपूर्ण बैठक का हवाला देकर व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट की मांग की थी। कोर्ट ने इस पर सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि आरोपी का आचरण और रवैया न्यायालय की कार्यवाही के प्रति उनकी गंभीरता की कमी को दर्शाता है। पिछली बार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश होने की उनकी अर्जी भी खारिज कर दी गई थी और उन्हें व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया गया था।

अदालत ने मंगलवार की सुनवाई के लिए छूट दे दी, लेकिन इस अंतिम चेतावनी करार दिया। कोर्ट ने अपने आदेश में निम्नलिखित महत्वपूर्ण बिंदु दर्ज किए। मुख्यमंत्री को 1 मई को कोर्ट के समक्ष उपस्थित होने का आखिरी मौका दिया गया है। यदि वे अगली तारीख पर पेश नहीं होते हैं, तो उनकी जमानत रद्द कर दी जाएगी। अदालत ने स्पष्ट किया है कि उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए कानून के तहत दंडात्मक उपाय अपनाए जाएंगे। मनासा कोर्ट ने मुख्यमंत्री के वकील को स्पष्ट निर्देश दिया है कि अगली सुनवाई पर आरोपी की उपस्थिति हर हाल में सुनिश्चित की जाए। अब सभी की नजरें 1 मई की सुनवाई पर टिकी हैं कि क्या मुख्यमंत्री कोर्ट में पेश होते हैं या मामला कोई नया मोड़ लेता है।

बड़ा हादसा- डंपर की टक्कर से छह की मौत, मुंडन कराकर लौट रहा था परिवार; योगी का मुआवजे का एलान

उन्नाव। यूपी के उन्नाव जिले में एक बेकाबू डंपर ने बोलेरो को जोरदार टक्कर मार दी। इस भयावह हादसे में अब तक छह लोगों की जान जा चुकी है, जबकि पांच अन्य लोग अस्पताल में जिंदगी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, पठई गांव निवासी मालती अपने तीन वर्षीय पुत्र सूरज उर्फ शुभ का मुंडन कराने के लिए सगे-संबंधियों के साथ बक्सर स्थित चंडिका देवी मंदिर गई थीं। मंदिर में ढोल-नगाड़ों और मंगल गीतों के बीच मुंडन की रस्में पूरी हुईं। परिवार हंसी-खुशी बोलेरो से घर लौट रहा था, जहां मुंडन की दावत और उत्सव की तैयारियां चल रही थीं। जैसे ही गाड़ी बिहार-बक्सर मार्ग पर कीरतपुर गांव के पास पहुंची, तेज रफ्तार डंपर ने उनकी खुशियों को कुचल दिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मंगल गीत पल भर में चीख-पुकार में बदल गए।

हादसा इतना भीषण था कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए और वह डंपर के नीचे दब गई। चीखें सुनकर मौके पर दौड़े ग्रामीणों की भी रूह कांप गई। जिस नन्हे शुभ के मुंडन की खुशियां मनाई जा रही थीं, वह अपनी घायल मां मालती की गोद में लहूलुहान हालत में मिला। पठई गांव में जहां बुधवार को मुंडन की दावत होनी थी, वहां अब एक साथ छह अर्थियां उठने की तैयारी हो रही है।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि डंपर की टक्कर के बाद बोलेरो के परखच्चे उड़ गए और वह डंपर के नीचे ही खंती में दब गई। जब ग्रामीणों ने राहत कार्य शुरू किया, तो नजारा देख उनकी रूह कांप गई। गंभीर रूप से घायल मां मालती अपने जिगर के टुकड़े शुभ को सीने से लगाए मलबे में फंसी थीं। मां की गोद में शुभ बिल्कुल सहमा हुआ था, जैसे वह समझ ही नहीं पा रहा हो कि अभी कुछ देर पहले मंदिर में जो खुशियां थीं, वो अचानक लहूलुहान चीखों में कैसे बदल गईं। हादसे में मालती को गंभीर चोटें आई हैं, जिन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने बताया कि हादसे के बाद डंपर चालक मौके से भागने में सफल रहा। डंपर को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की जा रही है। मां मालती समेत सभी सात घायलों की हालत नाजुक बनी हुई है, जिनका उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर फरार चालक की तलाश में टीमें लगा दी हैं।

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

दो मोटरसाइकिल आपस में टकराई-दो युवक घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रामपायली थाना अंतर्गत ग्राम बिटोड़ी से नवेगांव के बीच दो मोटरसाइकिल आपस में टकराने से दोनों मोटरसाइकिल सवार दोनों युवक घायल हो गए। दोनों घायल को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। जिनमे निरंजन पिता काशीलाल लिल्हारे 37 वर्ष ग्राम बिटोड़ी थाना रामपायली, और मनीष पिता होलीराम पंचेश्वर 23 वर्ष ग्राम सावंगी थाना कटंगी निवासी बताए गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार निरंजन लिल्हारे खेती किसानी करते हैं। जिनका ससुराल ग्राम बरबसपुर का है।

29 अप्रैल को 11ः00 बजे करीब निरंजन लिल्हारे मोटरसाइकिल में अपने घर से अपने ससुराल बरबसपुर जा रहे थे। तभी बिटोड़ी से नवेगांव बीच से जैसे ही निरंजन लिल्हारे बरबसपुर जाने के लिए मोटरसाइकिल मोड़ रहे थे तभी बरबसपुर तरफ से तेज गिरफ्तार से आ रही मोटरसाइकिल निरंजन लिल्हारे की मोटरसाइकिल से टकरा गई।। इस दुर्घटना में निरंजन लिल्हारे और अन्य मोटरसाइकिल में सवार युवक घायल हो गया यह युवक मनीष पंचेश्वर ग्राम सावंगी थाना कटंगी निवासी बताया गया है।। दोनों घायल को जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया। बताया गया की घटना के दौरान मनीष पंचेश्वर शराब के नशे में था। जो बेनी तरफ से आ रहा था। जिसने तेज रफ्तार लापरवाही पूर्वक मोटरसाइकिल चलाते हुए निरंजन लिल्हारे की मोटरसाइकिल ठोस मार दी। जिला अस्पताल पुलिस ने दोनों घायल का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु घटनास्थल से संबंधित पुलिस थाना रामपायली भिजवा दी है।

भटेरा ओवरब्रिज निर्माण से बढ़ीं वार्डवासियों की मुश्किलें, घरों में भर रहा गंदा पानी

मुआवजा, आवागमन और जलनिकासी की समस्या पर फूटा लोगों का गुस्सा, पार्षद ने दी चक्काजाम की चेतावनी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

भटेरा रेलवे क्रॉसिंग पर निर्माणाधीन ओवरब्रिज अब स्थानीय वार्डवासियों के लिए परेशानी का कारण बनता जा रहा है। निर्माण कार्य के चलते पहले से ही आवागमन प्रभावित है और कई प्रभावित परिवारों को अब तक मुआवजा नहीं मिलने की शिकायत है। वहीं अब जलनिकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने से क्षेत्र की समस्या और बढ़ गई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि निर्माण कार्य के दौरान नालियों की व्यवस्था बाधित हो गई है, जिसके कारण गंदा पानी अब वार्डवासियों के घरों के आसपास और कई घरों के भीतर तक जमा होने लगा है। इससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और बीमारी फैलने की आशंका भी बढ़ गई है। वार्डवासियों का कहना है कि उन्होंने कई बार संबंधित अधिकारियों को समस्या से अवगत कराया, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं किया गया। लगातार बढ़ रही परेशानियों के कारण लोगों में आक्रोश देखा जा रहा है। वहीं वार्ड पार्षद ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि जल्द ही जलनिकासी, मुआवजा और आवागमन की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो वह वार्डवासियों के साथ धरने पर बैठेंगे और निर्माण कार्य बंद करवाने के लिए आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा कि यदि स्थिति बिगड़ती है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

शहर के वार्ड क्रमांक-2 भटेरा चौकी रेलवे क्रॉसिंग पर निर्माणाधीन ओवरब्रिज अब स्थानीय लोगों के लिए राहत के बजाय परेशानी का कारण बनता जा रहा है। क्षेत्र के रहवासियों का आरोप है कि निर्माण कार्य बेहद अव्यवस्थित ढंग से किया जा रहा है, जिसके कारण आवागमन बाधित हो रहा है और पानी निकासी की समस्या गंभीर रूप लेती जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण एजेंसी द्वारा एक ओर की सड़क पूरी तरह खोद दी गई है, जिससे वर्तमान में वन-वे यातायात के माध्यम से आवाजाही हो रही है। लोगों का सवाल है कि जब विभाग द्वारा वैकल्पिक मार्ग तैयार किया गया है तो उसे अब तक शुरू क्यों नहीं किया गया। एक ही रास्ते से छोटे-बड़े वाहनों की आवाजाही होने से दुर्घटना की आशंका लगातार बनी हुई है। वार्ड क्रमांक-2 की निवासी तेज नगपुरे ने बताया कि पानी निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण पिछले करीब 15 दिनों से उनके घर के सामने और नालियों में पानी जमा है। यह पानी अब घर के कमरों तक पहुंचने लगा है। उन्होंने कहा कि गंदे पानी के साथ नालियों के कीड़े-मकोड़े भी घरों के अंदर आ रहे हैं, जिससे परिवार को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं क्षेत्र निवासी विजय बिसेन ने बताया कि बीते एक महीने से ओवरब्रिज निर्माण के कारण क्षेत्र के लोग परेशान हैं। सड़क खुदाई के चलते आवाजाही प्रभावित हो रही है और नालियों के गंदे पानी की निकासी की कोई समुचित व्यवस्था नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि नाले का निर्माण तो किया जा रहा है, लेकिन यह नहीं सोचा गया कि पानी आखिर निकलेगा कहां। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अभी गर्मी के मौसम में यदि घरों में पानी भरने की स्थिति बन रही है तो बारिश के मौसम में हालात और भी भयावह हो सकते हैं। भटेरा चौकी क्षेत्र में घुटनों तक पानी भरने की आशंका से लोग अभी से चिंतित हैं।

निर्माण कार्य बंद कर चक्काजाम किया जाएगा - योगराज लिल्हारे

वार्ड पार्षद योगराज लिल्हारे ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि वे ओवरब्रिज निर्माण का स्वागत करते हैं और शुरुआत से ही विकास कार्य में सहयोग कर रहे हैं, लेकिन पानी निकासी की समस्या को लेकर वे लंबे समय से प्रशासन और विभाग का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि विधायक, एसडीएम सहित कई अधिकारियों ने क्षेत्र का निरीक्षण किया, लेकिन किसी ने भी जल निकासी की स्थायी व्यवस्था पर गंभीरता नहीं दिखाई। नतीजतन आज वार्ड की गलियों और लोगों के घरों में पानी भरने लगा है। पार्षद ने आरोप लगाया कि ब्रिज के दोनों ओर नालियों का निर्माण तो कर दिया गया, लेकिन पानी निकासी की अंतिम व्यवस्था नहीं बनाई गई। उन्होंने बताया कि यह क्षेत्र डूब प्रभावित क्षेत्र माना जाता है और यदि समय रहते समाधान नहीं किया गया तो बारिश में हालात बेहद खराब हो सकते हैं। योगराज लिल्हारे ने यह भी बताया कि कई प्रभावित लोगों ने सुरक्षा की दृष्टि से अपने मकान तोड़ना शुरू कर दिया है, लेकिन अब तक विभाग की ओर से मुआवजे की राशि नहीं दी गई है, जिससे लोग आर्थिक रूप से भी परेशान हैं। उन्होंने निर्माण एजेंसी और विभाग को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि पानी की समस्या और बढ़ी तथा घरों में जलभराव हुआ तो वार्डवासी नाली और नाला निर्माण को तोड़ने के लिए मजबूर होंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि यदि जल्द व्यवस्था नहीं सुधारी गई तो वार्ड की जनता के साथ मिलकर निर्माण कार्य बंद कराया जाएगा और चक्काजाम किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन और संबंधित विभाग की होगी।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

चौथिया बारात जा रही बोलेरो को ट्रैक्टर ने मारी टक्कर एक बाराती की मौत, 5 घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के परसवाड़ा थाना क्षेत्र में मंगलवार की रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। ग्राम पोगारझोडी और ठेमा के बीच तेज रफ्तार बेलगाम ट्रैक्टर ने बारातियों से भरी बोलेरो को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में एक बाराती की मौत हो गई जबकि चालक समेत 5 लोग गंभीर घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार 27 अप्रैल की रात ग्राम झांगुल से ग्राम कोसमी में हिरवाने परिवार के यहां बारात आई थी। लग्न के बाद 28 अप्रैल को दुल्हन की विदाई हुई थी। वैवाहिक कार्यक्रम के चलते कोसमी के हिरवाने परिवार अपने रिश्तेदारों और गांव के लोगों के साथ दुल्हन को लाने के लिए चौथिया की बारात लेकर ग्राम झांगुल जा रहा था। रात करीब 9 बजे बोलेरो में चालक सहित 6 लोग सवार होकर पोगारझोडी से ठेमा के बीच पहुंचे ही थे कि सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बोलेरो को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए। और चालक सहित 6 लोग घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर पहुंची 108 एंबुलेंस और डायल 112 की मदद से सभी घायलों को परसवाड़ा अस्पताल ले जाया गया। वहा एक व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया गया। मृतक की धर्मपाल पिता टुंडीलाल पटले 60 वर्ष ग्राम कोसमी परसवाड़ा निवासी बताया गया है।परसवाड़ा अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद 5 घायलों को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया। इनमें से एक घायल को बालाघाट नगर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिला अस्पताल में इलाज 4 घायलों को भर्ती किया गया। जिनमे लक्ष्मीकांत पिता आत्माराम पटले41 वर्ष, रोहित पिता चेतराम उइके 43 वर्ष, चैतराम पिता नब्बूलाल विश्वकर्मा 33 वर्ष और बुलेरो चालक संकेत पिता मुरलीधर शरणागत27 वर्ष ग्राम किन्ही परसवाड़ा निवासी शामिल है।परसवाड़ा पुलिस ने 29 अप्रैल को मृतक धर्मपाल पटले का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर मोके से फरार ट्रैक्टर चालक की तलाश शुरू कर दी है।

आवश्यकता है
पेट्रोल पंप में काम करने हेतु युवक/ युवती की आवश्यकता है युवतियों को विशेष प्राथमिकता
युवक-4 पद, युवती 4 पद, मेनेजर 2 पद, वेतनमान-योग्यता अनुसार
सम्पर्क करें- रूसिया फ्यूल बालाघाट रोड़ , अभिषेक पेट्रोलियम चंदोरी कटंगी रोड़ वारासिवनी
मों.नं.6260987149, 7974436365, 9822219741, 9713298484

भावपूर्ण श्रद्धांजली
स्व. श्री डेमेश्वर महाजन (महाजन जी)
(वरिष्ठ लेखापाल एवं एडवोकेट)
श्रद्धांजली शोक सभा

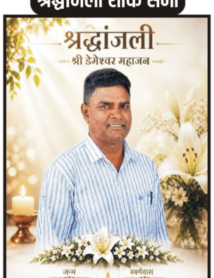

01.05.2026 दिन शुक्रवार
समय शाम 6.00 बजे वैध लॉन,स्नेह नगर, बालाघाट (म.प्र.)

शोकाकुल
बाघरेचा तिजारे एंड एसोसिएट्स
एवं समस्त टीम मेम्बर एवं मित्रगण

श्री तुकाराम-मीराबाई (माता-पिता)
श्री मुनेश्वर-सविता (भाई-भाभी)
श्रीमती ललिता (पत्नी), रूद्र-रियांश (पुत्र)
श्री किशन-लिमेश्वरी (भाई-बहन)
श्रवणलाल-सुखवन कावरे (सास-ससुर)
कृष्णा-अनिल-अनिता (साले-साली)

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :**9425138710**, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट